सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट

ANNUAL REPORT

2017-18

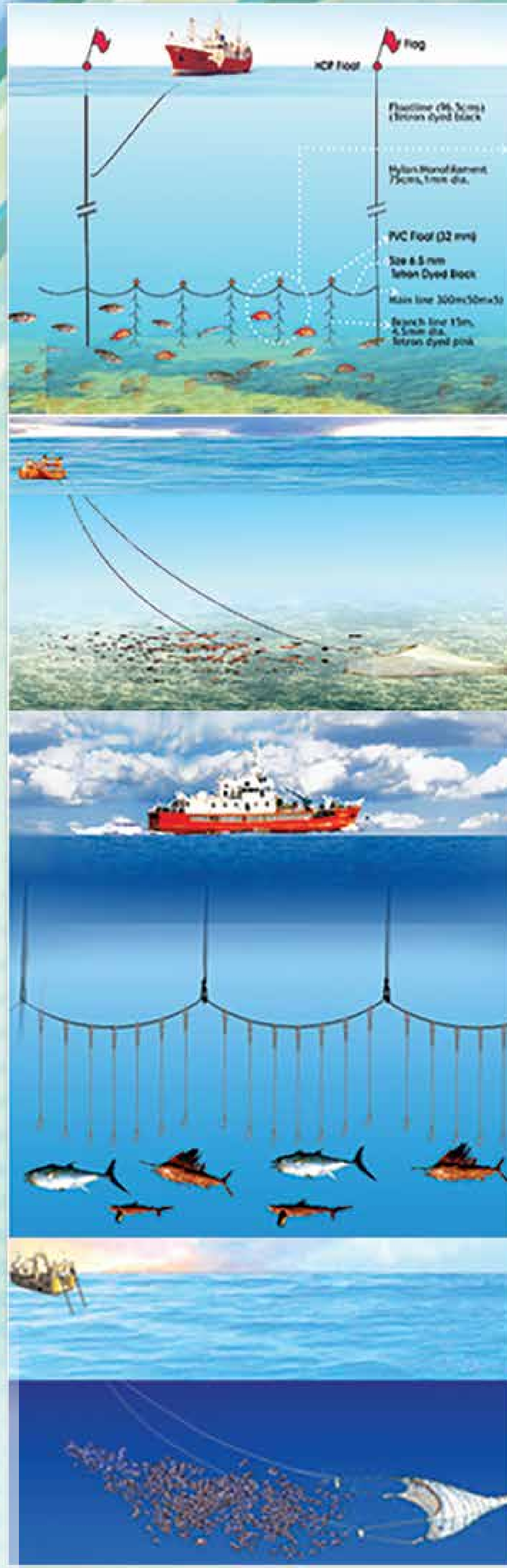

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण

पशुपालन, डेरी एवं मात्स्यिकी विभाग

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

FISHERY SURVEY OF INDIA

Department of Animal Husbandry, Dairying & Fisheries

Ministry of Agriculture & Farmers' Welfare

ORGANIZATIONAL STRUCTURE

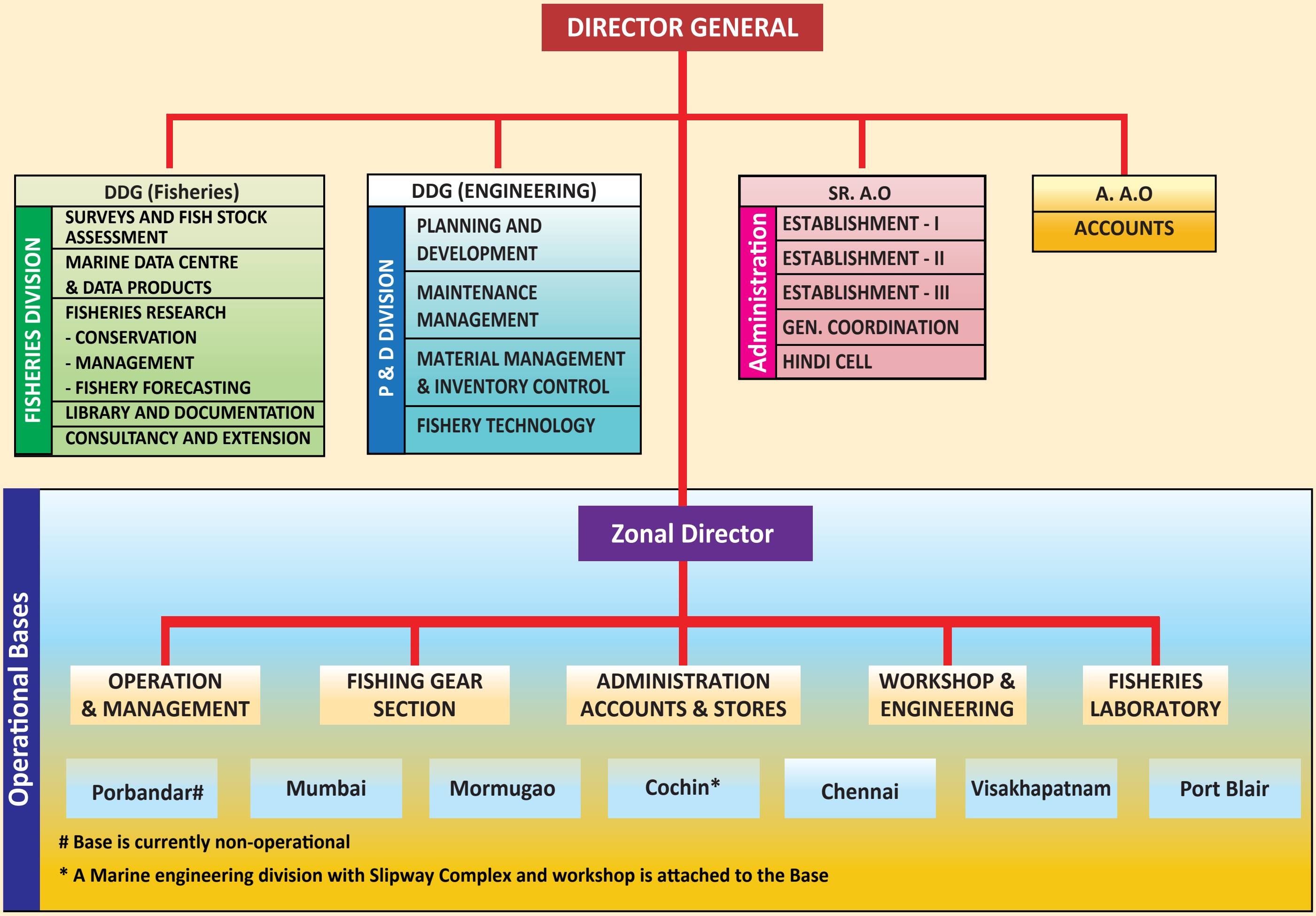

Department of Animal Husbandry, Dairying & Fisheries
Ministry of Agriculture and Farmers Welfare
Government of India
Krishi Bhawan, New Delhi, India-110 001.

Website www.dadf.gov.in & http://dahd.nic.in
KISAAN PORTAL Website: www.farmer.gov.in / www.mkisan.gov.in
For more information, call: 1800-180-1551
Send "KISAAN GOV HELP" as SMS to 51969 (Service provider rates apply)
Poultry Development: www.facebook.com/poultryinindia-242959095864252
Fodder Development: www.facebook.com/fodderinindia
Sheep and Goat Development www.facebook.com/ sheepgoatsindia
Twitter: twitter.com/poultryinindia & twitter.com/ cpdoti
Facebook page of DADF-www.facebook.com/ Animal-Husbandry-Dairying-Fisheries-India-161942617536286
Twitter handle of DADF - twitter.com/DOAHDF

सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2017-18

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
पशुपालन, डेरी एवं मात्स्यिकी विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

FISHERY SURVEY OF INDIA
Department of Animal Husbandry, Dairying & Fisheries
Ministry of Agriculture & Farmers' Welfare

वार्षिक रिपोर्ट 2017 -18
Annual Report 2017-18

संकलक/Compiled by

श्री बापू एम राऊत एवं श्री आशीष कुमार
Shri Bapu M Raut and Shri Ashish Kumar

संपादक / Edited by

डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, श्री पी. सी. राव और डॉ. अंशुमन दास
Dr. Vinod Kumar Mudumala, Shri P. C. Rao and Dr. Ansuman Das

हिंदी अनुवाद / Hindi Translation
श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव / Smt. Meera Vellan Rajiv

सचिवीय सहायता /Secretarial Assistance
श्री विशाल के खरात /Shri Vishal Kharat

प्रकाशक / Published by
डॉ. एल. रामलिंगम
उप महानिदेशक (मात्स्यिकी)/महानिदेशक (प्रभारी)
Dr. L. Ramalingam
Deputy Director General (Fisheries)
Director General (I/C)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
प्लॉट 2 ए, यूनिट नं. 12, न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा, मुंबई-400 005
फैक्स 022-22188221; फोन: 022-22188235/22151866
वेबसाईट: http//www.fsi.gov.in; ई-मेल: dg-fsi-mah@nic.in

Fishery Survey of India
Plot 2A, Unit No. 12, New Fishing Jetty, Sasoon Dock, Colaba, Mumbai - 400 005
Fax: 022-22188221; Phone: 022-22188235 / 22151866
Website: http//www.fsi.gov.in; E-mail: dg-fsi-mah@nic.in

विषय सूची...

वार्षिक रिपोर्ट 2017 -18

क्र.सं.	विषय सूची	
1	महानिदेशक के डेस्क से...	III
2	अधिदेश	1
3	प्रचालन बेस व सर्वेक्षण पोत	2
4	समुद्री मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं अनुसंधान परियोजनाएं	5
4.1	तलमज्जी और पेलाजिक संसाधन सर्वेक्षण एवं मॉनिटरिंग	
	पश्चिमी तट	5
	पूर्वी तट	10
4.2	महासागरीय टूना संसाधन सर्वेक्षण	17
5	प्रत्यक्ष लक्ष्य एवं उपलब्धियाँ	24
6	पोतवार पकड एवं मूल्य	25
7	सर्वेक्षण जलयात्राओं में वैज्ञानिक भागीदारी	26
8	बेड़ा अनुरक्षण	28
9	आधारभूत संरचना सुविधाएं	29
10	प्रशिक्षण	30
11	प्रकाशन	33
12	अनुसंधान एवं सर्वेक्षण गतिविधियाँ	36
13	प्रशासन एवं वित्त	46

क्र.सं.	विषय सूची	
14	मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों की महत्वपूर्ण घटनाएं	49
14.1	बैठकें	49
14.2	विभिन्न कार्यक्रमों में महानिदेशक एवं वैज्ञानिकों की भागीदारी	50
14.3	आगन्तुक/प्रतिनिधि मण्डल	57
14.4	अलिबाग में अध्ययन दौरा	60
14.5	व्यापार मेला/प्रदर्शनी/मेला/परिसंवाद/संगोष्ठी में भागीदारी	60
14.6	नुक्कड नाटक	62
14.7	सतर्कता जागरुकता सप्ताह	62
14.8	मुख्यालय और बेस कार्यालय द्वारा आयोजित स्वच्छता पखवाडा/अभियान	63
14.9	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	65
14.10	सांप्रदायिक सौहार्द सप्ताह	67
14.11	संस्थान द्वारा आयोजित कार्यशाला/ओपन हाउस	67
14.12	राजभाषा गतिविधियाँ	70
15	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों के साथ सहयोग और संघ	76
16	संक्षिप्त रुप	77

महानिदेशक के डेस्क से

डॉ. एल. रामलिंगम

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (भा मा स) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन विभाग के तहत भारत सरकार का एक प्रमुख मात्स्यिकी संस्थान है, जिसको भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग करने और समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के स्थायी अन्वेषण के लिए महत्वपूर्ण जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी है । नियमित सर्वेक्षण परियोजनाओं के कार्यान्वयन के अतिरिक्त, भा मा स ने जाल चयन पर प्रायोगिक मत्स्यन सहित विविध मत्स्यन प्रणालियां तथा गियर की दक्षता को परखने के लिए तुलनात्मक अध्ययन भी किया है ।

भा मा स ने समुद्र तटीय राज्यों में आधुनिक मछली पकडने के तरीको को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । इस वार्षिक रिपोर्ट में 2017-2018 के दौरान निष्पादित चालू सर्वेक्षण एवं अनुसंधान तथा संबंधित गतिविधियों की प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत किया गया है । इन लक्ष्य को पूरा करने के साथ साथ, संस्थान ने अंडमान एवं निकोबार व्दीप सहित सभी समुद्रवर्ती राज्यों में मछुआरों, मत्स्य उद्योग एवं अन्य प्रयोक्ता समूह के लाभार्थ सर्वेक्षण परिणामों के प्रसार, क्षेत्रीय कार्यशालाएं, ओपन हाउस और समुद्री मात्स्यिकी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया है । भा.मा.स के सभी परिचालन बेस कार्यालयों से एक संसाधन सूचना अंकावली (आर आई एस), एक तिमाही प्रकाशन अंग्रेजी, हिंदी में और संबंधित समुद्र तटीय राज्यों के क्षेत्रीय भाषा में प्रकाशित है।

“भारतीय समुद्र में टूना के प्रवास स्वरुप पर उपग्रह टेलिमेटरी अध्ययन” पर इनकोस द्वारा निधीकृत अंतर-संस्थानीय परियोजना के अंतर्गत, टूना टेग्गिंग प्रयोग संचालित किया गया, जिसमें 8 जीवित टूना को टैग किया गया और अपने निवास स्थान में छोड दिया गया । संस्थान द्वारा “पारिस्थितिक तंत्र आधारित समुद्री जीव संसाधन प्रबंधन के लिए जी आई एस एवं सुदूर संवेदन पर परियोजना और तमिलनाडु तटीय अपतटीय जल के लिए संभावित मछली पकडने के क्षेत्र की पहचान पूर्वानुमान और निगरानी” पर सेक द्वारा निधीकृत परियोजना भी कार्यान्वित किया जा रहा है ।

टूना लाँग लाइनिंग पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम के हिस्से के रुप में, मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु राज्य द्वारा प्रायोजित लगभग 37 मछुआरों को सिफनेट, कोच्चि के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया और प्रशिक्षण एन एफ डी बी, हैदराबाद द्वारा निधीकृत किया गया । मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के सहयोग से नील क्रांति/यू टी योजना/राष्ट्रीय कृषि विज्ञान योजना कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी सहित 27 स्थानीय मछुआरों और स्थानीय मात्स्यिकी निरीक्षक को पोत एम एफ वी ब्लू मार्लिन में ले जाया गया और उनको आधुनिक मछली पकडने की तकनीकों और समुद्र में सुरक्षा के लिए इलेक्ट्रोनिक उपकरणों पर प्रशिक्षित किया गया। संस्थान भा मा स के सर्वेक्षण पोतों पर सिफनेट छात्रों को

समुद्री सेवा अर्जित करने हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है ।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, भा मा स ने कार्यालय परिसर और समीपस्थ मत्स्यन बंदरगाहों, लैंडिंग केंद्र की सफाई के लिए संस्थान के अधिकारियों को शामिल करके स्वच्छता अभियान को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया और सरकारी कार्य में पारदर्शिता लाकर संस्थान के कर्मचारियों में जागरुकता उत्पन्न करने हेतु सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया। हिंदी में कार्य करने हेतु वातावरण पैदा करने के लिए हिंदी पखवाडा का आयोजन किया गया और दैनंदिन सरकारी कार्य में हिंदी का ज्ञान बढ़ाने हेतु कार्यशालाएं आयोजित की गई ।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान संस्थान के 11 पोतों ने 1432 घंटों का नमूना प्रयास एवं 178665 हूक्स निमज्जित करते हुए सामूहिक रुप से 964 दिन समुद्र में बिताएं । सर्वेक्षण के दौरान प्रासंगिक पकड 49.84 टन थी जिसके विक्रयागम के रुप में ₹17.18 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। वर्ष 2017-18 के लिए संस्थान का बजट अनुदान ₹53.20 करोड था और व्यय ₹51.07 करोड था ।

भा मा स राष्ट्र और उसके देशवासियों को विशेष रुप से मछुआरों और समुद्री मत्स्यन उद्योग हितधारकों/पणधारियों को "नील क्रांति" प्राप्त करने के लिए प्रतिबध्द हैं ।

(डॉ. एल. रामलिंगम)
उप महानिदेशक (मा.)/
महानिदेशक (प्रभारी

अधिदेश

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुम्बई, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्यपालन के अंतर्गतत भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग करने हेतु सुनिश्चित अधिदेश के ढ़ाँचे के अधीन एक प्रमुख अभिकरण है । संस्थान का अधिदेश राष्ट्रीय एवं भौगोलिक आवश्यकताओं को देखते हुए मात्स्यिकी क्षेत्र के विकासात्मक गतिविधियों के साथ समय पर बदलता रहता है ।

संस्थान का वर्तमान अधिदेश निम्नलिखित है:

- भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र एवं समीपस्थ महासमुद्र में मछली स्टॉक का निर्धारण, समन्वेषी सर्वेक्षण, मत्स्यन क्षेत्र का चार्टिंग और इसके अतिरिक्त राज्य एवं संघ शासित क्षेत्रों के अनुरोध पर विशिष्ट सर्वेक्षण और इसका अनुसंधान ।
- आँकडा संग्रहण और राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं विश्व सम्मेलनों एवं समझौतों में सुरक्षित मात्स्यिकी प्रबन्धन मामलों पर सलाह प्रदान करने हेतु संभाव्य मात्स्यिकी संसाधन का समय समय पर पुन: वैधीकरण तथा अन्य संबंधित गतिविधियाँ ।
- प्रवाल-भित्तियों सहित शोषित क्षेत्रों में मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण की मॉनिटरिंग, मत्स्यन गतिविधियों को नियमित करने हेतु मॉनिटरिंग, नियंत्रण एवं निगरानी (एम सी एस) का प्रयोग तथा भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में उत्तरदायी मात्स्यिकी हेतु आचार संहिता को आगे बढ़ाना ।
- आँकडा बैंक का रखरखाव तथा अंतिम उपभोक्ताओं को मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना का प्रचार-प्रसार करना तथा समुद्री एवं अंत: स्थलीय मछली उत्पादन एवं संबंधित पहलुओं के लिए राज्य/संघ शासित क्षेत्र एवं कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के बीच सेतु के रुप में कार्य करना ।
- मत्स्यन गियर की उपयुक्तता, पर्यावरण के परिरक्षण एवं समुद्री प्रकृति की पारिस्थितिकी के विशेष संदर्भ के साथ साज सामान एवं उपकरण का निर्धारण ।
- मछली स्टॉक पहचानीकरण एवं आनुवंशिक औजारों एवं तकनीकियों के प्रयोग सहित जैव-विविधता का अध्ययन ।
- शिल्पकार, यंत्रीकृत एवं औद्योगिक क्षेत्रों के लिए सुदूर संवेदन का प्रयोग सहित समुद्री मात्स्यिकी पूर्वानुमान ।
- मत्स्यन कर्मियों, मछुआरों, मात्स्यिकी अधिकारियों एवं छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन विकास ।

3. प्रचालन बेस व सर्वेक्षण पोत

संस्थान के सर्वेक्षण बेडे में कुल 11 पोतें शामिल है । इन सर्वेक्षण पोतों का विवरण एवं उसके प्रमुख विनिर्देश निम्नलिखित है:

एम एफ वी मत्स्य वृष्टि

ओ ए एल (मी)	:	37.5
जी आर टी (टी)	:	465
बी एच पी	:	1100
प्रकार	:	मोनोफिलामेंट लाँग लाइनर
वर्ष	:	2005
बनाया	:	चीन
परिचालन बेस	:	मुंबई (महाराष्ट्र)

एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी

ओ ए एल (मी)	:	40.5
जी आर टी (टी)	:	329.3
बी एच पी	:	2030
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1978
बनाया	:	हॉलैंड
परिचालन बेस	:	मुंबई (महाराष्ट्र)

एम एफ वी येल्लो फिन

ओ ए एल (मी)	:	35.7
जी आर टी (टी)	:	310
बी एच पी	:	800
प्रकार	:	टूना लांग लाइनर
वर्ष	:	1989
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	मुरगांव (गोवा)

एम एफ वी सागरिका

ओ ए एल (मी)	:	28.8
जी आर टी (टी)	:	189
बी एच पी	:	650
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1994
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	मुरगांव (गोवा)

एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी

ओ ए एल (मी)	:	36.5
जी आर टी (टी)	:	268.5
बी एच पी	:	1160
प्रकार	:	ट्रॉलर-सह-पर्स-सीनर
वर्ष	:	1980
बनाया	:	डेनमार्क
परिचालन बेस	:	कोच्चिन (केरल)

एम एफ वी लवणिका

ओ ए एल (मी)	:	24
जी आर टी (टी)	:	151
बी एच पी	:	500
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1995
बनाया	:	भारत
परिचालन बेस	:	कोच्चिन (केरल)

एम एफ वी मत्स्य दृष्टि

ओ ए एल (मी)	:	37.5
जी आर टी (टी)	:	465
बी एच पी	:	1100
प्रकार	:	मोनोफिलामेंट लाँग लाइनर
वर्ष	:	2005
बनाया	:	चीन
परिचालन बेस	:	चेन्नई (तमिलनाडू)

एम एफ वी समुद्रिका

ओ ए एल (मी)	:	28.8
जी आर टी (टी)	:	189
बी एच पी	:	650
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1994
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	चेन्नई (तमिलनाडू)

एम एफ वी मत्स्य शिकारी

ओ ए एल (मी)	:	39.8
जी आर टी (टी)	:	352.4
बी एच पी	:	1740
प्रकार	:	स्टर्न ट्रॉलर
वर्ष	:	1979
बनाया	:	हॉलैंड
परिचालन बेस	:	विशाखापट्टणम (आंध्र प्रदेश)

एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी

ओ ए एल (मी)	:	36.5
जी आर टी (टी)	:	268.8
बी एच पी	:	1160
प्रकार	:	ट्रॉलर-सह-पर्स-सीनर
वर्ष	:	1980
बनाया	:	डेनमार्क
परिचालन बेस	:	विशाखापट्टणम (आंध्र प्रदेश)

एम एफ वी ब्लू मार्लिन

ओ ए एल (मी)	:	35.7
जी आर टी (टी)	:	310
बी एच पी	:	800
प्रकार	:	टूना लाँग लाइनर
वर्ष	:	1989
बनाया	:	जापान
परिचालन बेस	:	पोर्ट ब्लेयर (अंडमान एवं निकोबार व्दीप)

4. समुद्री मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं अनुसंधान परियोजनाएं

4.1 तलमज्जी एवं पेलाजिक संसाधन सर्वेक्षण और मॉनिटरिंग

पश्चिमी तट

परियोजना 1 — **दक्षिण महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक एवं उत्तर केरल तट के समीप अक्षांश 12⁰ उ एवं 18⁰ उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, फिश स्टॉक के निर्धारण एवं मॉनिटरिंग सर्वेक्षण**

परियोजना घटक
1. 100-300 मी. गहराई में तलमज्जी संसाधनों का समन्वेषी सर्वेक्षण
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों की मॉनिटरिंग ।

गियर
- 27 मी. फिश ट्रॉल
- 30 मी. श्रिम्प ट्रॉल

पोत — *एम एफ वी सागरिका*

बेस — मुरगांव

परियोजना समन्वयक — श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता

परियोजना लीडर — श्री एस. जी. पटवारी, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड प्रति यूनिट प्रयत्न (कि. ग्रा/घंटा)

अक्षांश (उ°)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
12	14.93	06.00
13	23.50	-
14	19.85	16.61
15	19.40	23.06
16	17.74	109.84
17	20.25	105.85
18 *	14.33	13.33
19 *	52.83	5.67

*क्षेत्र अक्षांश 18° उ और 19° उ मुम्बई से "समय श्रृंखला समुद्र वैज्ञानिक अवलोकन" परियोजना के अंतर्गत परिचालित किए गए थे।

बी. पकड़ संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक्स	0.89	0.85
कैट फिश	0.62	0.74
क्लूपिड्स	0.37	0.04
लिजार्ड फिश	0.88	0.18
प्रियाकेंथिड्स	3.78	17.66
नेमिप्टेरिड्स	2.08	0.24
पेर्चस	-	6.33
साईनिड्स	1.33	17.23
बाराकुडा	1.02	0.57
पोमफ्रेट	0.03	-
केरंगिड	2.77	0.20

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)	
	फिश ट्रॉल	
	30-50	50-100
हॉर्स मैकरेल	1.80	0.36
डीकेप्टरिड्स	0.97	0.60
रिब्बन फिश	3.17	0.69
मैकरेल	10.16	0.70
सीर फिश	0.34	0.09
श्रिम्प	0.06	-
केकडा	8.24	8.94
सेफेलोपोड्स	6.26	1.94
रोक कॉड	29.50	37.46
अन्य मछलियाँ	25.72	5.24

एम एफ वी मत्स्य सागरिका के लिए प्रमुख 10 प्रजातियों के गियर वार एवं गहराई वार पकड संयोजन

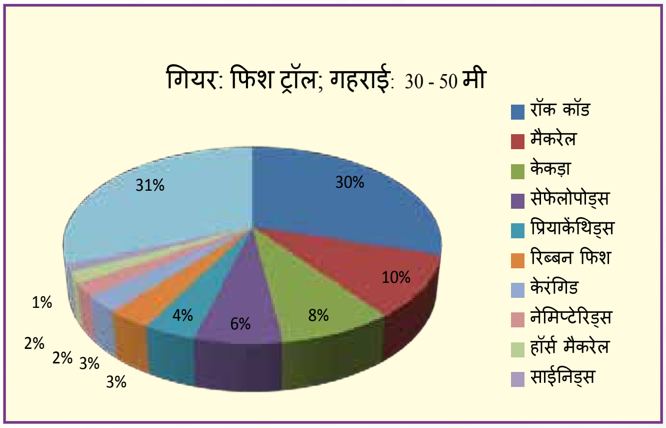

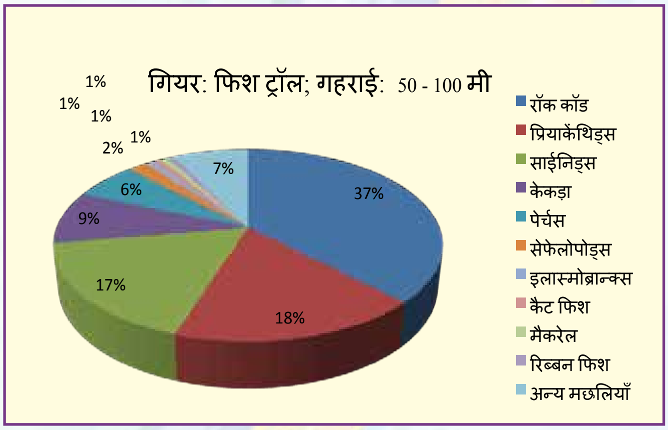

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 16°उ में 50-100 मी. गहराई क्षेत्र से उच्च पकड दर 109.84 कि. ग्रा प्रति घंटा दर्ज की गई ।
- 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में पकड़ के प्रमुख घटक रोक कॉड (29.50%), मैकरेल (10.16%), स्वामिंग क्रेब (8.94%), सेफेलोपोड्स (6.26%), प्रियाकेंथिड्स (3.78%), रिब्बन फिश (3.17%), केरन्गिड् (2.77%), नेमिप्टेरिड्स (2.08), हॉर्स मैकरेल (1.80%) और साईनिड्स(1.33%) रही ।
- 50-100 मी. गहराई क्षेत्र से पकड में रोक कॉड (37.46%), प्रियाकेंथिड्स (17.66%), साईनिड्स(17.23%), स्वामिंग क्रेब (8.94%), पर्चस (6.33%), सेफेलोपोड्स (1.94%), इलास्मोब्रांक्स (0.85%), कैट फिश (0.74%), मैकरेल (0.70%) और रिब्बन फिश (0.69%) प्रमुख रही ।

डी. जैविक अध्ययन

29 प्रजातियों के कुल 4226 नमूनों की लंबाई आवृत्ति अध्ययन के लिए परीक्षण किए गए और वर्ष के दौरान 27 प्रजितियों के 2090 नमूनों के जैविक आँकडा संग्रहित किए गए ।

ई. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र : अक्षांश 12°उ – 19°उ

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक्स	99	927
कैट फिश	69	800
क्लूपिड्स	41	44
लिजार्ड फिश	98	200
प्रियाकेंथिड्स	420	19178
नेमिप्टेरिड्स	231	256
पेर्चस	-	6873
साईनिड्स	147	18712
बाराकुडा	114	619
पोमफ्रेट	3	-

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	30-50	50-100
केरंगिड	308	222
हॉर्स मैकरेल	200	390
डीकेप्टरिड्स	107	647
रिब्बन फिश	352	751
मैकरेल	1128	756
सीर फिश	38	98
श्रिम्प	6	-
केकडा	915	9711
सेफेलोपोड्स	696	2106
रोक कॉड	3275	40689
अन्य मछलियाँ	2856	5689

परियोजना 2 — दक्षिण-पश्चिमी तट, वेड्ज बैंक एवं मन्नार की खाडी के समीप अक्षांश 7° उ एवं 11° उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग।

परियोजना घटक

1. दक्षिण-पश्चिमी तट, क्विलोन बैंक, वेड्ज बैंक एवं मन्नार की खाड़ी में अक्षांश 7°उ एवं 1°उ के बीच 100-500 मी. गहराई में तलमज्जी संसाधन सर्वेक्षण
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों का सर्वेक्षण की मॉनिटरिंग ।
3. 30-500 मी. गहराई में शेल फिश संसाधनों का समन्वेषण ।

गियर

- ➢ एक्स्पो मॉडल फिश ट्रॉल
- ➢ 47 मी. श्रिम्प ट्रॉल

पोत — *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी*

बेस — कोच्चिन

परियोजना समन्वयक — श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक

परियोजना लीडर — डॉ. एस. रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड प्रति यूनिट प्रयत्न (कि. ग्रा/घंटा)

अक्षांश (उ°)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	फिश ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50
9	29.64	5.92	1.3
10	52.7	-	-

बी. पकड संयोजन

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	फिश ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50
इलास्मोब्रांक्स	0.01	-	-
ईल	0.28	-	22.22
एन्कोविस	0.10	-	-
लेस्सर सारडीन	0.04	-	
अन्य क्लूपिड्स	0.32	-	-
लिजार्ड फिश	3.63	19.72	
प्रियाकेंथिड्स	1.27	8.45	-
नेमिप्टेरिड्स	5.95	4.23	8.89
रोक कॉड	0.84	26.76	-
उपिनोइड्स	0.26	-	-
साईनिड्स	0.01	-	-
धोमा	0.19	-	8.89
सिल्वर बेल्लि	0.35	-	-
लेक्टेरियस	0.06	-	-
बाराकुडा	4.17	14.08	-
पोमफ्रेट	0.20	-	-
केरंगिड	3.93	4.23	-

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	फिश ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50
हॉर्स मैकरेल	1.09	-	-
डीकेप्टरिड्स	2.08	-	-
लेदरजेकेट	0.30	-	8.89
रिब्बन फिश	2.29	-	-
मैकरेल	1.95	-	-
सीर फिश	1.29	-	-
जेरिड्स	0.01	-	-
मून फिश	0.03	-	-
श्रिम्प	0.03	-	-
केकड़ा	3.74	5.63	-
सेफेलोपोड्स	7.85	5.63	-
जेल्लि फिश	46.89	-	48.89
पफ्फर फिश	0.86	-	-
इंडियन रफ	0.15	-	-
बटर फिश	-	4.23	-
अन्य मछलियाँ	9.84	7.04	2.22

एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी **के लिए प्रमुख 10 प्रजातियों के गियर वार एवं गहराई वार पकड संयोजन**

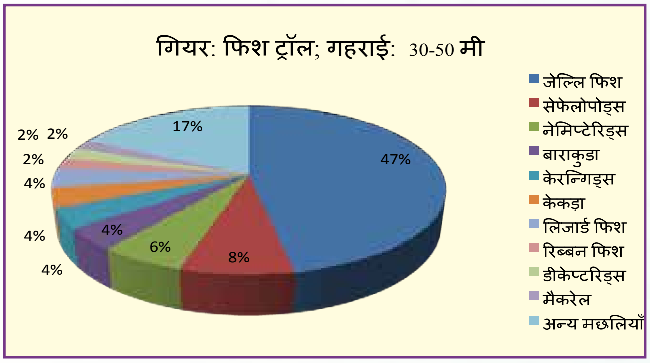

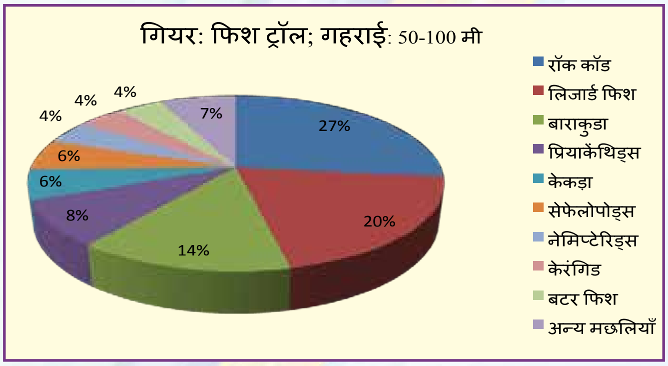

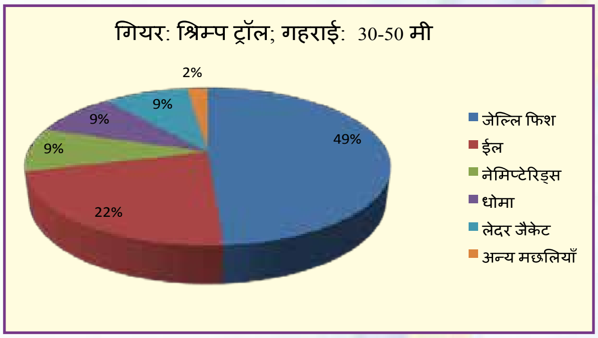

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 10° उ में 30-50 मी गहराई क्षेत्र में फिश ट्रॉल द्वारा उच्च पकड दर 52.7 कि. ग्रा. प्रति घंटा दर्ज की गई ।
- मानसून माह के दौरान 30-50 मी. गहराई क्षेत्र से जैली फिश जैसी गैर परंपरागत मात्स्यिकी संसाधन पकड़ में प्रमुख ग्रूप रहा ।
- दक्षिण-पश्चिमी तट के तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों मे फिन फिश संसाधनों में से नेमिप्टेरिड्स, बाराकुडा, लिजार्ड फिश और रॉक कॉड प्रमुख प्रजाति रही ।

डी. जैविक अध्ययन

स्टॉक की स्थिति, प्रजनन सफलता और ट्रॉफिक इंटरैक्शन के लिए 25 प्रजातियों के कुल 6565 नमूनों का अध्ययन किया गया । रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान प्रमुख प्रजातियों की लंबाई संरचना, परिपक्वता, जनन क्षमता, आहार और अन्य जैविक पैरामीटर का भी अध्ययन किया गया ।

इ. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र: अक्षांश 9° उ -10°उ

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	30-50	50-100
इलास्मोब्रांक्स	151	-
ईल	406	-
एन्कोविस	104	-
लेस्सर सारडीन	47	-
अन्य क्लूपिड्स	343	-
लिजार्ड फिश	4169	837
प्रियाकेंथिड्स	1478	359
नेमिप्टेरिड्स	7236	179
रोक कॉड	910	1137
उपिनोइड्स	382	-
साईनिड्स	10	-
धोमा	687	-
सिल्वर बेल्लि	401	-
लेक्टेरियस	60	-
बाराकुडा	4935	598
पोमफ्रेट	217	-
केरंगिड	4612	179

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)	
	30-50	50-100
हॉर्स मैकरेल	1261	-
डीकेप्टरिड्स	2251	-
लेदरजेकेट	370	-
रिब्बन फिश	2478	-
मैकरेल	2139	-
सीर फिश	1399	-
जेरि़ड्स	10	-
मून फिश	31	-
श्रिम्प	36	-
केकड़ा	4257	239
सेफेलोपोड्स	8874	-
जेल्लि फिश	62011	-
पफ्फर फिश	932	-
सेंड लोब्स्टर	10	-
इंडियन रफ	229	-
बटर फिश	-	179
अन्य मछलियाँ	10881	299

पूर्वी तट

परियोजना 3 **अक्षांश 10° उ और 16° उ के बीच दक्षिण-पूर्वी तट के समीप तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग ।**

परियोजना घटक

1. 100-300 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के समन्वेषी सर्वेक्षण
2. 30-100 मी. गहराई में फिश ट्रॉल एवं श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों की मॉनिटरिंग सर्वेक्षण
3. 30-300 मी. गहराई में श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के समन्वेषी सर्वेक्षण
4. 30-300 मी. गहराई में सेफेलोपोड ट्रॉल का प्रयोग कर समन्वेषी सर्वेक्षण ।

गियर

- 27.5 मी. फिश ट्रॉल
- 30 मी. श्रिम्प ट्रॉल
- 36.2 मी. सेफेलोपोड ट्रॉल

पोत *एम एफ वी समुद्रिका*

बेस चेन्नई

परियोजना समन्वयक श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परियोजना लीडर श्री जे ई प्रभाकर राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक (अप्रैल – मई 2017) और डॉ. ए जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक (जून 2017 – मार्च 2017)

परिणाम

ए. पकड प्रति यूनिट प्रयत्न (कि. ग्रा/घंटा)

अक्षांश (°उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)			
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50	30-50
11	1.75	-	2.50	1.13
12	1.36	-	2.33	-
13	3.93	-	2.92	4.00
14	3.24	3.33	3.02	-
15	1.0	-	-	-

बी. पकड संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)			
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50	30-50
इलास्मोब्रांक्स	1.20	-	1.34	-
कैट फिश	3.41	-	0.89	13.79
लेस्सर सारडीन	7.01	-	17.00	-
लिजार्ड फिश	4.81	-	3.58	-
प्रियाकेंथिड्स	7.62	-	5.82	-
नेमिप्टेरिड्स	7.62	-	14.54	10.34
ग्रूपर्स	1.40	-	0.22	-

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)			
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50	30-50
पेर्चस	-	-	2.91	-
उपिनोइड्स	13.23	-	10.07	34.48
सिल्वर बेल्लि	9.02	-	14.99	6.90
बाराकुडा	4.41	100.00	-	-
दागोल	0.40	-	-	-
हॉर्स मैकरेल	-	-	1.57	-
डीकेप्टरिड्स	3.61	-	3.36	-

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)			
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50	30-50
किंग फिश	0.60	-	-	-
अन्य केरन्गिड्	2.61	-	3.80	-
रिब्बन फिश	1.00	-	-	-
मैकरेल	1.80	-	0.45	-

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)			
	फिश ट्रॉल		सेफेलोपोड ट्रॉल	श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	30-50	30-50
मून फिश	11.02	-	-	-
सेफेलोपोड्स	18.44	-	18.12	27.59
अन्य मच्छलियाँ	0.80	-	1.34	6.90

एम एफ वी समुद्रिका **के लिए प्रमुख 10 प्रजातियों के गियर वार एवं गहराई वार पकड़ संयोजन**

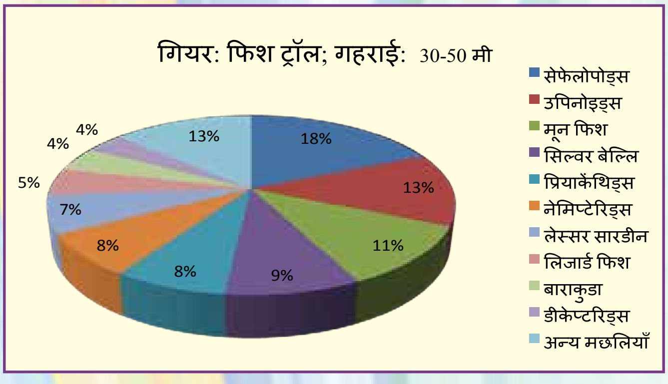

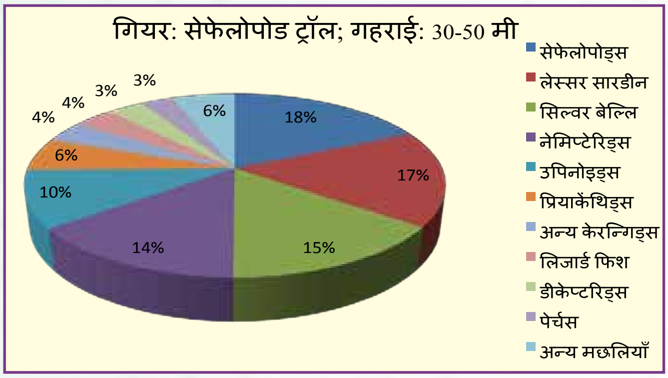

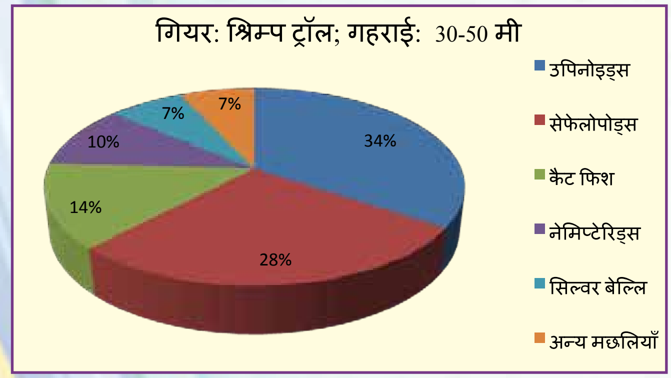

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 13° उ में 30-50 मी. गहराई क्षेत्र से श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर उच्च पकड दर 4.00 कि. ग्रा. प्रति घंटा दर्ज की गई । उसके बाद फिश ट्रॉल द्वारा 3.93 कि. ग्रा. प्रति घंटा दर्ज की गई ।
- 30-50 मी गहराई क्षेत्र से श्रिम्प ट्रॉल से पकड में उपिनोइड (34.48%) प्रमुख रही उसके बाद सेफेलोपोड (27.59%) और कैट फिश (13.79%) प्रमुख रही, जबकि दोनों फिश ट्रॉल एवं सेफेलोपोड ट्रॉल परिचालन में पकड में सेफेलोपोड (18.44%,18.12%) प्रमुख रही, उसेक बाद उपिनोइड (13.23%) और लेस्सर सारडीन (17.00%) क्रमश: रही ।
- 50-100 मी गहराई क्षेत्र में बाराकुडा प्रमुख प्रजाति रही ।

डी. जैविक अध्ययन

इस अवधि में लंबाई आवृत्ति अध्ययन के लिए कुल 1657 नग नमूनों के मापन किए गए और 13 प्रजातियों के 541 नग नमूनों के लिए जैविक अध्ययन किए गए ।

ई. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र: अक्षांश 11°उ-15°उ

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)
	30-100
इलास्मोब्रांक्स	1.0
कैट फिश	32.6
लेस्सर सारडीन	12.1
लिजार्ड फिश	2.7
प्रियाकेंथिड्स	4.0
नेमिप्टेरिड्स	91.7
ग्रूपर्स	0.2
पेर्चस	2.0
उपिनोइड्स	108.7

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)
	30-100
सिल्वर बेल्लि	25.0
बाराकुडा	0.1
हॉर्स मैकरेल	1.1
डीकेप्टरिड्स	2.3
अन्य केरन्गिड्	2.7
मैकरेल	0.3
सेफेलोपोड्स	145
अन्य मछलियाँ	19.0

परियोजना 4 **अक्षांश 16°उ और 21°उ के बीच ऊपरी पूर्वी तट के समीप तल्लमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग ।**

परियोजना घटक

1. 100-200 मी. गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के समन्वेषी सर्वेक्षण ।
2. 30-100 मी गहराई में फिश ट्रॉल का प्रयोग कर तलमज्जी संसाधनों के मॉनिटरिंग सर्वेक्षण ।
3. 30-200 मी. गहराई में श्रिम्प ट्रॉल का प्रयोग कर समन्वेषी सर्वेक्षण ।
4. हिल्सा संसाधनों के लिए 30-100 मी. गहराई में संसाधन विशिष्ट गियर का प्रयोग कर समन्वेषी सर्वेक्षण ।
5. मत्स्यन गियर दक्षता के निर्धारण के लिए परीक्षण ।
6. कोड एन्ड कवर के साथ जाल चयनात्मकता अध्ययन ।

गियर

- 34 मी. फिश ट्रॉल
- 34 मी. श्रिम्प ट्रॉल
- हिल्सा के लिए संसाधन विशिष्ट फिश ट्रॉल

पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी*

बेस विशाखापट्टणम

परियोजना समन्वयक श्री के. गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परियोजना लीडर डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयत्न (कि. ग्रा /घंटा)

अक्षांश (°उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	फिश ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
16	9.2	25.8	-
17	41.4	28.2	-
18	34.3	32.4	30.0

बी. पकड संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	फिश ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
इलास्मोब्रांक्स	4.50	-	31.11
कैट फिश	2.84	3.35	-
क्लूपिड्स	1.10	-	-
एन्कोविस	0.07	-	-
लेस्सर सारडीन	1.17	0.51	-
लिजार्ड फिश	1.43	0.87	-
प्रियाकेंथिड्स	-	0.07	-
नेमिप्टेरिड्स	0.50	3.50	-
पेर्चस	13.81	4.23	-
उपिनोइड्स	45.96	46.28	44.44
साईनिड्स	5.14	6.20	-
सिल्वर बेल्ली	7.54	3.06	-

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	फिश ट्रॉल		
	30-50	50-100	100-200
फ्लेट फिश	0.10	0.36	-
बाराकुडा	0.17	0.22	
पोमफ्रेट	0.13	0.07	-
केरन्गिड	2.47	0.80	-
हॉर्स मैकरेल	0.43	1.09	-
डीकेप्टरिड्स	2.27	3.72	6.67
रिब्बन फिश	0.73	2.26	-
मैकरेल	4.48	4.66	-
जेरिड्स	0.57	9.99	11.11
केकड़ा	-	0.58	-
सेफेलोपोड्स	4.07	6.27	6.67
अन्य मछलियाँ	0.17	1.90	-

एम एफ वी मत्स्य शिकारी के लिए प्रमुख 10 प्रजातियों के गियर वार और गहराई वार पकड संयोजन

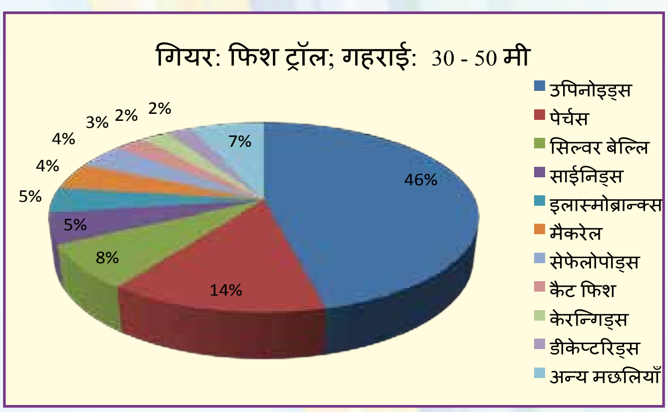

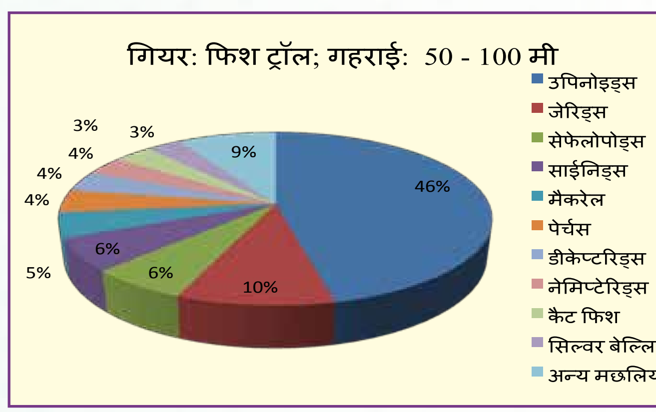

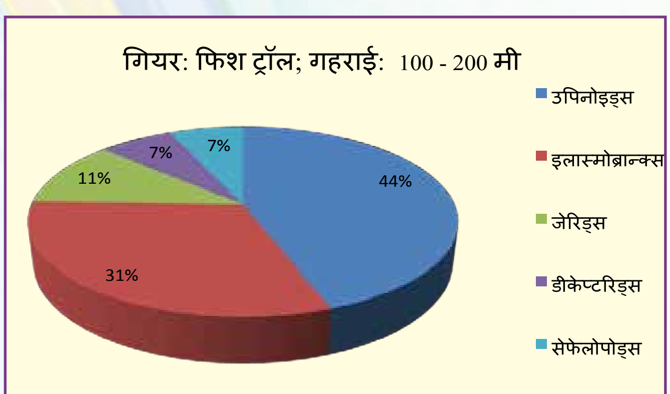

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 17° उ में 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में फिश ट्रॉल द्वारा उच्च पकड दर 41.40 कि.ग्रा. प्रति घंटा दर्ज की गई ।
- वर्ष के दौरान सभी गहराई क्षेत्र में प्रजातियाँ उपिनोइड, डीकेप्टरिड्स, जेरिड्स और सेफेलोपोड रिपोर्ट की गई ।
- जनवरी 2018 माह के दौरान नर से मादा लिंगानुपात 1:2:8 के साथ 42 नग ओलिव रिडली समुद्री कच्छुआ *(लेपिडोचेलिस ओलिवेशिया)* दर्ज किया गया ।
- फरवरी 2018 माह के दौरान कुल 2,630 कि. ग्रा. मछली पकड दर्ज की गई जिसमें गोट फिश (44.2%) प्रमुख रही, उसके बाद सेडिल ग्रंट (15.2%), पोनी फिश (6.2%), स्टिंग रे (4.2%), मैकरेल (4.1%) और स्क्विड (4.0%) रही ।
- अक्षांश 17° 13.4' उ, देशांतर 82° 51.3' पू और अक्षांश 17° 11.5' उ और देशांतर 82° 48.5' पू के क्षेत्र में ट्रॉल पकड में समुद्री प्रदूषण रिपोर्ट किया गया ।

डी. जैविक अध्ययन

लंबाई आवृत्ति अध्ययन हेतु 20 प्रजातियों के कुल 2875 नमूनों का परीक्षण किए गए और जिसमें से 2078 नमूनों की जैविक अध्ययन हेतु जाँच की गई ।

परियोजना 5 — अक्षांश 16°उ एवं 21°उ के बीच ऊपरी पूर्वी तट के समीप तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं मॉनिटरिंग ।

परियोजना घटक	**अक्षांश 16° उ एंव 21°उ ऊपरी पूर्वी तट के समीप श्रिम्प ट्रॉल एवं एक्स्पो मॉडल फिश ट्रॉल का प्रयोग कर श्रिम्प और तलमज्जी फिनफिश संसाधनों का सर्वेक्षण ।**
गियर	➢ 45.6 मी. एक्स्पो मॉडल फिश ट्रॉल ➢ 34 मी श्रिम्प ट्रॉल
पोत	*एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी*
बेस	विशाखापट्टणम
परियोजना समन्वयक	श्री के. गोविन्दराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
परियोजना लीडर	श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. पकड़ प्रति यूनिट प्रयत्न (कि.ग्रा/घंटा)

अक्षांश (°उ)	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्स्पो मॉडल बॉट्टम ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	50-100
16	161.8	62.4	-
17	77.9	84.7	2.7
18	94.2	188.0	-

बी. पकड संयोजन (%)

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्स्पो मॉडल बॉट्टम ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	50-100
इलास्मोब्रांक्स	0.47	1.55	-
ईल	0.17	0.11	-
कैट फिश	5.60	3.61	-
क्लूपिड्स	0.48	0.50	12.50
चिरोसेन्ट्रस प्रजाति	0.04	0.02	-
लिजार्ड फिश	2.22	3.95	-
प्रियाकेंथिड्स	-	0.49	12.50
नेमिप्टेरिड्स	1.01	1.85	-
पेर्चस	1.60	3.54	25.00
उपिनोइड्स	14.34	28.52	25.00
साईनिड्स	8.04	4.25	-
सिल्वर बेल्ली	5.09	7.91	-
फ्लेट फिश	0.09	0.29	-

प्रजाति/ग्रूप	गियर/गहराई क्षेत्र (मी.)		
	एक्स्पो मॉडल बॉट्टम ट्रॉल		श्रिम्प ट्रॉल
	30-50	50-100	50-100
इंडियन ड्रिफ्ट फिश	2.54	1.55	-
बाराकुडा	2.39	3.92	-
पोमफ्रेट	3.23	2.07	-
केरन्गिड	0.36	1.51	-
हॉर्स मैकरेल	1.84	0.28	-
डीकेप्टरिड्स	13.99	2.94	25.00
रिब्बन फिश	17.50	15.29	-
मैकरेल	9.02	2.84	-
सीर फिश	0.32	0.37	-
जेरिड्स	1.20	4.82	-
केकड़ा	1.62	0.37	-
सेफेलोपोड्स	5.16	5.49	-
अन्य मछलियाँ	1.61	1.94	-

एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी के लिए प्रमुख 10 प्रजातियों के गियर वार एवं गहराई वार पकड संयोजन

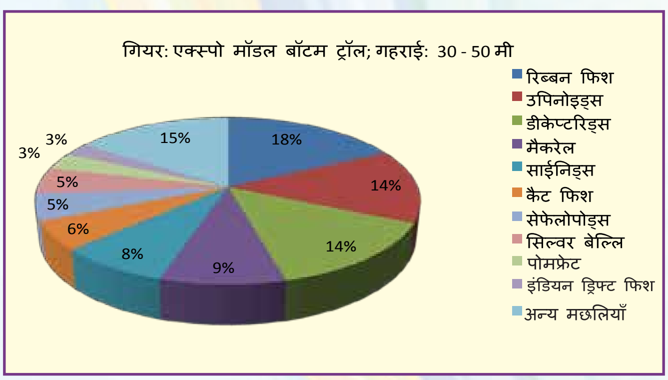

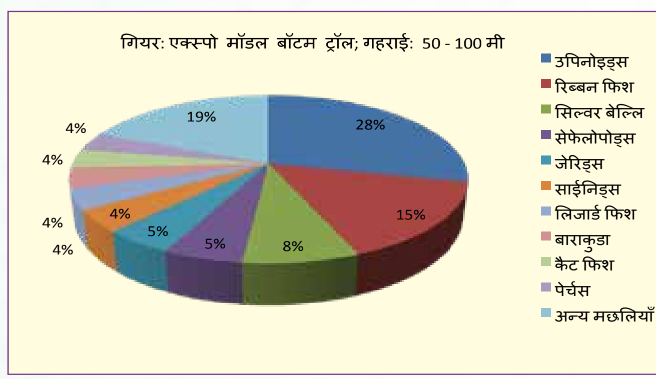

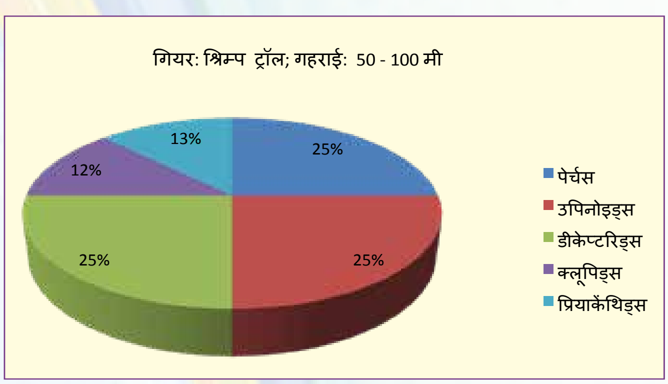

सी. प्रमुख प्रेक्षण

- अक्षांश 18° उ में 50-100 मी गहराई क्षेत्र से उच्च पकड दर 188 कि. ग्रा. प्रति घंटा दर्ज की गई । उसके बाद एक्स्पो म़ॉडल बोट्टम ट्रॉल द्वारा अक्षांश 16 °उ में 30-50 मी. गहराई क्षेत्र में 161.8 कि.ग्रा. प्रति घंटा पकड दर दर्ज की गई ।
- वर्ष के दौरान सभी गहराई क्षेत्रों में प्रजातियाँ डीकेप्टरिड्स, उपिनोइड्स, पर्चस और क्लूपिड दर्ज की गई।
- मई 2017 मे समुद्री यात्रा के दौरान 11.6 टन बंपर पकड दर्ज की गई जिसमें पकड में गोट फिश (23.8%) प्रमुख रही, उसके बाद रिब्बन फिश (18.3%), डीकेप्टरिड्स (11.4%), मैकरेल (9.3%), पेर्चस (5.3%) और सेफेलोपोड्स (4.5%) प्रमुख रही ।
- अगस्त 2017 माह के दौरान अक्षांश 18° 07.3'उ/84° 03' पू (कलिंगपट्टणम से दूर) 52 मी. गहराई में उच्चतम सी पी यू ई 228 कि. ग्रा प्रति घंटा दर्ज हुई, उसके बाद 18° 07 'उ/84 07.9' पू के क्षेत्र में 53 मी. गहराई में 146.7 कि. ग्रा. प्रति घंटा दर्ज की गई ।

डी. जैविक अध्ययन

लंबाई आवृत्ति अध्ययन के लिए 38 प्रजातियों की कुल 5186 नमूनों की जाँच की गई और जिसमें से जैविक अध्ययन हेतु 2276 नमूनो की जाँच की गई ।

ई. जैविक मात्रा आकलन

क्षेत्र : अक्षांश 16°उ - 18°उ

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)		
	30-50	50-100	100-200
इलास्मोब्रांक्स	46	108	718
कैट फिश	182	276	-
क्लूपिड्स	30	41	-
लिजार्ड फिश	79	283	-
प्रियाकेंथिड्स	-	36	-
नेमिप्टेरिड्स	32	163	-
पेर्चस	73	620	-
उपिनोइड्स	731	2535	1025
साईनिड्स	536	451	-
सिल्वर बेल्लि	274	616	-
फ्लेट फिश	3	23	-
इंडियन ड्रिफ्ट फिश	72	108	-
बाराकुडा	67	275	-

(टनों में)

प्रजाति/ग्रूप	गहराई क्षेत्र (मी.)		
	30-50	50-100	100-200
पोमफ्रेट	93	144	-
केरन्गिड	28	114	-
हॉर्स मैकरेल	55	40	-
डीकेप्टरिड्स	414	259	154
रिब्बन फिश	707	1085	-
मैकरेल	145	272	-
सीर फिश	9	26	-
जेरिड्स	7	96	256
श्रिम्प	7	6	-
केकड़ा	46	32	-
सेफेलोपोड्स	194	441	154
अन्य मछलियाँ	43	258	-

4.2 महासागरीय टूना संसाधन सर्वेक्षण

परियोजना 6 — **लक्षव्दीप सहित मध्य पश्चिम तट के समीप अक्षांश 8° उ-18° उ. के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में नियमित लाँग लाईन का प्रयोग कर महासागरीय टूना एवं संबंधित संसाधनों का सर्वेक्षण ।**

परियोजना घटक	लक्षव्दीप सहित मध्य पश्चिम तट के समीप भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में लाँग लाईनिंग द्वारा महासागरीय टूना एवं संबंधित संसाधनों का सर्वेक्षण ।
गियर	5 हूक प्रति टोकरी के साथ मल्टीफिलमेंट टूना लाँग लाईन
पोत	*एम एफ वी येल्लो फिन*
बेस	मुरगांव
परियोजना समन्वयक	श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता
परियोजना लीडर	डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)					
		वाई एफ टी	एस ए आई	एस डब्लू ओ	एस एच ए	ओ टी एच	कुल
अप्रैल 2017	4200	0.10	0.14	0.02	0.02	0.07	0.36
मई 2017	3350	0.03	0.09	0.09	-	0.03	0.24
जून 2017	पोत शुष्क गोदीकरण मरम्मत की प्रतीक्षा में						
जुलाई 2017							
अगस्त 2017	पोत को जी एस एल गोवा में 17.08.2017 को स्थानातरित किया गया और शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के लिए स्लोट की प्रतीक्षा में						
सितंबर 2017	पोत जी एस एल, गोवा में शुष्क गोदीकरण मरम्मतों के लिए						
अक्तूबर 2017							
नवंबर 2017							
दिसंबर 2017							
जनवरी 2018							
फरवरी 2018							
मार्च 2018							

वाय एफ टी – येल्लोफिन टूना, एस ए आई- सेईल फिश, एस डब्लू ओ- स्वोर्ड फिश, एस एच ए- शार्क, ओ टी एच- अन्य मछलियाँ

पोत *एम एफ वी येल्लो फिन* के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%)

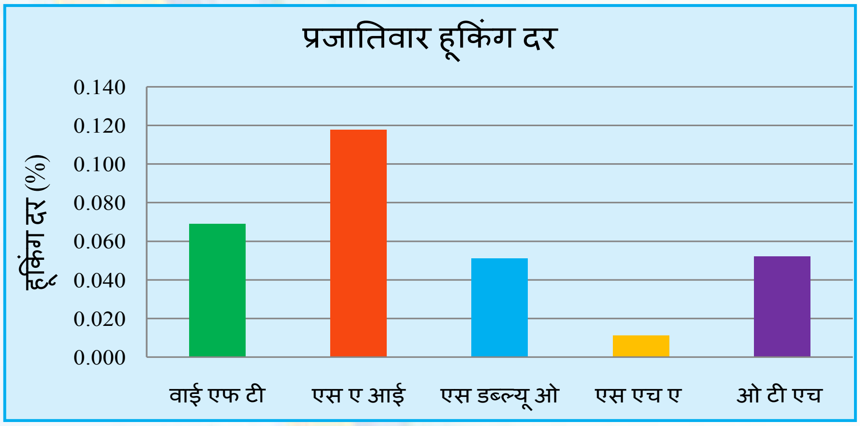

बी. प्रमुख प्रेक्षण

- उच्चत्तम कुल हुकिंग दर 0.36% अप्रैल 2019 के दौरान दर्ज की गई।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान पकड के प्रमुख धटक में प्रजातियाँ सेईल फिश, येलोफिन टूना, स्वोर्ड फिश, शार्क और अन्य मछलियां रही।

सी. जैविक अध्ययन

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 7 प्रजातियों की कुल 23 नमूनों की लंबाई आवृत्ति और जैविक अध्ययन किए गए।

परियोजना 7 अक्षांश 10°उ एवं 20° उ के बीच बंगाल की खाड़ी में मोनोफिलमेंट लाँग लाइनिंग का प्रयोग कर टूना संसाधनों का सर्वेक्षण ।

परियोजना घटक	बंगाल की खाड़ी में अक्षांश 10° उ और 20° उ के बीच मोनोफिलमेंट लाँग लाइनिंग का प्रयोग कर टूना संसाधन सर्वेक्षण ।
गियर	7 हूक प्रति टोकरी के साथ मोनोफिलमेंट लाँग लाइन ।
पोत	*एम एफ वी मत्स्य दृष्टि*
बेस	चेन्नई
परियोजना समन्वयक	श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
परियोजना लीडर	डॉ. जयचन्द्र दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)							
		वाई एफ टी	एस के जे	एम ए आर	एस डब्लू ओ	एस ए आई	एस एच ए	ओ टी एच	कुल
अप्रैल 2017	8820	0.05	0.02	-	-	-	-	0.03	0.10
मई 2017	8190	0.02	0.01	-	-	0.02	-	0.02	0.09
जून 2017	6930	0.09	-	0.01	-	-	0.01	0.12	0.23
जुलाई 2017	6300	0.05	-		0.05	0.02	-	0.16	0.27
अगस्त 2017	3780	0.03	-	0.03	0.03	0.03	-	0.24	0.34
सितंबर 2017	3150	0.16	-	0.03	-		-	0.13	0.32
अक्तूबर 2017	1890	0.11	0.16		-		-	0.05	0.32
नवंबर 2017	5390	0.43	0.07	0.02	-		-	0.02	0.54
दिसंबर 2017	9450	0.19	0.04	-	-		-	0.02	0.25
जनवरी 2018	3500	0.56	0.10	-	-	0.03	-	0.17	0.87
फरवरी 2018	6300	0.10	-	-	-		-	-	0.10
मार्च 2018	**मैसर्स एचएसएल, विशाखापट्टणम में शुष्क गोदीकरण मरम्मते**								

वाय एफ टी – येल्लोफिन टूना, एस के जे- स्किपजेक टूना, एम ए आर- मार्लिन, एस डब्लू ओ- स्वोर्ड फिश, एस ए आई - सेईल फिश, एस एच ए- शार्क, ओ टी एच- अन्य मछलियां

पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%)

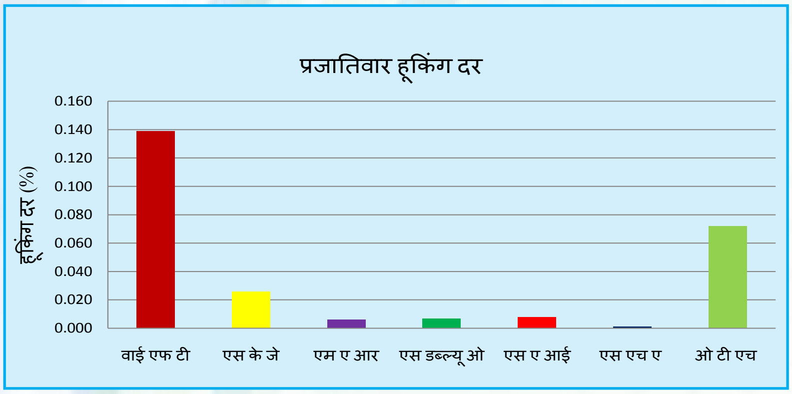

बी. प्रमुख प्रेक्षण

- जनवरी 2018, नवंबर 2017 और अगस्त 2017 के दौरान क्रमश: उच्चतम कुल हुकिंग दर 0.87%,0.54% और 0.34% दर्ज की गई।
- जनवरी 2018 और नवंबर 2017 के दौरान येल्लो फिन टूना के लिए उच्चतम हुकिंग दर क्रमश: 0.56% और 0.43% दर्ज की गई।

सी. जैविक अध्ययन

वर्ष के दौरान 18 प्रजातियों के अर्थात् थुन्नस अलबकेरस, कटसुवोनस पेलामिस, क्सिफियास ग्लेडियस, इस्टियोफोरस प्लाटिप्टेरस, मकैरा इंडिका, मकैरा माजारा के 157 नमूनों के लिए लंबाई आवृत्ति, लंबाई वजन, लिंग, परिपक्वता और आहार एवं आहारी आदतों जैसे जैविक अध्ययन किए गए ।

परियोजना 8 — **अक्षांश 5°उ और 15°उ. के बीच अंडमान और निकोबार व्दीप के चारों ओर भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में टूना संसाधन सर्वेक्षण ।**

परियोजना घटक

- अंडमान और निकोबार समुद्र में नियमित लाँग लाइननिंग का प्रयोग कर महासागरीय टूना एवं संबंधित संसाधनों का सर्वेक्षण
- अंडमान और निकोबार समुद्र में परिष्कृत गहन लॉगलाइन गियर का प्रयोग कर बिग आई टूना संसाधनों का सर्वेक्षण ।
- अंडमान और निकोबार समुद्र में बोट्टम सेट वर्टिकल लाँग लाइन का प्रयोग कर पर्च संसाधनों का सर्वेक्षण ।
- अंडमान एवं निकोबार समुद्र में लाइट स्टिक के साथ ड्रिफ्ट लाँगलाइन का प्रयोग कर स्वोर्ड फिश संसाधनों का सर्वेक्षण ।

गियर

- 5 हूक प्रति टोकरी के साथ मल्टी फिलामेंट टूना लाँग लाइन
- बिग आई टूना के लिए 7/9 हूक प्रति टोकरी के साथ परिष्कृत गहन सेट लाँग लाइन ।
- पर्च संसाधनों के लिए 30 हूक प्रति टोकरी के साथ बोट्टम सेट वर्टिकल लाँग लाइन ।
- स्वार्ड फिश के लिए लाइट स्टिक के साथ 5 हूक प्रति टोकरी सहित ड्रिफ्ट लाँग लाइन ।

पोत	*एम एफ वी ब्लू मार्लिन*
बेस	पोर्ट ब्लेयर
परियोजना समन्वयक एवं परियोजना लीडर	डॉ. सिजो पी. वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

बी. नियमित टूना लाँग लाइनिंग- हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)							
		वाई एफ टी	एस एच ए	एस डब्लू ओ	एस ए आई	एम ए आर	बी ए आर	ओ टी एच	कुल
अप्रैल 2017	8125	0.13	0.06	0.02	0.05	0.01	0.11	0.11	0.44
जुलाई 2017	7500	0.36	0.30	-	0.04	0.01	0.04	0.61	1.36
सितंबर 2017	8750	0.28	0.28	-	0.01	0.01	-	0.59	1.18
नवंबर 2017	2050	-	0.04	-	-	-	-	0.29	0.34
दिसंबर 2017	3750	0.03	0.11	-	0.03	-	-		0.03
जनवरी 2018	10625	0.26	0.16	-	0.009	0.009	-	0.04	0.49

वाय एफ टी – येल्लोफिन टूना, एस एच ए- शार्क, एस डब्लू ओ- स्वोर्ड फिश, एस ए आई - सेईल फिश, एम ए आर- मार्लिन, बी ए आर – बाराकुडा, ओ टी एच- अन्य मछलियां

पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%) (नियमित टूना लाँग लाइनिंग)

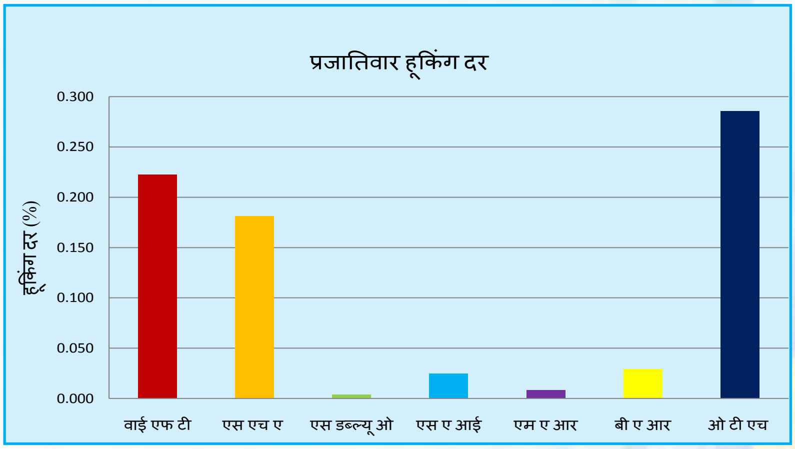

सी. परिष्कृत गहन लाँगलाइनिंग-हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)							
		वाई एफ टी	एस एच ए	एस डब्लू ओ	एस ए आई	एम ए आर	बी ए आर	ओ टी एच	कुल
मई 2017	8820	0.06	1.17	0.02	0.05	0.01	-	0.89	2.23
अक्तूबर 2017	8610	0.25	0.09	0.02	0.03	-	0.11	0.62	1.16

वाय एफ टी - येल्लोफिन टूना, एस एच ए- शार्क, एस डब्लू ओ- स्वोर्ड फिश, एस ए आई - सेईल फिश, एम ए आर- मार्लिन, बी ए आर -ओओओओ बाराकुडा, ओ टी एच- अन्य मछलियां

पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%) (परिष्कृत गहन लॉंग लाइनिंग)

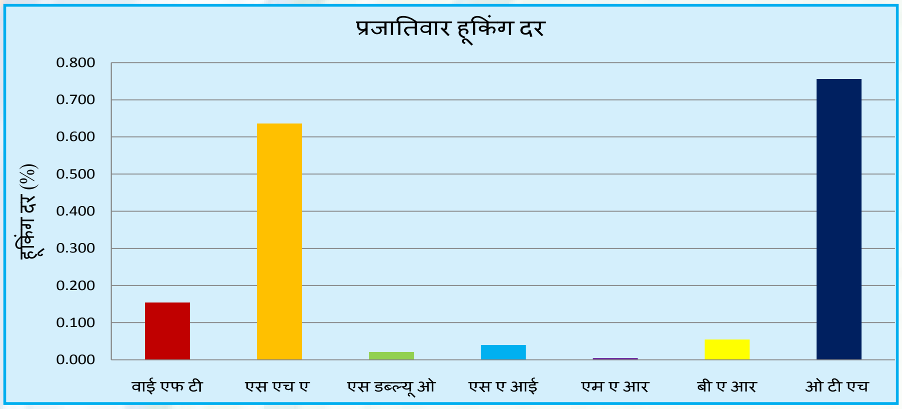

सी. लाइट स्टिक के साथ ड्रिफ्ट लॉंग लाइन -हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)							
		वाय एफ टी	एस एच ए	एस डब्ल्यूओ	एस ए आई	एम ए आर	बी ए आर	ओ टी एच	कुल
फरवरी 2018	7500	-	0.17	0.13	-	-	-	0.36	0.66
मार्च 2018	11875	0.008	0.50	0.16	0.04	0.008	0.13	0.15	1.01

वाय एफ टी – येल्लोफिन टूना, एस एच ए- शार्क, एस डब्लू ओ- स्वोर्ड फिश, एस ए आई - सेईल फिश, एम ए आर- मार्लिन, बी ए आर – बाराकुडा, ओ टी एच- अन्य मछलियां

पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* के लिए प्रजातिवार हूकिंग दर (%) (ड्रिफ्ट लॉंग लाइन)

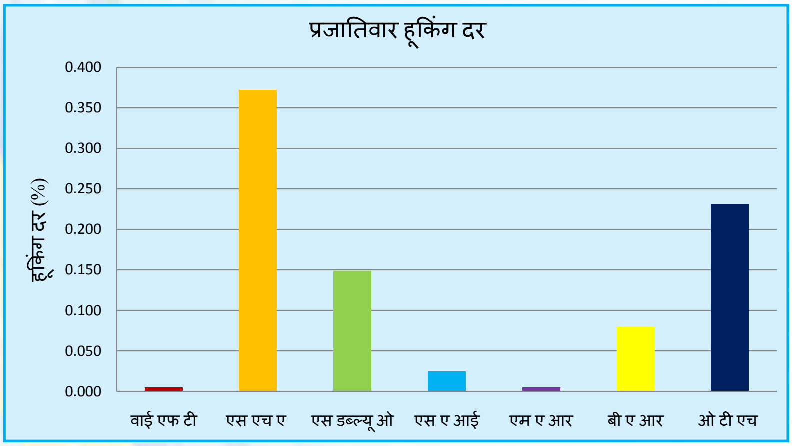

डी. प्रमुख प्रेक्षण

- नियमित टूना लाइनिंग में उच्चतम कुल हूकिंग दर 1.36% जुलाई 2017 के दौरान दर्ज की गई, उसके बाद सितंबर 2017 के दौरान 1.18 % दर्ज की गई । जुलाई 2017 माह के दौरान येल्लो फिन टूना के लिए उच्चतम हूकिंग दर 0.36% दर्ज की गई और उसके बाद 0.30% हूकिंग दर के साथ शार्क रही ।
- मई 2017 और अक्तूबर 2017 माह के दौरान परिष्कृत गहन लॉग लाइनिंग गियर परिचालित किया गया । मई 2017 के दौरान उच्चतम कुल हूकिंग दर 2.23% दर्ज की गई । मई 2017 माह में 1.17% हूकिंग दर के साथ पकड में शार्क प्रमुख रही और इसके बाद अक्तूबर 2017 में येल्लो फिन टूना (0.25%) रही ।
- लाइट स्टिक परिचालन के साथ ड्रिफ्ट लॉंग लाइन में, सभी मछलियों के लिए उच्चतम कुल हूँकिंग दर (1.01. %) मार्च 2018 में दर्ज की गई । फरवरी 2018 और मार्च 2018 के दौरान क्रमश: 0.17% और 0.50% हूकिंग दर के साथ शार्क प्रमुख प्रकार रही ।

प्रयोगात्मक परियोजनाएं

परियोजना 9 — अक्षांश 10°उ और 20°उ के बीच दक्षिण-पूर्वी तट के समीप पेर्च संसाधनों के लिए प्रयोगात्मक बोट्टम सेट वर्टिकल लाँग लाइनिंग

परियोजना घटक	दक्षिण-पूर्वी तट के समीप 30-150 मी गहराई में बोट्टम सेट वर्टिकल लॉग लाइनिग का प्रयोग कर पेर्च संसाधनों के लिए प्रयोगात्मक मत्स्यन
गियर	30 हूक प्रति टोकरी के साथ बोट्टम सेट वर्टिकल लाँग लाइन
पोत	*एम एफ वी मत्स्य दृष्टि*
बेस	चेन्नई
परियोजना समन्वयक	श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
परियोजना लीडर	श्री जे ई प्रभाकर राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक (मार्च-मई 2017) और डॉ ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक (जून 2017-मार्च 2018)

परिणाम

ए. हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)						
		स्नेप्पर	ग्रूपर्स	नीडिल फिश	सकर फिश	टायगर फिश	कैट फिश	कुल
अगस्त 2017	4200	0.05	0.28	0.05	0.02	0.02	-	0.43
सितंबर 2017	4200	-	-	-	-	-	0.05	-

बी. प्रमुख प्रेक्षण

- अगस्त 2017 के दौरान उच्चतम कुल हूकिंग दर 0.43% प्राप्त हुई । पकड में 0.28% हूकिंग दर के साथ ग्रूपर प्रमुख रही उसके बाद स्नेप्पर और नीडिल फिश रही ।

सी. जैविक अध्ययन

निम्नलिखित प्रजातियाँ पाई गई और लंबाई-वजन, आंत्र, अंतर्वस्तु विश्लेषण, प्रसूति अध्ययन किए गए । *स्पाइरेना बाराकुडा, अकन्थोसाइबियम सोलन्ड्री, अलेपिसोरस फेरोक्स, रिजोप्रियोनोडन एक्यूरस, कोरिफेना हिप्पुरस, सेफलोफोलिस सोनेरटी, एपिनिफेलेस क्लोरोस्टिगमा, एपिनेफलस एमरोलेटर्स, अफेरिमस सटिलेन्स, एकनीस नौक्रेट्स, टाइलोसुरस क्रोकोडिलस* और *राचिसेन्ट्रोन केनडुम*

परियोजना 10 — अंडमान एवं निकोबार व्दीप में अक्षांश 5°उ और 15°उ के बीच प्रयोगात्मक बोट्टम सेट वर्टिकल लॉग लाइन सर्वेक्षण

परियोजना घटक	अंडमान एवं निकोबार व्दीप में अक्षांश 5°उ और 15°उ के बीच बोट्टम सेट वर्टिकल लॉग लाइन का प्रयोग कर पेर्च संसाधनों का सर्वेक्षण
गियर	30 हूक प्रति टोकरी के साथ बोट्टम सेट वर्टिकल लाँग लाइन
पोत	*एम एफ वी ब्लू मार्लिन*
बेस	पोर्ट ब्लेयर
परियोजना समन्वयक एवं परियोजना लीडर	डॉ. सिजो. पी. वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

परिणाम

ए. हूकिंग दर (%)

माह	प्रचालित हूक	हूकिंग दर (%)				
		स्नेप्पर (लुटजानिडे) (%)	ग्रूपर्स (सेरेनिडे) (%)	एंपरर (लेथ्रिनिडे) (%)	अन्य (%)	कुल
जून 17	10,410	0.73	0.06	0.009	0.02	0.85
अगस्त 17	11,000	0.21	0.61	0.50	-	1.69

बी. जैविक अध्ययन

- जून 2017 और अगस्त 2017 माह के दौरान बोट्टम सेट वर्टिकल लॉग लाइन गियर परिचालित किया गया । उच्चतम कुल हूकिंग दर 1.69 % अगस्त 2017 में प्राप्त हुई । जून 2017 के दौरान पेर्च में पकड में स्नेप्पर (लुटजानिडे) 0.73 % हूकिंग दर के साथ प्रमुख रही । जबकि अगस्त 2017 माह में 0.61 % हूकिंग दर के साथ पकड में ग्रूपर्स (सेरेनिडे) प्रमुख रही और इसके बाद 0.51 % के साथ एंपरर (*लेथ्रिनिडे*) रही ।

नोट: पोते एम एफ वी मत्स्य वृष्टि, एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी और एम एफ वी लवणिका के साथ परियोजनाएं कार्यान्वित नहीं हुई क्योंकि रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान पोतें अत्यधिक पुराने होने के कारण एम एफ वी मत्स्य वृष्टि, एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी और एम एफ वी लवणिका लंबी शुष्क गोदीकरण अवधि के लिए अप्रचालित थे ।

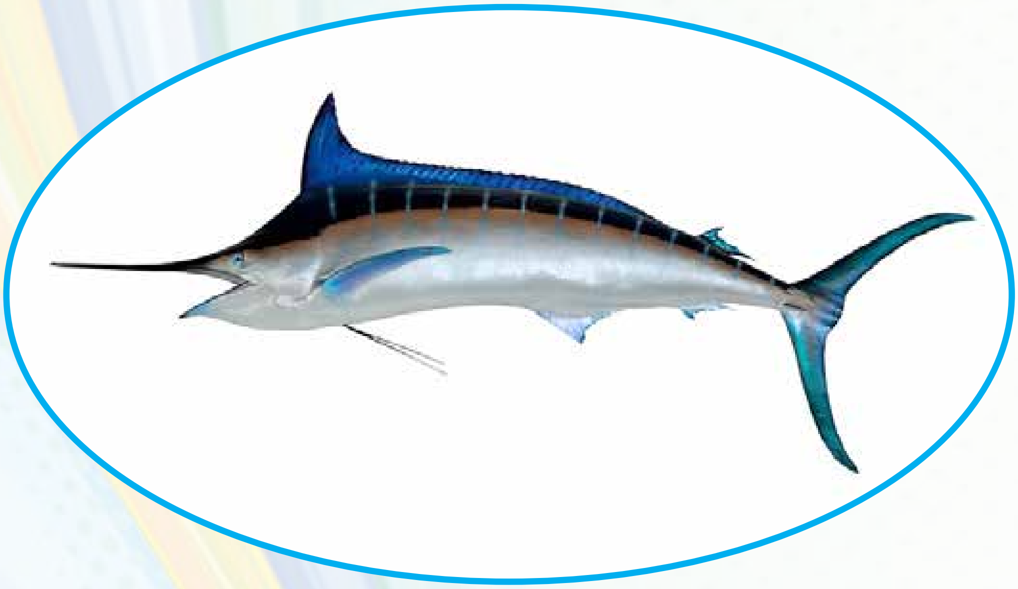

5. प्रत्यक्ष लक्ष्य एवं उपलब्धियां

2017-18 के दौरान समुद्री यात्राओं के संदर्भ में प्रत्यक्ष लक्ष्यों, समुद्र में बिताएं दिन, मत्स्यन दिवस, नमूना प्रयास, एवं सर्वेक्षण पोतों की उपलब्धियाँ निम्नलिखित है ।

बेस	पोत		लक्ष्य				उपलब्धियाँ			
			जल यात्रा	समुद्र में दिन	मत्स्यन के दिन	नमूने प्रयास	जल यात्रा	समुद्र में दिन	मत्स्यन के दिन	नमूने प्रयास
मुम्बई	*एम एफ वी मत्स्य वृष्टि*	@	9	180	136	85680	-	-	-	-
	एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी	*	9	180	144	675	-	-	-	-
मुरगांव	*एम एफ वी येल्लोफिन*	@	9	180	136	85000	2	37	20	7550
	एम एफ वी सागरिका	*	11	220	176	825	12	223	153	608
कोच्चिन	*एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी*	*	10	200	160	750	5	88	59	215
	एम एफ वी लवणिका	*	20	200	160	750	1	9	5	18
चेन्नई	*एम एफ वी मत्स्य दृष्टि*	@ &	10	200	137	71640 5100	11	184	112	63700 8400
	एम एफ वी समुद्रिका	*	10	200	160	750	4	63	44	184.5
विशाखापट्टणम	*एम एफ वी मत्स्य शिकारी*	*	11	220	176	825	3	56	39	150
	एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी	* **	11	180	144	525 84	5	87	64	256.5 -
पोर्ट ब्लेयर	*एम एफ वी ब्लू मार्लिन*	@ & $ #	11	220	164	45000 18750 18750 18750	12	217	158	40800 21410 17430 19375
प्रयास	*कुल*		121	2180	1693		55	964	654	
*: बोट्टम ट्रॉलिंग						5100				1432
**: मध्यजल ट्रॉलिंग (घंटे)						84				-
@: टूना लॉग लाइन (हूक)						287320				112050
&: बोट्टम सेट वर्टिकल लॉग लाइन (हूक)						23850				29810
$: डीप लॉग लाइन (हूक)						18750				17430
#: लाईट स्टिक के साथ ड्रिफ्ट लाँग लाइन (हूक)						18750				19375

नोट: पोत एम एफ वी मत्स्य दृष्टि और निरीक्षणी लम्बे शुष्क गोदीकरण के कारण संचालित नही थे।

6. पोतवार पकड़ एवं मूल्य

2017-18 के दौरान भा. मा. स. के सर्वेक्षण पोतों द्वारा पंजीकृत पकड़ एवं मूल्य

बेस	पोत	पकड़ (कि. ग्रा)	मूल्य (₹)
मुम्बई	*एम एफ वी मत्स्य वृष्टि*	-	-
	एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी	-	-
मुरगांव	*एम एफ वी येल्लोफिन*	481	44623
	एम एफ वी सागरिका	6083	206448
कोच्चिन	*एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी*	1513	37455
	एम एफ वी लवणिका	-	-
चेन्नई	*एम एफ वी मत्स्य दृष्टि*	933	84392
	एम एफ वी समुद्रिका	230	12515
विशाखापट्टणम	*एम एफ वी मत्स्य शिकारी*	3965	54140
	एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी	22182	351173
पोर्ट ब्लेयर	*एम एफ वी ब्लू मार्लिन*	14454	928036
कुल		**49841**	**1718782**

7. सर्वेक्षण जलयात्राओं में वैज्ञानिक भागीदारी

मात्स्यिकी संसाधन आँकड़ा संग्रहण के लिए संस्थान के वैज्ञानिक नियमित रुप से पोतों के सर्वेक्षण जलयात्राओं में भाग लेते है । वर्ष के दौरान वैज्ञानिक भागीदारी का विवरण नीचे दिया गया है:

पोत	वैज्ञानिक भागीदारी के नाम और पदनाम	जलयात्राओं की संख्या	समुद्र में बाहर दिन
एम एफ वी मत्स्य वृष्टि	चूँकि पोत इस अवधि के दौरान निष्क्रिय रहे, इसलिए इन पोतों के लिए कोई वैज्ञानिक भागीदारी नहीं थी ।		
एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी			
एम एफ वी येल्लोफिन	श्री कान्हू चरण साहू, क. अनुसंधान अध्येता	1	20
	श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक	1	19
एम एफ वी सागरिका	डॉ. एच. डी. प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	20
	श्री राजू एस नागपूरे, व. वैज्ञानिक सहायक	2	40
	श्री पुरन सिंह, व. वैज्ञानिक सहायक	3	50
	श्री सोल्ली सोलोमोन,व. वैज्ञानिक सहायक	3	60
	डॉ. देवानंद इ. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक	1	16
	श्री राहुलकुमार बी. टेलर, व. वैज्ञानिक सहायक	1	20
	श्री सुरेंद्र कुमार, क. अनुसंधान अध्येता	1	2
एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी	डॉ. एस रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	25
	श्री पी. तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	19
	श्री एन. उन्नीकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	27
	श्री ए. ई. अयूब, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्	2	17
एम एफ वी मत्स्य दृष्टि	डॉ. जे. जयचन्द्र दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	19
	डॉ. एम. के. सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	20
	डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	36
	श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक	4	47
	डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक	2	40
	श्री वी. मुरुगन, व. अनुसंधान अध्येता	1	20

पोत	वैज्ञानिक भागीदारी के नाम और पदनाम	जलयात्राओं की संख्या	समुद्र में बाहर दिन
एम एफ वी समुद्रिका	डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	20
	श्री वाई. थरुमर, व. वैज्ञानिक सहायक	1	18
	डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक	1	05
	श्री वी. मुरुगन, व. अनुसंधान अध्येता	1	20
एम एफ वी मत्स्य शिकारी	श्री जी. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	20
	श्री सुजित कुमार पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक	1	10
	श्री के. सिलम्बरसन, व. वैज्ञानिक सहायक	2	26
एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी	डॉ. अन्नडा भूषण कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	1	12
	श्री जी. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	2	24
	श्री सुजित कुमार पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक	2	23
	श्री के. सिलाम्बरसन, व. वैज्ञानिक सहायक	2	28
एम एफ वी ब्लू मार्लिन	श्री स्वप्निल एस शिरके, व. वैज्ञानिक सहायक	03	49
	श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्	04	76
	श्री नशद एम, व. वैज्ञानिक सहायक	04	78
	श्री वी. मुरुगन, व. अनुसंधान अध्येता (सत्तुणा)46 और डॉ. निमित कुमार, परियोजना वैज्ञानिक, इनकोइस	01	14

8. बेडा अनुरक्षण

ए. वर्ष के दौरान किए गए पोतों के शुष्क गोदीकरण

पोत का नाम/बेस	शिपयार्ड का नाम	डोकिंग अवधि और पोत पर मरम्मतें	पर्यवेक्षक
एम एफ वी येल्लोफिन	मैसर्स गोवा शिपयार्ड, लि., गोवा	डॉक किया गया: 17.08.2017 अनडॉक किया गया: 25.01.2018	श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता श्री जोसेफ के. इंगनेशियस, मुख्य अभियंता ग्रेड-। श्री के. पी. विनोजी, स्किप्पर
एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी	मैसर्स कोच्चिन शिपयार्ड, लि. कोच्चिन	डॉक किया गया: 04.11.2017 अनडॉक किया गया: 30.12.2017	श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक) श्री स्टनेली,मुख्य अभियंता ग्रेड-।।, श्री जी. गोपीकृष्णन, स्किप्पर श्री नरेश चन्द, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)
एम एफ वी मत्स्य वृष्टि	मैसर्स कोच्चिन शिपयार्ड, लि., कोच्चिन	डॉक किया गया: 02.02.2018 अनडॉक किया गया: शुष्क गोदीकरण चल रहा था	श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक) श्री जॉय मूथेडन, मुख्य अभियंता ग्रेड-। श्री डी. मेहलिंगम, स्किप्पर श्री नरेश चन्द, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)
एम एफ वी लवणिका	मैसर्स कोच्चिन शिपयार्ड, लि., कोच्चिन	डॉक किया गया: 10.07.2017 अनडॉक किया गया:18.08.2017	श्री मनोज कुमार, ओ. टी, सेवा अभियंता श्री सजी जॉर्ज, मुख्य अभियंता ग्रेड-। श्री के. एल. मधु, स्किप्पर
एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी	मैसर्स हिंदुस्तान शिपयार्ड, लि., विशाखापट्टणम	डॉक किया गया: 14.11.2017 अनडॉक किया गया: 28.03.2018	श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता श्री परितोष बिसवास, स्किप्पर श्री एस पाशा, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)
एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी	मेसर्स कोच्चिन शिपयार्ड, लि., कोच्चिन	डॉक किया गया: 02.02.2018 अनडॉक किया गया: शुष्क गोदीकरण चल रहा था	श्री मनोज कुमार ओ. टी, सेवा अभियंता श्री सजी जॉर्ज, मुख्य अभियंता ग्रेड-। श्री अरूण कुमार, स्किप्पर श्री सुभाष, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)
एम एफ वी मत्स्य दृष्टि	मैसर्स हिंदुस्तान शिपयार्ड, लि., विशाखापट्टणम	डॉक किया गया: 07.03.2018 अनडॉक किया गया: शुष्क गोदीकरण चल रहा था	श्री डी. भामी रेड्डी, यांत्रिक समुद्री अभियंता श्री के. एस. जोसेफ पॉल, स्किप्पर

बी. मशीनरी & उपकरण के मुख्य ऑवरहॉलिंग

पोत का नाम	मरम्मत मशीनरी	मरम्मत की अवधि	अभिकरण	पर्यवेक्षक
एम एफ वी सागरिका	मुख्य इंजिन	01.07.2017 से 25.07.2017 तक	विभागीय कर्मशाला	श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता और श्री वी पी शर्मा, यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)
एम एफ वी मत्स्य दृष्टि	पोर्ट ऑक्सिलरी इंजिन	07.10.2017 से 30.10.2017 तक		श्री डी. भामी रेड्डी, यांत्रिक समुद्री अभियंता

सी. भा. मा. स. के लिए पोतों के अर्जन के संबंध में

पोतों की प्राप्ति के लिए प्रस्ताव कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के विचाराधीन है। मैसर्स कोच्चिन शिपयार्ड लि., कोच्चिन के जरिए नामांकन आधार पर 96 करोड की अनुमानित लागत पर दो मध्य जल ट्रॉलरों की प्राप्ति के लिए दिनांक 07.2.2018 के इस कार्यालय के पत्र सं. 30-9/2013 योजना एवं विकास द्वारा संशोधित फोर्मेट (अनुलग्नक –IV-A) में एक ई एफ सी ज्ञापन मंत्रालय को भेजा गया है।

डी. बेडे की मशीनरी एवं उपकरण के रखरखाव के लिए अतिरिक्त पुर्जों की आयात

वर्ष के दौरान डेन्मार्क, यू ए ई, कोरिया जैसे विभिन्न देशों से पोतों के रखरखाव की ओर ₹222.00 लाख मूल्य के अतिरिक्त पुर्जों की आयात की गई।

9. आधारभूत संरचना सुविधाएं

9.1 ससून डॉक, कुलाबा, मुंबई (मुख्यालय) में भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के सुविधा अनुसंधान केंद्र का निर्माण

सिविल कार्य के संबंध में भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और मुख्यालय एवं मुंबई बेस द्वारा अधिग्रहण किया गया। लेकिन, इलेक्ट्रिक कार्य जैसे लिफ्ट का परिचालन और भवन का वातानुकूलन सिस्टम अभी तक नहीं किया गया है । पेयजल कनेक्शन अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है । इस संबंध में, इन मामलों को सी पी डब्ल्यू डी/एम जी एम सी के साथ आगे बढाया जा रहा है ।

9.2 समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग (एम ई डी), कोच्चि का निष्पादन

विवरण	पर्यवेक्षण
कुल 72 पोतों को समुद्रीअभियांत्रिकी प्रभाग के स्लिप वे में उसके जलावतरण मरम्मत कार्यों के लिए घसीटे गए और वर्ष के दौरान ₹54,05,642/- की राशि अब तक प्राप्त हुई । इसके अतिरिक्त, इसी अवधि में 56 नग जीवन बेडे की सर्वीसिंग की गई और ₹12,65,977/- की राशि प्राप्त हुई ।	श्री बी सतीश कुमार, सहायक अभियंता (कर्मशाला) श्री असोकन चीपल्लि, अधीक्षक (पी एस & सी)

10. प्रशिक्षण

10.1 वर्ष 2017-18 के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

नाम	पदनाम	विषय/संस्थान/स्थान/अवधि
डॉ विनोद कुमार मुडुमाला श्री जे. ई. प्रभाकार राज, डॉ. अंशुमन दास, डॉ. एस. के. व्दिवेदी श्री अशोक एस. कदम श्री जेकब थोमस श्री एन. जगन्नाथ श्री एन. उन्निकृष्णन डॉ. देवानंद ई. उइके श्री अमोद वी. तम्हाने श्री राजू एस नागपुरे श्री ए. सिवा सुश्री राजश्री बी. सनदी श्री राहुल कुमार बी. टेलर श्री स्वप्निल एस. शिरके, सुश्री रोशन मारिया पीटर डॉ. किरण एस. माली	व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक मात्स्यिकी वैज्ञानिक मात्स्यिकी वैज्ञानिक मात्स्यिकी वैज्ञानिक क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक व. वैज्ञानिक सहायक व. अनुसंधान अध्येता	सुदूर संवेदन के अनुप्रयोग और समुद्री जैवविविधता पर प्रदूषण का प्रभाव पर इन हाऊस प्रशिक्षण भा मा स, (मुख्यालय), मुंबई 27-28 अप्रैल 2017
डॉ. एम. के. सिन्हा श्रीमती रामालक्ष्मी	क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक प्रवर श्रेणी लिपिक	सी पी ए ओ, नई दिल्ली द्वारा *पी एफ एम एस* पर आयोजित प्रशिक्षण, सिपेट, चेन्नई, 19 मई 2017
डॉ. अन्नडा भूषण कर,	मात्स्यिकी वैज्ञानिक	चार्टर्ड एकाउंटेंट का संस्थान, विशाखापट्टणम में टी डी एस पर ऑन लाइन प्रशिक्षण 30 जून 2017
श्री सी. डी राव श्री बी. बालानायक, श्री मनोज कुमार ओ. टी श्री बी. सतीश कुमार श्री जॉय मूथेडन श्री विनोद पैली श्री कार्तिक रामानुजन श्री जी. इलंगोवन श्री जी. एस. वी. सर्मा श्री एस. पाशा श्री वी. पी. शर्मा श्री आर. बी. डोकरे श्री नरेश चन्द श्री एम. सुभाष	यांत्रिक समुद्री अभियंता सेवा अभियंता (यांत्रिक) सेवा अभियंता (यांत्रिक) सहायक अभियंता (कर्मशाला) मुख्य अभियंता ग्रेड-। मुख्य अभियंता ग्रेड-।। यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.) यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)	इंधन संरक्षण; प्रशीतन एवं समुद्र में सुरक्षा के विशेष संदर्भ के साथ पोतों के प्रबंधन और रखरखाव पर इन हाउस प्रशिक्षण, भा मा स (मुख्यालय) मुंबई 27-28 जुलाई 2017
श्रीमती के. के. अंम्बिका श्री डोलमणी नाईक	कार्यालय अधीक्षक अवर श्रेणी लिपिक	"पेंशन संबंधित मामलों और भविष्य मोड्यूल" पर काम करने हेतु प्रशिक्षण, अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली, 24 अगस्त 2017
श्रीमती सुनीता एन. मोटवानी श्री एस. सी. बाला	आशुलिपिक ग्रेड-। प्रवर श्रेणी लिपिक	"ई-भविष्य" अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, मुंबई, 9 अक्टूबर 2017
श्री सोल्ली सोलोमोन	व. वैज्ञानिक सहायक	"अगली पीढ़ी के अनुक्रमण और शुरुआती लोगों के लिए मत्स्य पालन और कृषि विज्ञान में इसके अनुप्रयोग" पर प्रशिक्षण सी एम एफ आर आई, कोच्चि, 7-8 नवंबर 2017

नाम	पदनाम	विषय/संस्थान/स्थान/अवधि
डॉ. हर्षवर्धन डी जोशी	व. वैज्ञानिक सहायक	"मत्स्य पालन में नैनो प्रौद्योगिकी उपकरणों में प्रगति" पर केफ्ट प्रशिक्षण, सी आई एफ ई, मुंबई 4-13 दिसंबर 2017
श्री एस. जी. पटवारी श्री ए. वी. के. जोगी राजू श्री अशोक कुमार खिता	क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक कार्यालय अधीक्षक यांत्रिक पर्यवेक्षक (व.)	सेवानिवृत्ति पूर्व काऊनसेलिंग कार्यशाला, वस्त्र समिति ऑडिटोरियम, मुंबई, 16 जनवरी 2018
श्री ए. उदयकुमार श्री सी. एन. रायथाथा श्री एन. वरधन श्री डोलमनी नाईक श्रीमती कुसुमलता यादव	आशुलिपिक ग्रेड-I प्रवर श्रेणी लिपिक आशुलिपिक ग्रेड-I अवर श्रेणी लिपिक बहु कार्मिक कर्मचारी	"पी एफ एम एस ई आई एस/सी डी डी ओ मोड्यूल" पर प्रशिक्षण, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, मुंबई, 24-25 जनवरी 2018
श्री बी. सुरेश कुमार श्रीमती रामालक्ष्मी	प्रवर श्रेणी लिपिक प्रवर श्रेणी लिपिक	पी एफ एम एस पर प्रशिक्षण, आर टी सी, चेन्नई, 24-25 जनवरी 2018

10.2 सिफनेट प्रशिक्षणर्थियों को प्रशिक्षण

मानव संसाधन विकास के एक हिस्से के रुप में, संस्थान ने सिफनेट प्रशिक्षणार्थियों को कार्य प्रशिक्षण देना जारी रखा । पोत पर प्रदत्त प्रशिक्षण का बेस वार विवरण निम्नानुसार है :

बेस	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या			
	वर्षारंभ में	वर्ष के दौरान नियुक्त	वर्ष के दौरान प्रशिक्षण पूरा किया	वर्षान्त
मुंबई	10	1	11	-
मुरगांव	2	-	1	1

10.3 क्षमता निर्माण कार्यक्रम और मछुआरों को प्रशिक्षण

चेन्नई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस ने राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, (एन एफ बी डी) हैदराबाद की वित्तीय सहायता के साथ मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार और सिफनेट, चेन्नई के सहयोग से अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के दौरान पोत मत्स्य दृष्टि पर *"परंपरागत मछुआरों को टूना लॉग लाइन"* पर क्षमता निर्माण एवं व्यक्तिगत प्रशिक्षण पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया । इस कार्यक्रम से तमिलनाडु के कुल 37 मछुआरों को लाभ हुआ । बेस के वैज्ञानिकों ने सिफनेट, चेन्नई में प्रशिक्षणर्थियों के लिए सैध्दांतिक व्याख्यान दिया।

क्रम सं.	प्रशिक्षण- सैध्दांतिक कक्ष		प्रशिक्षार्थियो की संख्या	पोत पर व्यावहारिक प्रशिक्षण		प्रशिक्षार्थियों की संख्या
	शुरु होने की तारीख	समाप्त होने की तारीख		शुरु होने की तारीख	समाप्त होने की तारीख	
1	06.06.2017	09.06.2017	7	12.06.2017	16.06.2017	5
				17.06.2017	21.06.2017	2
2	05.09.2017	08.09.2017	14	11.09.2017	15.09.2017	5
3	04.10.2017	09.10.2017	14	10.10.2017	14.10.2017	5
4	06.11.2017	09.11.2017	15	10.11.2017	14.11.2017	5
5	14.11.2017	17.11.2017	12	20.11.2017	24.11.2017	5
6	02.01.2018	05.01.2018	15	08.01.2018	12.01.2018	5
7	22.01.2018	25.01.2018	14	29.01.2018	02.02.2018	5
	कुल		**91**	कुल		**37**

पोर्ट ब्लेयर बेस

मात्स्यिकी निदेशालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन ने भा मा स के पोर्ट ब्लेयर के सहयोग से *"नील क्रांति"/ यूटी योजना/राष्ट्रीय कृषि विज्ञान योजना के अंतर्गत स्कीम/कार्यक्रम* पर प्रशिक्षण सह जागरुकता कार्यक्रम 12 मई 2017 को फिश लैंडिग केंद्र, जंगलीघाट, पोर्ट ब्लेयर में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य *"नील क्रांति"* के अंतर्गत स्कीम पर सूचना का प्रसार करना, स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ उनके अनुकूलतम उपयोग और संमुद्र में सुरक्षा के लिए आधुनिक मत्स्यन तकनीक और इलेक्ट्रोनिक उपकरणों पर मछुआरों को प्रशिक्षण देना था।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस ने मछुआरों को पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण देने के लिए 26 नवंबर 2017 को कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार जिला में एक दिवसीय प्रदर्शन फिशिंग ट्रिप का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान, चार आदिवासी सहित 23 स्थानीय मछुमारों को श्री अब्दुल अरीफ, मात्स्यिकी निरीक्षक, कैंपबेल बे के साथ पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* में ले जाया गया। मछुआरों को इलेक्ट्रोनिक मत्स्य खोजी, समुद्र वैज्ञानिक, नौचालन, समुद्री सुरक्षा और अन्य संचार उपकरणों के परिचालन में व्यक्तिगत रुप से प्रशिक्षण दिया गया।

11. प्रकाशन

संस्थान अपने सतत सर्वेक्षण के जरिए प्राप्त संसाधन उपलब्धियों को मत्स्य उद्योग एवं इस क्षेत्र से जुडे अन्य लोगों तक अपने वार्षिक रिपोर्ट, पत्रिका, चार्टों, विशेष प्रकाशनों, बुलेटिनों, वैज्ञानिक लेखों आदि विभिन्न प्रकाशनों के जरिए प्रभावी रुप से प्रसार करता आ रहा है । स्थानीय मच्छुआरों एवं यांत्रिक नौका प्रचालकों के हित के लिए संस्थान अपने कुछ प्रकाशनों को क्षेत्रीय भाषाओं में भी अनूदित किया है । वर्ष के दौरान संस्थान के निम्नलिखित प्रकाशन जारी किए गए ।

हिन्दी पत्रिका

मत्स्य किरण (सातवां) संस्करण) मुंबई मुख्यालय द्वारा

मत्स्य दर्पण मुंबई बेस द्वारा (छठा संस्करण)

प्रयास पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा

मीना समाचार

मीना समाचार खंड XXXIII सं. 4	अक्तूबर - दिसंबर 2016 (व्दिभाषी)
मीना समाचार खंड. XXXIV सं. 1	जनवरी - मार्च 2017 (व्दिभाषी)
मीना समाचार खंड XXXIV. सं. 2	अप्रैल - जून 2017 (व्दिभाषी)
मीना समाचार खंड XXXIV. सं. 3	जुलाई - सितंबर 2017 (व्दिभाषी)

सर्वेक्षण कार्यक्रम

मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण, निर्धारण एवं अनुसंधान कार्यक्रम 2017-18

रिपोर्ट

वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 (व्दिभाषी)

हिंद महासागर टूना आयोग की वैज्ञानिक समिति को भारत की राष्ट्रीय रिपोर्ट (आई ओ टी सी) 2017

संसाधन सूचना अंकावली -13 अंक

चेन्नई से प्रत्येक के चार अंक और मुरंगाव, विशाखापट्टणम और पोर्ट ब्लेयर बेस से प्रत्येक के तीन अंक स्थानीय मछुआरों के हित के लिए संबंधित स्थानीय भाषाओं में प्रकाशित किए गए ।

वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित/मुद्रित शोध पत्र

जर्नल/पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्र

एम विनोद कुमार, किरण एस माली, एम के फरेज़िया और के रामा राव (2017) भारत के उत्तर पश्चिमी तट के समीप शोषित *थुन्नस टोंगोल* की आयु, वृध्दि और मृत्यु दर (ब्लीकर, 1851) यूरोपियन जे बयोटेकनोलजी बयोसिल- 5 पी. आई एस एस एन: 2321-9122

माली किरण एस., विनोद कुमार एम., एम के फरेज़िया और ए के भार्गव (2017), अक्षांश 18°-23° उ के बीच भारत के उत्तर पश्चिमी तट के समीप पाने वाली दो प्रमुख लिज़ार्ड फिश (कुटुंब: सिनोडोंटिडे) के आहार एवं आहार की आदतें । अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका जैविक विज्ञान: 1039-1046 पी

माली किरण एंस., एम के फरेज़िया, विनोद कुमार एम., के रामा राव और ए. के, भार्गव (2017), उत्तर पश्चिम भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र से ग्रेटर लिजार्ड फिश, *सौरिडा टुम्बिल* (ब्लोच 1795) और ब्रश टूथ लिजार्ड फिश, *सोरिडा उन्डोस्क्वामिस* की जीवसंख्या विशेषताएं (रिचार्डसन 1848) अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका fauna.biol. Stud. 124-130 पी.ISSN:2447-2677.

फरेज़िया एम के., ए. के. दीक्षित, बी एम राऊत, आशीष कुमार, विनोद कुमार एम., के. रामा राव और किरण एस माली, (2017) भारत के तटवर्ती राज्यों में समुद्री मछली उत्पादन के वितरण, वृध्दि, अस्थिरता और प्रवृत्ति विश्लेषण । अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका चालू प्रवृत्तियाँ विज्ञान प्रौद्यागिकी खंड 7(9) 20347-20354 पी पी. आई एस एस एन: 0976-9730.

एम. विनोद कुमार., एम. के. फरेज़िया, ए. के. दीक्षित, ए. सिवा, के. रामा राव और किरण एस माली (2017), उत्तर पश्चिम भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के समीप होने वाली चार नेरिटिक टूना से तटीय आबादी के आहार में समीपस्थ संरचना, पौष्टिक मूल्य और प्रोटीन की हिस्सेदारी आई जे इ आर टी खंड. 8(3) 2017 34-40 पी पी. पी-आई एस एस एन 0976-4089, इ-आई एस एस एन: 2277-1557.

माली किरण एस., विनोद कुमार एम., एम. के. फरेज़िया, के रामा राव और ए. के. भार्गव (2017), भारत के उत्तर पश्चिम तट में रहने वाले *सौरिडा टुम्बिल* (ब्लोच 1795) और *सोरिडा उन्डस्क्वामिस* (रिचर्डसन, 1848) के प्रजनन जीव विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका Pure. App. Biosci. 5 (6): 957-964 (2017) आई एस एस एन: 2320-7051.

फरेज़िया एम. के. और ए. के. दीक्षित (2017), मत्स्यन क्षमता प्रबंधन भारतीय संदर्भ में एक परिप्रेक्ष्य । यूरोपियन पत्रिका जैव प्रौद्योगिकी जीव विज्ञान 1-7 पी. आई एस एस एन:: 2321 – 9122.

एम. विनोद कुमार, एम. के.फरेज़िया, किरण एस. माली, के रामा राव, प्रदन्या ए. सांवत और ए. सिवा (2017) भारत के उत्तर पश्चिम तट से कवाकवा *यूथिनस एफिनिस* की आयु, वृध्दि और मृत्यु दर पेरामीटर पर जाँच (केटोर, 1849)

बाबु सी., के सिलंबरसन और ए. टिबूरशियस (2017), बंगाल की खाडी के महासागरीय जल में व्हेल शार्क *रिनकोडोन टाइपस* स्मिथ 1828 के अवलोकन। भारत मात्स्यिकी पत्रिका 5(3):531-534.

जोशी हर्षवर्धन डी., वी. के. तिवारी, रुपम शर्मा, सुबोध गुप्ता, डब्ल्यू एस लकरा और उपासना साहू (2017), डॉटरलेस तिलेपिया, *ओरियोक्रोमिस निलोटिकस* के उत्पादन के लिए नेनोटेकनोलजिकल नवाचार (लिनिएस, 1758), जर्नल ऑफ एप्लाइड और प्रकृति विज्ञान 9 (4): 1921 -1925 (2017).

एम. विनोद कुमार, एम. के. फरेज़िया, किरण एस माली, के. रामा राव और ए सिवा (2018) भारत के उत्तर पश्चिम तट में प्राप्त होने वाली फ्रिगेट टूना, ऑक्सिस थजार्ड (लेस्पिडे, 1800) के जीव संख्या विश्लेषण पर अध्ययन अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका Life Scir. Scienti. Res. 1639-1643pp.

एम विनोद कुमार, एम. के. फरेज़िया, किरण एस माली, के. रामा राव और राजश्री बी सनदी (2018), भारत के उत्तर पश्चिम तटीय जल में रहने वाली तीन नेरिटिक टूना (कुटुंब: स्कोम्ब्रिडे) के प्रजनन जीव विज्ञान आई जे सी आर टी खंड.6 (1) 2320-2882.

भेंडारकर मुकेश पी., राजीव एच राथौड, हर्ष वर्धन डी जोशी और उपासना साहू (2018), महाराष्ट्र, के दक्षिण तट के रास्ट्रेलिजर कानागुर्टा (कुवियर 1817) की जनन क्षमता और शरीर भार की प्रतिशतता के रुप में जनन ग्रंथि भार पर अध्ययन जर्नल ऑफ एप्लाइड और प्रकृति विज्ञान 10 (1): 107 - 110 (2018).

अन्य कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/परिसंवादों में प्रस्तुत शोध पत्र

प्रसाद. जी. वी. ए., 2017, आंध्र प्रदेश मानव संसाधन विकास संस्थान(ए पी एच आर डी आई) बापटला, गुंटूर जिला, आंध्र प्रदेश द्वारा 21-23 अगस्त 2017 के दौरान "कृषि और संबंधित सेक्टर में आई ओ टी" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

भार्गव. ए. के. और दास प्रत्युष, 2017 टोरोन्टों, कनाडा में 2-4 अक्टूबर 2017 के दौरान "मात्स्यिकी एवं जल कृषि में नया युग" विषय पर सातवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय तटों के समीप सारडीन और एकोंवी मात्स्यिकी के विशेष संदर्भ के साथ भारतीय समुद्री मात्स्यिकी की वर्तमान स्थिति"- एक विश्लेषण

भा मा स की विस्तार गतिविधियों के तहत कार्यशालाओं में प्रस्तुत शोध पत्र

मुंबई बेस

मच्छी महाजन हॉल, नानी दमण (दमण एवं दीव संघ शासित क्षेत्र) में 16 मई 2017 को समुद्री मात्स्यिकी संसाधन एवं विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों पर क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

कदम ए. एस., "दमण एवं दीव से समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और महासागरीय टूना मात्स्यिकी"

उइके डी. ई., "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता"

व्दिवेदी एस. के., "समुद्र में सुरक्षा"

तम्हाणे अमोद., "मछली लैंडिंग केंद्र और मछली बाजार में स्वच्छता"

कम्यूनिटी हॉल, सौदावाडी, डी यू (दमण एवं दीप संघ शासित क्षेत्र) में 15 सितंबर 2017 को "दमण एवं दीव के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और विविधीकृत मत्स्यन प्रणलियों" पर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

कदम ए. एस., "दमण एवं दीव से समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और महासागरीय टूना मात्स्यिकी"

व्दिवेदी एस. के., "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता"

तम्हाणे अमोद., "समुद्र में सुरक्षा और स्वच्छता"

खिथा ए के., "इंधन संरक्षण और लाभप्रदता बढाने के लिए सुझाव"

मुरगांव बेस

कर्नाटक तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन: स्थायी उपयोग, संरक्षण, विकास एवं प्रबंधन पर अँक्शन हॉल, गंगोली फिशिंग हारबर, कुदापुरा तालूक, उडुपी जिला, कर्नाटक में 8 अगस्त 2017 को संपन्न क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

नागपूरे राजू एस., "कर्नाटक तट के तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन में दशकों से परिवर्तन"

सोलोमोन. सोल्ली, "महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन और पैदावार प्रणाली"

पी. एस. सुजित, "समुद्री सुरक्षा एवं नौचालन"

सिंह पुरन, "उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता"

जयसवाल एस. के. "इंधन क्षमता"

चेन्नई बेस

राजीव गांधी अक्वाकलचर केंद्र के ऑडिटोरियम, करैमेडु, सिरकाली, नागपट्टिनम जिला में 6 मई 2017 को "तमिलनाडु तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर संपन्न कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

बाबु सी., "तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और भारत के पूर्वी तट में महासागरीय मात्स्यिकी संसाधनों के वितरण एवं प्रचुरता"

प्रभाकर राज जे ई., "भारतीय जल में महासागरीय एवं गहन समुद्री मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण और इसके विश्लेषण"

चेम्बियन जॉन ए., टूना मछली को संभालना और परिरक्षण

भारत के तमिलनाडु एवं पुदुच्चेरी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन पर 27 अक्तूबर 2017 को कारैक्कल, पुदुच्चेरी में संपन्न कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

बाबु सी., "भारत के पूर्वी तट के महासागरीय मात्स्यिकी संसाधनों के वितरण एवं प्रचुरता"

चेम्बियन जॉन ए., "टूना मछली को संभालना एवं परिरक्षण"

पेडमागमायापालम, भीमिली मंडल, विशाखापट्टणम जिला में 15 फरवरी 2018 को मछुआरों के लिए समुद्र में "सुरक्षा पर जागरुकता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

राव धनंजय., "समुद्र में सुरक्षा"

विशाखापट्टणम बेस

मात्स्यिकी विकास अधिकारी के कार्यालय, कोथुरु, भीमलिपटनम, आंध्र प्रदेश में 31 अगस्त 2017 को "भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर संपन्न क्षेत्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

प्रसाद जी वी ए., "भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन"

बाबु सी., "भारत के पूर्वी तट के महासागरीय मात्स्यिकी संसाधनों के वितरण एवं प्रचुरता

चेम्बियन जॉन एं और जगन्नाथ एन., "टूना मछली को संभालना एवं परिरक्षण करना"

मछुआरा कल्याण समिति द्वारा 24 फरवरी 2018 को चप्पालाउप्पडा, भीमली, विशाखापट्टणम में मछुआरों के लिए आयोजित जागरुकता कार्यक्म में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया ।

जगन्नाथ एन., 2018, "महासागरीय टूना संसाधन"

प्रसाद जी वी ए., 2018, "भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता"

12. अनुसंधान और सर्वेक्षण गतिविधियां

12.1 सर्वेक्षण/अनुसंधान की विशेषताएं

12.1.1 तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण में बंपर पकड

पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* ने मई 2017 माह के क्रूस में 45.6 मी. एक्सपो मॉडल बोट्टम ट्रॉल परिनियोजित कर तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण संचालित किया । सर्वेक्षण के दौरान, 11.6 टन मछलियों की बंपर पकड दर्ज की गई, जिसमें गोट फिश (23.8%), रिब्बन फिश (18.3%), इंडियन स्कड (11.4%), भारतीय मैकरेल (9.3%), पेर्चस (5.3%) और स्क्विड (4.7%) कुल मिलाकर 180 कि. ग्रा प्रति घंटा सी पी यू ई के साथ प्रमुख रही । सर्वेक्षण परिचालन से, यह पता चला कि 51-100 मी. गहराई क्षेत्र सी पी यू ई (193.5 कि. ग्रा प्रति घंटा) के साथ अधिक उत्पादक पाया गया उसके बाद 31-50 मी गहराई क्षेत्र से (166.8 कि. ग्रा. प्रति घंटा) ।

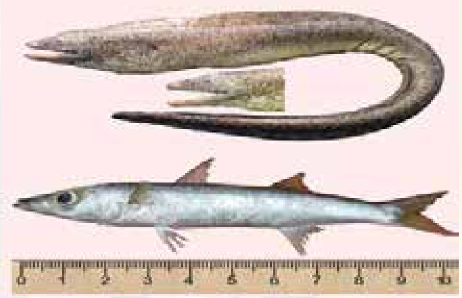

अक्षांश 17° 21.4' उ/देशांतर 82° 58.2' पू (पुदीमडका से दूर) के 45-46 मी. गहराई में एकल हॉल में लगभग 1.7 टन मछली पकड दर्ज की गई जिसमें इंडियन स्कड 59% (*डीकेप्टरस रुसेल्ली, डी मेक्रोसोमा, डी टेब*) उसके बाद *रास्ट्रेलिजर कानागुरटा* (35%) शामिल थी । दर्ज अन्य मात्स्यिकी संसाधनों में *उपिनियस विट्टाटस, स्पाइरेना फोरस्टेरी, जिमनोथोरक्स फ्लेविमारजिनेटस, नेमिप्टेरस जेपोनिकस, सौरिडा टुंबिल, सौरिडा उण्डोस्कामिस, सेपिया एक्यूलेटा* और *एम्बसिस जिमनोसेफेलस* शामिल थे ।

सर्वेक्षण के दौरान एकल हॉल में अक्षांश 18°13.9' उ/देशांतर 84°15.1' पू (1063 कि. ग्रा), अक्षांश 18° 22.1' उ/देशांतर 84° 23.3' पू (852 कि. ग्रा), अक्षांश 17° 39.8' उ/देशांतर 83° 27.2' पू (722 कि. ग्रा) और अक्षांश 18° 21.6' उ/देशांतर 84° 18.0' पू (620 कि. ग्रा) क्षेत्र से भी समान पकड प्राप्त हुई । समुद्री यात्रा के दौरान जेली फिश (*नेट्रोसोमा कोरुलेसेन्स*) जाल में भरा हुआ पाया गया । रिकार्ड के अनुसार, तीन दशकों से अधिक की अवधि के बाद, यह बंपर पकड पोत मत्स्य दर्शिनी पर दर्ज हुई ।

12.1.2 अंडमान एवं निकोबार समुद्र से लाँगफिन मको, इसुरस पौकस की प्राप्ति

एम एफ वी ब्लू मार्लिन की मई 2017 की समुद्री यात्रा में अक्षांश 06° उ/देशांतर 93° पू क्षेत्र से 1837 मी. गहराई में *इसुरस पोकस* का एक नमूना को हूक किया गया । नमूना एक अपरिपक्व मादा थी जिसकी

कुल लंबाई 184 से. मी. और वजन 40 किलोग्राम था । लाँग फिन मको, *इसुरस पोकस* (गिटार्ट मंडे, 1966) लेमिनिडे कुटुंब में एक महासागर शार्क प्रजाति है जो विश्व महासागरों (फ्रोइस एवं पॉली 2017) के समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय जल में पाई जाती है । प्रजाति की विशेषता, स्कंध पख सिर की लंबाई या उस से अधिक, किशोर और वयस्कों में अपेक्षाकृत विस्तृत नोक, थूथन सामान्य रुप से संकरा से भोथरा नुकीला, साधारणतः नुकीला नहीं, ऊपरी और निचले अग्रवर्ती दाँत के सिरा सीधा, नोक प्रतिवर्त्ति नहीं, शरीर का रंग ऊपर गहरा नीला, नीचे सफेद, थूथन के निचले भाग और मुँह के आसपास धुँधला निशान है (फ्रोसेस एवं पॉली 2017) । भारत में यह प्रजाति अरब सागर से दर्ज की जा रही है (*वर्गीस एवं अन्य*, 2015) ।

उपलब्ध साहित्य की समीक्षा से पता चलता है कि अंडमान और निकोबार समुद्र से अब तक लाँग फिन मको की रिपोर्ट नहीं हुई और इसलिए **वर्तमान रिपोर्ट इस क्षेत्र की इस प्रजाति की पहली दस्तावेज रिपोर्ट होगी ।**

12.1.3 निकोबार समुद्र में शार्क की बंपर पकड

पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* मल्टीफिलमेंट टूना लाँग लाइन गियर को मई 2017 में निकोबार समुद्र में टूना एवं संबंधित संसाधनों के सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया । समुद्री यात्रा के दौरान पोत 20 दिनों के लिए समुद्र से बाहर था । पकड में 104 शार्क और 4 विविध प्रजातियाँ शामिल थी । शार्क की पकड में पेलाजिक थ्रेषर *(अलोपियस पेलाजिकस)* प्रमुख थी । कुल मिलाकर 95 नग पेलाजिक थ्रेषर शार्क नमूनों का वजन 2963 कि. ग्रा है और कुल लंबाई 164-361 से. मी. के आस पास है । दर्ज अन्य शार्क प्रजातियाँ अलोपियस सूपरसिलियोसस 6 नग) आकार 104-302 से. मी. के बीच, वजन 335 कि. ग्रा. *गलियोसेरडो कुवियेरी* (2 नग), आकार 191-242 से.मी. के आसपास, वजन 120 कि. ग्रा. और *इसुरस ऑक्सिरिंचस* (1 नग); आकार (कुल लंबाई) 140 से.मी. के आस पास और वजन 40 कि. ग्रा है । अक्षांश 7˚ उ/देशांतर 94˚ पू क्षेत्र से उच्चतम हूकिंग दर (3.49%) प्राप्त हुई, उसके बाद अक्षांश 07˚ उ/देशांतर 93˚ पू (3.01%) और अक्षांश 8˚ उ/देशांतर 93˚ पू से (1.74%) प्राप्त हुई । माह के दौरान कुल हुकिंग दर 2.23% दर्ज की गई ।

12.1.4 सैलफिश के पेट में टेपवर्म की रिपोर्ट

भा मा स के मुरगांव बेस के पोत *एम एफ वी येल्लो फिन*, एक मल्टीफिनमेंट टूना लॉग लाइनर को मई 2017 माह में कर्नाटक एवं गोवा तट से दूर समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के समन्वेषी सर्वेक्षण करने हेतु परिनियोजित किया गया । समुद्री यात्रा के दौरान 6 नग सैल फिश (*इस्टियोफोरस प्लेटिप्टेरस*) हूक की गई। सभी सैल फिश जैविक अध्ययन के लिए विच्छेदित किए गए । अक्षांश 15˚ 07.50'उ/देशांतर 0 72˚ 40.15' पू क्षेत्र में 1447 मी गहराई में पकडी गई एक सैल फिश का पेट से परजीवी टेपवर्म (डि*फाइलोबोथियम एस पी पी*) पाया गया । कुल 7 नग टेपवर्म दर्ज किए गए । निकाला गया टेपवर्म एक घंटे जीवित अवस्था में था । सैल मछलियों में टेपवर्म का संक्रमण दुलर्भ होता है ।

12.1.5 एक समान मछली पकडने की रोक की अवधि के दौरान दर्ज किशोर मछलियों की पकड

भारत के ऊपरी पूर्वी तट में अक्षांश 16˚उ- 21˚उ के बीच तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों के सर्वेक्षण के लिए पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* को परिनियोजित किया गया । अप्रैल-जून 2017 के दौरान प्रत्येक हॉल के लिए 90 मिनट की अवधि के लिए 45.6 एम एक्स्पो मॉडल- बोट्टम ट्रॉल और 34 मी. श्रिम्प ट्रॉल द्वारा सर्वेक्षण किया गया । पोत 41 मछली पकडने के दिन सहित 56 दिनों के लिए समुद्र में बाहर था और 166.5 घंटे मछली पकडने के प्रयास में लगा ।

सर्वेक्षण परिणाम, ट्रॉल पकड में किशोर फिन फिश एवं सेफेलोपोड की प्रचुरता सूचित करता है । इस अवधि के दारौन 11वंश के 12 प्रजातियों की किशोर मछलियाँ दर्ज हुई । किशोर आबादी में दर्ज प्रमुख परिवार सायनिडे, स्कोम्ब्रिडे, स्ट्रोमेटिडे,प्रियाकेन्थिडे, हेमुलिडे, मुल्लीडे, साइनोडोंटिडे, जेरिडे, ट्रिचियूरिडे, प्लोटोसिडे और लोलीजिनिडे थे । यह दर्शाता है कि अधिकांश प्रजातियों की प्रजनन अवधि एक समान रोक की अवधि (अर्थात् 15 अप्रैल-14 जून 2017) के अंतर्गत आती है जो भारत सरकार के दिनांक 10.03.2017 के आदेश सं. 30038 /15/97- मा (टी-1) द्वारा परिकल्पित है ।

दर्ज किशोर मछलियों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रम सं.	मछली प्रजातियां	अप्रैल 2017		मई 2017		जून 2017	
		लंबाई (से.मी)	वजन (ग्राम)	लंबाई (से.मी.)	वजन (ग्राम)	लंबाई (से.मी.)	वजन (ग्राम)
1.	*ओटोलिथस रूबर* (टाइगर टूथ क्रोकर)	13.5-16.0	20-100	-	-	15.0-19.0	50-100
2.	*रास्ट्रेलिजर कानागुरटा* (भारतीय मैकरेल)	9.0-13.0	50-100	23.0-25.0	100-160	-	-
3.	*पेरस्ट्रोमेटियस नैजर* (ब्लेक पोमफ्रेट)	7.5-12.0	70-350	11.0-16.0	20-100	-	-
4.	*लोलिगो डुवसेल्ली* (भारतीय स्क्विड)	6.0-9.0	10-80	-	-	-	-
5.	*सौरिडा टुम्बिल* (ग्रेटर लिजर्ड फिश)	13.0-16.0	60-170	21.0-28.0	70-300	-	-
6.	*प्रियाकेन्थस हेमरुर* (रेड बुल्स आई)	9.0-11.0	80-110	14.0-30.0	50-300	-	-
7.	*पोमडसिस अर्जेन्टियस* (सिल्वर ग्रेट)	18.0-21.0	120-550	-	-	-	-
8.	*उपिनियस विट्टाटस* (धारीदार गोट फिश)	7.0-17.0	20-60	15.0-19.0	50-90	12.0-18.0	40-110
9.	*उपिनियस मोलुसेनसिस*	6.5-17.5	20-55	13.0-18.0	20-80	-	-
10.	*स्पाइरेना ओब्टुसेटा* (ओबटस बाराकुडा)	11.5-27.0	50-80	-	-	-	-
11.	*जेरिस फिलमेंटोसस* (व्हिपफिन सिल्वर बिडिड्स)	11.0-15.0	20-300	-	-	-	-
12.	*लेप्टूरकैन्थस सावला* (हेयर टैल रिब्बन फिश)	10.0-14.0	15-35	-	-	-	-
13.	*प्लोटोसस लिनियेटस* (धारीदार ईल कैट फिश)	-	-	16.0-20.0	30-70	-	-

12.1.6 येल्लो फिन टूना और शार्क की टैगिंग

भा मा स के पोर्ट ब्लेयर से जुडे एक मल्टीफिलमेंट लॉग लाइनर पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर पी-सेट टैगिंग प्रचालन संचालित किया गया। जुलाई 2017 के दौरान अंडमान एवं निकोबार में पी सेट पोप-आप टैंग के साथ 4 नग येल्लो फिन टूना और 4 नग शार्क को टैग किया गया। टैंगिंग ब्यौरा निम्नानुसार है।

क्रम सं.	दिनांक	टैग की गई प्रजातियाँ	टैगिंग क्षेत्र	कुल लंबाई (से. मी.)	वजन (कि. ग्रा)
1	20.07.2017	*अलोपियस पेलाजिकस*	अक्षांश 11°16.07'उ/ देशांतर. 92°55.47'पू	258	30
2	21.07.2017	*थुन्नस अलबकोरस*	अक्षांश 10°40.69' उ / देशांतर 92°47.34'E	152	40
3	21.07.2017	*थुन्नस अलबकोरस*	अक्षांश 10°36.57' उ / देशांतर 92°45.36' पू	132	35
4	23.07.2017	*कारकारिनस फेलसिफोर्मिस*	अक्षांश 10°38.8' उ / देशांतर. 92°45.9' पू	150	25
5	23.07.2017	*अलोपिय पेलाजिकस*	अक्षांश 10°38.3' उ / देशांतर. 92°45.7' पू	276	30
6	25.07.2017	*थुन्नस अलबकोरस*	अक्षांश 11°27.85' उ / देशांतर 92°53.20' पू	132	30
7	25.07.2017	*गलियोसेरडो कुवियर*	अक्षांश 11°26.50' उ / देशांतर 92°53.20' पू	197	60
8	26.07.2017	*थुन्नस अलबकोरस*	अक्षांश 11°56.92' उ / देशांतर. 93°15.56' पू	123	27

इनकोइस, हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित परियोजना "भारतीय समुद्र में टूना के प्रवासी स्वरुप पर उपग्रह टेलिमेटरी अध्ययन (सत्तुणा)" के अंतरगत टैगिंग परिचालन किया गया। श्री वी मुरूगन, क. अनुसंधान अध्येता, भा मा स का चेन्नई बेस और डॉ निमित कुमार, वैज्ञानिक, इनकोइस, हैदराबाद ने समुद्री यात्रा में भाग लिया ।

12.1.7 भारत के पश्चिमी तट से दुर्लभ मिमिका बौबटेल स्क्विड युप्रिम्ना मोरसेई (वेरील 1881) की रिपोर्ट

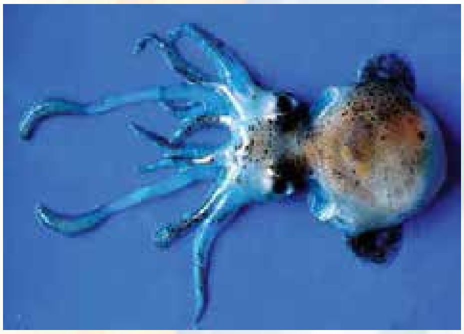

जलयान *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* द्वारा माह जून और अगस्त 2017 में फिश ट्रॉल का उपयोग करके समन्वेवी सर्वेक्षण संचालित करते समय अक्षांश. 09° 45.51′ उ, देशांतर. 76° 06.35′पू और अक्षांश. 09° 49.6′ उ, देशांतर. 76° 04.9′ पू के बीच, 31 मी गहराई के कीचड़वाले बालू के तल से सेपिओलिडी परिवार का एक दुर्लभ स्क्विड *युप्रिम्ना मोरसेइ*, भारत के पश्चिमी तट से पहली बार दर्ज किया गया । क्नेडेरिअन (जैली फिश) और क्टिनोफोर (कोंब जैली) के साथ इसके तीन नमूने पाए गए । वर्ल्ड रजिस्ट्रार ऑफ मैरीन स्पीशीज (WoRMS, 2014) के अनुसार, दुनिया के विविध समुद्रों से अब तक 16 प्रजातियां रिपोर्ट की गई है । उपलब्ध साहित्य के अनुसार, इस प्रजाति (इ. मोरसेई) की प्राप्ति जापान तट, फिलीपीन्स, मालदीव, अंडमान सागर (गुडरीच, 1896) और सिलोन (होयल, 1904) से की गई है । भारतीय जल से इ. मोरसेई के वास्तिवक आवास का यह पहला अभिलेख है ।

12.1.8 पिस्टल श्रिम्प की उपस्थिति

जलयान *एम. एफ. वी. मत्स्य वर्षिनी* द्वारा माह जून और अगस्त 2017 के दौरान दक्षिण पश्चिमी तट में अक्षांश 9°40.7′ उ, देशांतर 76° 05.8′ पू और अक्षांश 9° 45.1′ उ, देशांतर 76° 03.6′ पू के बीच के क्षेत्र से 33 मी. गहराई में किए गए तलमज्जी ट्रॉल सर्वेक्षण में *अलफिअस* परिवार के पिस्टल श्रिम्प की दो विभिन्न प्रजातियां ट्रॉल पकड में पाई गई । इन की पहचान अलपिडे परिवार

की प्रजातियां *अलफिअस युफ्रोसिने* डी मैन, 1897 और *अलफिअस* स्पीशीज फैब्रिषिअस, 1798 के रुप में की गई । दूसरी प्रजाति, *अलफिअस* प्रजाति फैब्रिशिअस, (1798) को 60 से.मी. एक मूंगा पत्थर के एक टुकड़े से, संग्रहित किया गया । इस मूँगा पत्थर में बहुत सारे छेद थे जो न केवल श्रिम्प के लिए बल्कि अन्य प्रजातियों जैसे कि 25 मि. मी. कारापेस लंबाई के तीन केकडे, गोबिडे परिवार की एक मछली प्रजाति, पोलिकीट प्रजाति के लिए आश्रय प्रदान करता है । *अलफिअस* प्रजाति की जो आकारमिति दर्ज की गई है, वह इस प्रकार है कुल लंबाई-29.5 मि. मी. कवच की लंबाई -10 मि.मी., रोस्ट्रम की लंबाई-2.9 मि. मी. रोस्ट्रम कील (तल) की ऊँचाई -9 मि. मी., मुख्य कील की लंबाई -15 मि. मी., प्रोपोडस (पैर का मध्य भाग) की चौडाई-6 मि.मी., डैक्टिलस (पैर का अंतिम भाग) की लंबाई-56.5 मि. मी., मीरस (प्रोपोडस को शरीर से जोड़ने वाला भाग) की लंबाई-4.2 मि. मी. तीसरे पैर के मीरस की लंबाई-5 मि. मी और उसकी चौडाई -0.5 मि. मी., टेलसन पूंछ का मध्यभाग 3.9 मि. मी. और टेलसन की नोक गोलाकार है ।

12.1.9 विशाखापट्टणम तट से बैन्डेड मेन्टीस झींगा की प्राप्ति

जलयान *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* ने माह अगस्त 2017 में 45.6 मी. एक्सपो मॉडल अधस्तल ट्रॉल का उपयोग करके तलमज्जी मत्स्य संसाधनों का सर्वेक्षण, निर्धारण और मॉनिटरिंग किया । जलयात्रा के दौरान अक्षांश 17°51.6′ उ/देशांतर 83° 44.7′ पू. (भीमुनिपटनम के दक्षिण में) 52 मी. गहराई में *लिसीओस्क्वीलीडे* परिवार की प्रजाति *लिसीओस्क्वीला ट्रेडेंसिमडेंटाटा* (गोल्डन मैंटीसं झिंगा) का एकमात्र नमूना अभिलेखित किया गया ।

दुनियाभर में मैंटीस झींगो की 17 परिवार और 115 परिवारों की कुल 485 प्रजातियों अभिलेखित की गई है । (वर्ल्ड रजिस्ट्रार ऑफ मैरीन स्पिशीज, 2014) भारत में रिपोर्ट की गई 66 प्रजातियों में से 6 प्रजातियां आन्ध्र प्रदेश के तटीय जल से अभिलेखित की गई है । होलथुइस (1941) के अनुसार *लि. ट्रेडेसिमडेंटाटा* का वितरण येमेन (लाल सागर) से दक्षिण में मादागास्कर और दक्षिण अफ्रिका, भारत से पूर्व में थाइलैंड, वियतनाम, ताइवान, आस्ट्रेलिया, हवाई, जापान और इंडो-वेस्ट प्रशांत महासागर, भारत के पश्चिमी और पूर्वी तट तक है ।

12.1.10 अंडमान एवं निकोबार जल के समीप लॉग लाइन गियर में दुर्लभ गहरे समुद्री रे की हूकिंग

पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन*, एक मल्टीफिलमेंट टूना लॉग लाइनर, अक्तूबर 2017 क्रूस के दौरान अंडमान समुद्र के पूर्वी भाग में समन्वेषी सर्वेक्षण संचालित करते समय अक्षांश 11° 31.4′ उ/देशांतर 92° 56.3 पू में 560 मी गहराई में दो गहरे समुद्री स्टिंग रे की हूक की गई । गहरे समुद्री स्टिंग्रे के नमूने को *प्लेसियोबेटिस डविएसी* (कुटुंब: प्लेसियोबेट्डिे) (चित्र ।) के रुप में पहचाना गया था । यह ऊपरी महाव्दीपीय ढलान पर इंडो पैसिफिक क्षेत्र में व्यापक रुप से वितरित किया जाता है और इसकी विशेषता नूकीले त्रिकोणीय स्नाउट, अंडाकार पित्ताशय पंख एवं संकरा काँटे के साथ एक पत्ती के आकार के कॉडल फिन

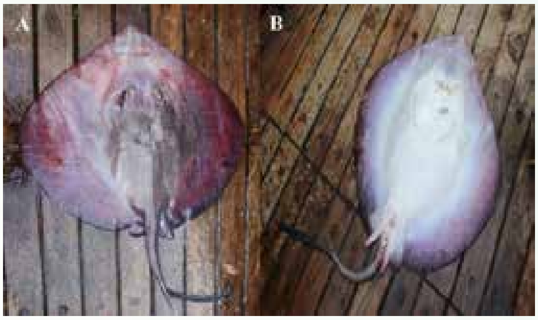

की उपस्थिति है । नमूने का वजन 15 कि. ग्रा था और कुल लंबाई 2200 मी. थी । क्लैस्पट के कैलसीकरण के आकार और विस्तार ने इंगित किया कि हूक किया गया नमूना परिपक्व था । आंत्र अंतर्वस्तु में पचा हुआ टेलियोस्ट और स्क्विड शामिल थे ।

स्टिंग्रे का दूसरा नमूना विशाल डेविल रे मोबुलिडे परिवार के मोबुला मोबुलेटर था जो कि अक्षांश 16° 19.32'उ/देशांतर 93° 67'पू के क्षेत्र से पकडा गया । विशाल डेविल रे एक अत्यधिक मोबाइल एपिपेलेजिक है, बडे जूप्लंकिटिवोरस रे पर्युष्ण वैश्विक रुप से अटलांटिक, पेसिफिक और हिंद महासागर के गर्म समशीतोष्ण जल के भीतर वितरित किया जाता है। (व्हाइट एवं अन्य, 2006) नमूने की पृष्ठीय सतह हल्का कंधे पर पेंच, सफेद पेट, पृष्ठीय पंख पर सफेद नोक के साथ नीली काली थी । व्हाईट और अन्य 2006) ने रिपोर्ट किया था कि नर एम मोबुलर के लिए परिपक्वता का आकार डिस्क चौडाई के 2050 और 2100 मि. मी. के बीच है और मादा लगभग 2070 मी. मी डिस्क चौडाई में परिपक्व होता है । इस रिपोर्ट में अध्ययन किया गया नमूना 3210 मि.मी. कुल लंबाई और 2200 मि. मी. डिस्क चौडाई और 75 कि. ग्रा. वजन के साथ एक परिपक्व मादा थी । नमुने का आंत खाली पाया गया ।

12.1.11 कर्नाटक तट से दूर एलियन जेल्लि फिश झुंड का रिकार्ड

पोत *एम एफ वी सागरिका* द्वारा नवंबर 2017 के सर्वेक्षण क्रूस के दौरान अक्षांश 13°-14° उ के क्षेत्र से सिफिड स्काइफोजोन का एक झुंड, एक एलियन जेल्लि फिश दर्ज की गई । 700 किलोग्राम झुंड की एक बडी मात्रा अक्षांश 13° 12.1 उ/देशांतर 74° 33.1 पू के क्षेत्र में 34 मी गहराई में एकल हॉल में दर्ज की गई। गलिल और जेरषविन, 2010 (स्काइफोजोआ: रिजोस्टोमिए- सेफिडे) ने प्रजाति को अपनी विशेष एवं उल्लेखनीय आकृति विज्ञान व्दारा मेरिवेगिया स्टेल्लाटा के रुप में पहचाना गया है । संग्रहिन नमूने का छत्र डायमीटर और गीला वजन 13.0 से 18.0 से. मी. और 400-850 ग्रा क्रमश: रहा ।

आकृति विज्ञान: *मेरिवेगिया स्टेल्लाटा* एक पारदर्शी नीली सफेद समुद्री जेल्लिफिश है, एक्सुम्ब्रेल्ला सतह में सेंट्रल डोम, मस्सा या गुमटा की कमी, लाल सितारे, बिंदु और एक्सुम्ब्रेल्ला के मध्य में क्लस्टर में विशिष्ट पैटर्न के साथ अलंकृत है । गलिल और गेरषविन, 2010 ने इस प्रजाति को पहली बार मेडिटरेनियन समुद्र से पहचान किया । मरिवेगिया स्टेल्लाटा का प्रथम नमूना विष्झिजम, केरल, भारत (अक्षांश 08° 22' उ/देशांतर 76° 59' पू) के समुद्र तट में सीफीड स्काइपोजोन्स की एक झुंड 8 जून 2017 को देखा गया (लेकिन एकत्र नहीं किया) हालांकि प्रारंभिक रुप से मेडिट्टरेनियन जल से एक गैर देशी प्रजातियों के रुप में पहचाना गया है, यह प्रजातियाँ हिंद महासागर के मूल निवासी है ।

12.1.12 गोवा तट से प्रोटोनिबिया डयकेंथस (ब्लैक स्पोट्ड क्रोकर) की भारी पकड दर्ज हुई ।

दिसंबर 2017 माह के दौरान भा मा स के मुरगांव बेस से जुडे पोत *एम एफ वी सागरिका* (ओ ए एल 28.8 मी, र्स्टर्न ट्रॉलर) ने अक्षांश 15° उ से 19° उ के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के उत्तर पश्चिम तट में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण का संचालन किया । क्रूस के दौरान, 27.5 मी. फिश ट्रॉल 63 मी. गहराई में परिनियोजित किया गया, अक्षांश 16° 20.2' उ और देशांतर 0.73° 01.4 पू के क्षेत्र से एकल हॉल में *प्रोटोनिबीडिकेंथस* (काला धब्बेदार क्रोकर) की भारी पकड दर्ज की गई और इसका वजन लगभग 800 कि. ग्रा था । उसी हॉल में, लगभग 38 कि. ग्रा. वजन का अन्य समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के साथ 300 कि. ग्रा वजन का रेड स्नेप्पर भी दर्ज की गई ।

12.1.13 मुंबई तट से दूर किशोर स्पिनिचीक ग्रूपर की प्राप्ति दर्ज की गई ।

दिसंबर 2017 माह के दौरान, भा मा स के मुरगांव बेस से जुडे पोत *एम एफ वी सागरिका* (ओ ए एल 28.8 मी, स्टर्न ट्रॉलर) ने अक्षांश 15°उ - 19°उ के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के उत्तर पश्चिम तट में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण

किया । क्रूस के दौरान 27.5 मी. फिश ट्रॉल 46 मी. गहराई में परिनियोजित किया गया, अक्षांश 19° 34.6' उ/देशांतर 0.71° 42.0' पू के क्षेत्र से एकल हॉल में *एपिनेफेलस डयाकेंथस* (स्पाइनि चीक ग्रूपर) की किशोर पकड दर्ज की गई । इसकी लंबाई 9.8-19.1 से. मी. के आसपास रही और वजन लगभग 700 कि. ग्रा. रहा । उसी हॉल में, अन्य प्रजाति अर्थात् *नेमिप्टेरस रेंडली* अन्य समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के साथ देखी गई जिसका वजन लगभग 29 कि. ग्रा. था ।

12.1.14 आन्ध्र प्रदेश तट के समीप ओलिव रिडली समुद्री कच्छुआ (लेपिडोचेलिस ओलिवेसाया) की प्राप्ति

जनवरी और फरवरी' 2018 समुद्री यात्रा के दौरान, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, विशाखापट्टणम से संबद्ध सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* को अक्षांश 16°उ से अक्षांश 19°उ (आंध्र प्रदेश तट) के क्षेत्र में समन्वेषी मात्स्यिकी सर्वेक्षण के लिए परिनियोजित किया गया था । उपर्युक्त अवधि के दौरान, 57 नग *लेपिडोचेलिस ओलिवेसिया* (एस्कोल्टस, 1829) साधारणतया ओलिव रिडली समुद्री कछुआ के रुप में जाना जाता था, रिकार्ड किया गया । विभिन्न पैरामीटर रिकार्ड करने के बाद उन्हें जीवित अवस्था में समुद्र में वापस छोड दिया गया । ओलिव रिडली समुद्री कच्छुओं को उत्तरी हिंद महासागर में व्यापक रुप से वितरित किया जाता है । भारत के पूर्वी तट में, ओलिव रिडली समुद्री कच्छुए का घौंसला बनाने का प्रमुख स्थान ओडिशा तट (रुशिक्युल्या और गहीरमथा बीच) है । उन्हें घोंसले बनाने के मौसम (नवंबर-जनवरी) के दौरान अक्सर आंध्र तट के समीप भी देखा जाता है ।

समुद्री कच्छुए की मृत्यु दर वाणिज्यिक मत्स्य परिचालन अर्थात् उपर्युक्त क्षेत्र में तलमज्जी ट्रॉलिंग के कारण होती है । ट्रॉल जाल में कछुए बहिष्कार उपकरण (टी ई डी) का उपयोग कच्छुए की पकड और मृत्यु दर को कम करने में अत्यधिक उपयोगी होगी ।

12.1.15 महाराष्ट्र तट से सायपनक्युलिड कीडे का रिकार्ड

फरवरी 2018 माह में पोत *एम एफ वी सागरिका* द्वारा संचालित समन्वेषी मात्स्यिकी सर्वेक्षण से अक्षांश 17°उ के समीप सिपुनकुलिड बेड की उपस्थिति दर्ज की गई है क्योंकि प्रचालित बोट्टम ट्रॉल के सिंकर्स में विभिन्न आकार के फंसे हुए सायपनक्युलिड पाया गया । दर्ज नमूने की औसत कुल लंबाई लगभग 11 से. मी. ट्रंक लंबाई के साथ 15 से. मी. है । इस क्षेत्र में जीव की महत्वपूर्ण उपस्थिति विविध मात्स्यिकी संसाधनों के सतत शोषण के लिए भारतीय जलक्षेत्र में समुद्री जीवित संसाधनों की खोज की अधिक केंद्रित आवश्यकता का ध्यान आकर्षित करती है ।

सिपुनकुलिड कीडे उथले जल में सामान्य है जिसमें अविभाजित सिलोमेट, दि्वपक्षीय सिमेट्रिकल शामिल है और नरम शरीरवाले समुद्री और ज्वार मुहानीय पर्यावरण के रेतीले और कीचड आवासों में रहते है या एक विकृत मोलस्क कवच, फोरामिनिफेरा परीक्षण या पोलिकेट ट्यूब की सुरक्षात्मक आश्रय के अंदर रहते है । वे मूँगफली कीडे के नाम से लोकप्रिय है । हालांकि एक छोटे समूह है, इस टैक्सन में जैविक विविधता की एक विस्तृत ऋंखला पाया गया है । फाईलम को दो वर्गो में बांटा गया है जिसे आगे चार ऑडर और छह फैमिली में विभाजित किया गया है । कुल मिलाकर 17 वंश के अंतरगत 145 प्रजातियों को अब तक पाँच महासागरों से रिपोर्ट किया गया है । इनमें से 10 जेनेरा के अंतर्गत 35 प्रजातियों और 5 फैमली भारतीय तट से रिपोर्ट किया गया है, जो कि विश्व के सिपुनकुलन प्रजातियों के 24.1% करता है। अब तक ज्ञात प्राणीजात घटक मुख्य रुप से मुख्य भूमि और इंसुलर क्षेत्रों के तट के अंतर ज्वारीय बेल्ट से रिपोर्ट किया जाता है । यदि लिटोरल और सब्लिटोरल क्षेत्रों का सही ढंग से पता लगाया जाता है तो प्रजातियों की अधिक संख्या की उम्मीद की जा सकती है ।

जहाँ तक साथपनकुलन जीवों के वितरण पैटर्न का संबंध प्रजातियों का है संकेन्द्रण का प्रमुख क्षेत्र अंडमान, निकोबार, लक्षव्दीप, मन्नार की खाडी तमिलनाडु और गुजरात है । हालांकि भारतीय बाज़ार में खपत के लिए पसंदीदा वस्तु नहीं है, ये उत्तर पूर्व एशियाई देशों और दक्षिण पूर्व एशिया के विभिन्न व्दीप राष्ट्रों में व्यापक रुप से उपयोग किए जाते हैं । भारत में बडे आकार की प्रजातियों का उपयोग विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए जैविक प्रयोगशाला में और जैविक अध्ययन के लिए शैक्षिक संस्थानों में उपयोग किया जाता है । इन्हें क्रमश: मछली चारा के रुप में लक्षव्दीप और अंडमान जल में भी उपयोग किया जाता है । मुंह इन्ट्रोवेर्ट के अग्रवर्ती चरम पर स्थित है, धड के अग्रवर्ती भाग कैलकेरियस कैप से लैस है ।

12.1.16 भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र से लर्नेलियोफस स्ट्रिएटस विल्सन सी बी. 1913 का प्रथम रिकार्ड

लर्नेलियोफस स्ट्रिएटस पेन्नेलिड परिवार के बडे ऊतक अंत: स्थापित परजीवी कोपेपोड है । इस परजीवी का एक नमूना पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* द्वारा अपने मार्च 2018 की समुद्री यात्रा के दौरान अंडमान समुद्र के पश्चिम भाग के अक्षांश 11° 16' उ और देशांतर 91° 45' पू से पकडी गई 94 से.मी. कुल लंबाई का बडी बैराकूडा स्पाइरेना बाराकुडा से लिया गया था ।

इस परजीवी का शरीर बांसुरी जैसे सेफलोसोम, गर्दन और धड़ में विभाजित है सेफालोसम विशिष्ट डेन्ड्राइटिक बहिर्वेशन का वहन करता है और परपोषी शरीर में अंत: स्थापित है । कौडल रमी अनुपस्थित था । वर्तमान अवलोकन में परजीवी, परपोषी के गुदा पख के अग्रवर्ती भाग में अपने धड और कॉडल बहिर्वेशन के साथ पाया गया । सेफलोसम और डेनड्राइटिक बहिर्वेशन फीके लाल

रंग के और धड और कॉडल बहिर्वेशन गहरे लाल रंग के थे ।

यदि एल स्ट्रिएटस बडी संख्या में संक्रमित होने पर, परपोषी को काफ़ी नुक्सान पहुँचा सकता है और कभी कभी घातक हो सकता है *(विल्लियम्स* और बंकली-विल्लियमस्, 1996) । इस परजीवी के होलोटाइप नमूने को जमैका से एकत्रित किया गया था और 1913 में वार्णित किया गया था और इसे फिर से करीबियन समुद्र से 86 वर्ष के बाद विल्लियम्स और अन्य 1996) द्वारा खोजा गया । यह काम एल सुलतनस के अतिरिक्त, भारतीय समुद्र से जेनस लर्नेलियोफस में एक और परजीवी जोडता है।

12.2 अंतर-संस्थानीय परियोजनाएं

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के साथ संयुक्त रुप से समुद्री मात्स्यिकी से संबंधित निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भाग लिया ।

12.2.1 भारतीय समुद्र में टूना के प्रवास स्वरुप पर उपग्रह टेलीमेटरी अध्ययन (सत्तुणा)

उद्देश्य :

1. टूना प्रवासी एवं प्रजनन को प्रभावित करते हुए पर्यावरण एवं जैविक पैरामीटर पर बेस लाइन डाटाबेस विकसित करना
2. संभावित टूना मत्स्यन स्थानों की भविष्य वाणी करने में बेहतर सही स्तर के साथ टूना मात्स्यिकी पूर्वानुमान तंत्र विकसित करना एवं सुधारना

अध्ययन क्षेत्र	:	भारतीय ईईजेड
परियोजना की अवधि	:	2011 से सितंबर 2017
प्रमुख अन्वेषक	:	श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी), भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
सहायक प्रमुख अन्वेषक	:	डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, मुंबई बेस
		श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, मुरगांव बेस
		श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, चेन्नई बेस
		डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई (मुख्यालय)

परिणाम

महासागर सूचना सेवाओं के लिए भारतीय राष्ट्रीय केंन्द्र (इनकोइस) हैदराबाद द्वारा भारतीय समुद्र में टूना के प्रवास स्वरुप पर उपग्रह टेलिमेटरी अध्ययन पर प्रायोजित परियोजना (सत्तुणा) के अंतरगत प्रवासी मछली अर्थात् येल्लो फिन टूना के प्रवासन स्वरुप, वृध्दि और प्रजनन को समझनेके लिए टैगिंग प्रयोग किया जाता है । पोतवार किए गए टूना टैगिंग प्रयोगों का विवरण नीचे दिया गया है।

चालू वर्ष के दौरान, अतिरिक्त टैग उपलब्ध होने के कारण, टूना टैगिंग कार्यक्रम पूरा करने के लिए सत्तुणा परियोजना को 6 माह के लिए विस्तार किया गया था । इस अवधि में, टूना टैगिंग अंडमान एवं निकोबार जल में पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* द्वारा किया गया । पी सैट टैग से कुल 8 मछलियाँ पकडी गई। क्रूस के दौरान पहली बार शार्क को भी टैग किया गया । टूना टैगिंग का ब्यौरा निम्नलिखित सारणी में प्रस्तुत है ।

क्रम सं.	पोत का नाम	क्रम सं/आरगोस आई डी	परियोजना की तिथि	क्षेत्र		कुल लंबाई क्षेत्र	वजन (कि.ग्रा)
				अक्षांश °उ	देशांतर °उ		
1	*एम एफ वी ब्लू मार्लिन* अंडमान एवं निकोबार जल	18	25/07/2017	11°27.85'	92°53.20'	132	30
2		277*	25/07/2017	11°26.50'	92°53.20'	197	60
3		150	26/07/2017	11°56.92'	93°15.56'	123	27
4		1516*	20/07/2017	11°16.07'	92°65.47'	258	30
5		118	21/07/2017	10°40.69'	92°47.34'	152	40
6		991	21/07/2017	10°36.57'	92°45.36'	132	35
7		286*	23/07/2017	10°38.80'	92°45.90'	150	25
8		141*	23/07/2017	10°38.30'	92°45.70'	276	30

*शार्क पर पी-सैट टैग

उपर्युक्त टैगिंग कार्यक्रम के लिए वैज्ञानिक भागीदारी, डॉ. निमित कुमार, परियोजना वैज्ञानिक इनकोइस और श्री वी मुरुगन, जे आर एफ (सत्तुणा) थे ।

12.2.2 पारिस्थितिक तंत्र आधारित समुद्री जीवित संसाधन प्रबंधन के लिए सुदूर संवेदन और जी आई एस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (भा. मा. स) ने अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सेक), अहमदाबाद के साथ पारिस्थितिक तंत्र आधारित "समुद्री जीवित संसाधन प्रबंधन के लिए सुदूर संवेदन और जी आई एस पर अंतर संस्थानीय परियोजना" कार्यान्वित किया है । सेक द्वारा वित्त पोषित चालू सहयोगी परियोजना नवंबर 2014 में शुरु हुई और मार्च 2018 में समाप्त हुई ।

उद्देश्य:

1. सुदूर संवेदन और जी आई एस का प्रयोग कर पी एफ जेड़ खोज/प्रबंधन और संरक्षण के लिए समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के निवास स्थान को निर्दिष्ट करना ।
2. महासागरीय परिवर्तनशीलता के संकेत का अध्ययन
3. पैटनों का अध्ययन करने के लिए समुद्र की घटनाओं में अस्थायी परिवर्तनशीलता, उनकी घटनाओं तीर्वता, दृढता, पुन: घटना और ऋतु के संदर्भ में विशेषताएं ।
4. सांख्यिकी विश्लेषण एवं वजन पर आधारित अनिवार्य मच्छली आवास सूची उत्पन्न करना ।
5. पी एफ जेड निर्दिष्ट करना और क्षेत्र/समय/गियर बंद के ज़रिए मछलियों के लिए स्थान, संरक्षण स्थान निर्दिष्ट करना ।
6. निर्दिष्ट क्षेत्र में पी एफ जेड पूर्वानुमान रोकने के लिए इनकोइस को एकीकृत पी एफ जेड और निर्दिष्ट स्पेशियल क्षेत्र के लिए प्रणाली विज्ञान का स्थानांतरण ।

अध्ययन क्षेत्र	:	अरब सागर
परियोजना की अवधि	:	2014-2018
प्रमुख अन्वेषक	:	डॉ. एल. रामलिंगम, महानिदेशक (प्रभारी) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
सहायक प्रमुख अन्वेषक		श्री एस. के. जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, मुरगांव बेस
		श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, चेन्नई बेस
		डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई (मुख्यालय)

परिणाम

इस अवधि में उपर्युक्त उद्देश्य एवं उत्तरदायित्व पूरा करने हेतु भा मा स वैज्ञानिक और सेक परियोजना के अंतर्गत कार्यरत व. अनुसंधान छात्रों ने भा मा स के मुंबई बेस से जुडे सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य निरीक्षणी* और भा मा स के मुरगांव से जुडे *एम एफ वी सागरिका* में भाग लिया । दोनों पोत अक्षांश 11°-23°उ. के बीच उत्तर पश्चिम तट के समीप मात्स्यिकी संसाधनों के सर्वेक्षण, निर्धारण और मॉनिटरिंग के लिए परिनियोजित किए गए । कुल मिलाकर, दोनों सर्वेक्षण पोत कुल 951 दिनों के लिए समुद्र में बाहर थे और 687 दिनों के लिए मत्स्यन परिचालन संचालित किया । पोतों ने 1850 हॉल परिचालित किए और कुल 2708 घंटे सी पी यू व्यतित किए । पोत पर संग्रहित तलमज्जी मात्स्यिकी पकड आँकडों को एस ए सी, अहमदाबाद के साथ पकड आँकडें के आगे मूल्याँकन हेतु नियमित रुप से साझा किया जाता है ।

12.2.3 तमिलनाडु तट और अपतट जल के लिए संभाव्य मत्स्यन क्षेत्र की पहचान, पूर्वानुमान एवं मॉनिटरिंग (समुद्रा टी डी पी आर एवं डी)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एस ए सी) अहम्मदाबाद के साथ "**तमिलनाडु तट और अपतट क्षेत्र के लिए संभाव्य मत्स्यन क्षेत्र की पहचान, पूर्वानुमान और मॉनिटरिंग**" पर अंतर संस्थानीय परियोजना ली है । सैक द्वारा वित्त पोषित चालू सहयोगी परियोजना अक्टूबर 2019 में शुरु हुई ।

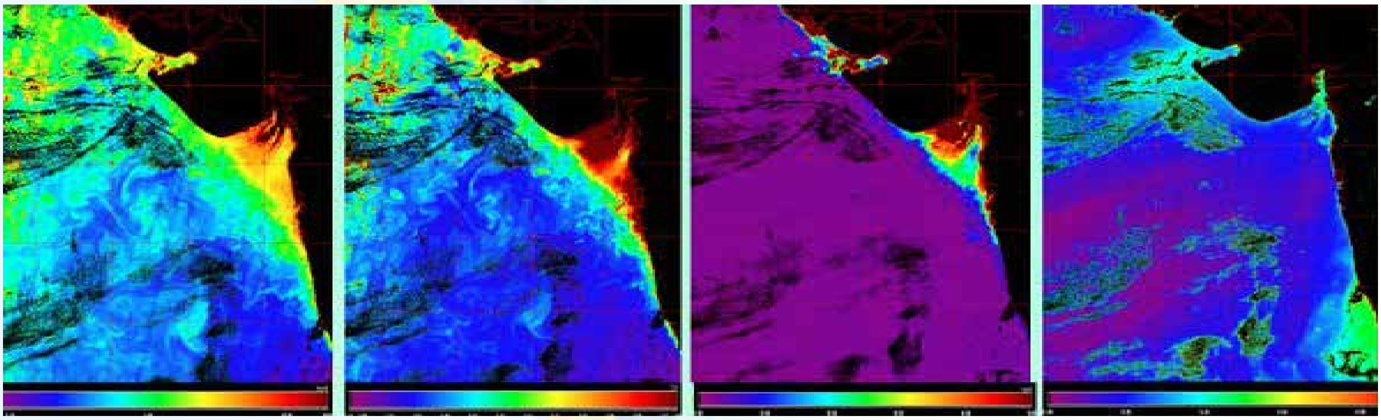

उद्देश्य:

1. मछली पकड के साथ मिलकर पानी की गुणवत्ता के मापदंडों को इक्ट्ठा करना और क्षेत्र के मत्स्य पालन को प्रभावित करने में इन मापदंडों की संभावित भूमिका का परीक्षण करना ।
2. नमूने और आँकडा संग्रहण की आवृत्ति भा मा स पोत के क्रूज ट्रेक के साथ हर महीने दो सप्ताह की अवधि के लिए होगी और तमिलनाडु तटीय/ अपतटीय जल (चेन्नई, पुदुच्चेरी, कुडल्लूर, परंगीपेट्टी, कारैक्कल, नागपटिट्नम तट आदि ट्रेक के समीप) में पूर्वानुमानित ट्रेक
3. पादप प्लवक और प्राणिप्लवक डाटासेट संग्रहित करना ।
4. पिगमेंट, पोषक तत्वों सहित पानी की गुणवत्ता के आँकडें एकत्र करना
5. पी एफ जेड पूर्वानुमान और वैधीकरण के संबंध में मत्स्यन पोत का उपयोग करके जियों टैग की गई मछली पकड डेटा संग्रहित करना ।
6. .इन सिटु पैरामीटर के साथ उपग्रह और मॉडल आऊट पुट का वैधीकरण
7. मछली ट्रेक एल्गोरिथम आधारित आऊटपुट को विकसित करने और मान्य करने में सहायता करना

अध्ययन क्षेत्र	:	तमिलनाडु के तटीय एवं अपतटीय जल
परियोजना की अवधि	:	2017 – 2019
प्रमुख अन्वेषक	:	डॉ. एल रामलिंगम, महानिदेशक (प्रभारी), भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण
सहायक प्रमुख अन्वेषक	:	डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक (मुख्यालय) श्री जे. सी. दास, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, चेन्नई बेस

परिणाम

अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र एस ए सी को भा मा स की मछली पकड डेटा सेट प्रदान किया गया ।

सितंबर 2017 के माह में, सेक अहम्मदाबाद ने तमिलनाडु तट के तटवर्ती जल और बंगाल की खाडी के अन्य हिस्सों के लिए जनवरी-जून 2017 की अवधि के लिए जियो टैगड फिश कैच डेटा के लिए अनुरोध किया था ताकि प्रारंभिक प्रयास के रुप में डेटा का विश्लेषण और व्याख्या की जा सके । तदुनसार भा मा स ने सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी दर्शिनी* और *एम एफ वी समुद्रिका* के संबंध में जनवरी-मार्च 2017 की अवधि के लिए फिश कैच डेटा प्रदान किया था । सैक के वैज्ञानिक मछली पकडने की स्थानों का पहचान के लिए उन्नत एल्गोरिथम विकास पर काम कर रहे है और यह डेटा एल्गोरिथम के सत्यापन और उत्तेजना के लिए बेहद महत्वपूर्ण है ।

सैक में अनुसंधान सहयोगी द्वारा किए गए कार्य

डॉ. किरण एस माली, अनुसंधान सहयोगी (आर ए) ने पोत *एम एफ वी समुद्रिका* और *मत्स्य दर्शिनी* के सर्वेक्षण पकड डेटा के साथ परियोजना कार्य किया है और उपग्रह आधारित क्लोरोफिल और एस एस टी डेटा के साथ इसे सहसंबध्द किया । सोफ्टवेयर सर्फर-15, का उपयोग कर सी पी यू ई, मत्स्यन गहराई और कुल पकड के 39 समोच्च मानचित्र (मैप) तैयार किए गए और भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के बेस मैंप पर लगाया गया है । डॉ. आर के सांरगी ने वर्ष 2016 केलिए मध्यम रेसल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रोरेडियोमीटर (मोडिस) क्लोरोफिल और एस एस टी डाटा प्रदान किया है .

श्री वी मुरुगन, क. अनुसंधान अध्येता ने पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* और *एम एफ वी समुद्रिका* में दिसंबर 2017 और फरवरी 2018 के प्रत्येक माह में 20 दिनों के लिए बंगाल की खाडी क्षेत्र में सी ट्रूथ तथा मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण आँकडें का संग्रहण के लिए भाग लिया ।

प्रजाति सूची

परियोजना कार्मिकों द्वारा भाग लिए गए क्रूस के दौरान प्रजाति सूची अध्ययन किया गया और पाया गया कि 62 पीढी की और 51 परिवार की 78 प्रजातियों की पहचान की गई और तमिलनाडु जल में पाई गई । श्रेणीवार ब्यौरा निम्नानुसार है:

इलास्मोब्रांक्स	फिन फिश	क्रस्टेशियन्स	सेफेलोपोड
परिवार : 3	परिवार : 41	परिवार : 6	परिवार : 2
पीढी: 3	पीढी: 50	पीढी: 7	पीढी 3
प्रजाति:4	प्रजाति :63	प्रजाति:8	प्रजाति:3

12.3 मात्स्यिकी सेक्टर के लिए आँकड़ा बेस एवं भौगोलिक सूचना तंत्र को सुदृढ करना (सी एस एस)

उद्देश्य:

- विविध स्थानो में सी एम एफ आर आई के सहयोग से आँक़ड़ा संग्रहण प्रणाली, आँकडा प्रसंस्कारण एवं मत्स्य वर्गीकरण में आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर समुद्री अवतरण आँकडा संग्रहण सुधारने हेतु समुद्री राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों के साथ पारस्पारिक क्रिया करना ।
- आँकड़ा गणनाकारों के हित के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में टेक्सोणमी पर हैड़बुक मुद्रित करना ।
- अंडमान एवं निकोबार और लक्षव्दीप में समुद्री मात्स्यिकी जनगणना संचालित करना ।

परिणाम

मात्स्यिकी सेक्टर के लिए आँकडा बेस एवं भौगौलिक सूचना तंत्र को सुदृढ करने पर केन्द्रीय सेक्टर स्कीम (सी एस एस) के अंतर्गत भारत सरकार के उद्देश्य के अनुसार, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय समुद्री मात्स्यिकी गणना के हिस्से के रुप में फरवरी-मार्च 2016 के दौरान दोनों व्दीप समूह के मात्स्यिकी विभाग के सहयोग से अंडमान एवं निकोबार और लक्षव्दीप व्दीप में समुद्री मात्स्यिकी जनगणना संचालित किया ।

जनगणना के हिस्से के रुप में, गणनाकारों ने मच्छुआरा परिवार के सामाजिक, शैक्षणिक और लिंगवार व्यावसायिक स्थिति, फिशिंग क्राफ्ट और फिशिंग गियर स्वामित्व पर सूचना एकत्रित की । पर्यवेक्षकों व्दारा मत्स्यन गाँव में उपलब्ध आधारभूत संरचनात्मक सुविधाओं और मत्स्यन उद्योग के लिए अन्य सुविधाओं, लैडिंग केन्द्रो के ब्यौरे पर सूचना एकत्रित की गई ।

जनगणना डेटा की जाँच भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई (मुख्यालय) में की गई और राष्ट्रीय समुद्री मात्स्यिकी जनगणना रिपोर्ट 2016 की तैयारी और छपाई करने हेतु डेटा प्राविष्टि, प्रसंस्करण और विश्लेषण के लिए केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई) कोच्चि को भेजा गया ।

13. प्रशासन एवं वित्त

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान श्री महेश कुमार फरेज़िया, निदेशक (अभियांत्रिकी) महानिदेशक के अतिरिक्त प्रभार 04.03.2018 तक जारी रखा और उसके बाद डॉ. एल. रामलिंगम, उप महानिदेशक (मा) ने महानिदेशक (प्रभारी) का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया ।

13.1 संस्वीकृत पद

श्रेणी वार संस्वीकृत पदों की संख्या निम्नानुसार है :

ग्रूप	श्रेणी	पदों की संख्या		
		मुख्यालय	बेस	कुल
ए	वैज्ञानिक तकनीकी प्रशासनिक	6 4 1	27 14 0	33 18 1
बी	वैज्ञानिक तकनीकी प्रशासनिक पोत कर्मचारी	5 6 13 0	29 35 37 94	34 41 50 94
सी	वैज्ञानिक तकनीकी प्रशासनिक पोत कर्मचारी	0 4 33 0	1 151 105 184	1 155 138 184
	कुल	**72**	**677**	**749**

13.2. विविध स्थानों में अधिकारी

31 मार्च, 2018 तारीख तक इस संस्थान के अधिकारियों के नाम एवं पदनाम नीचे दिये गए है:

मुख्यालय, मुंबई

डॉ. एल. रामलिंगम — उप महानिदेशक (मा.)
श्री एम. के. फरेज़िया — निदेशक (अभियांत्रिकी)
श्री एन. वी. रमणामूर्ति — तंत्र विश्लेषक
डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला — व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री पी. चलपति राव — सांख्यिकीविद्
डॉ. अंशुमन दास — मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्रीमती एम. के. श्रीमती — व. प्रशासनिक अधिकारी
श्री एस. जी. पटवारी — क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री चित्तजल्लु भास्कर — प्रोग्रामर
श्री बापू एम राऊत — प्रोग्रामर
श्री आशीष कुमार — प्रोग्रामर

मुंबई बेस

श्री बी. बालानायक — सेवा अभियंता (यांत्रिक)
डॉ. एस. के. व्दिवेदी — मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री ए. एस. कदम — मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री जेकब थॉमस — क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

मुरगांव बेस

श्री एस के जयस्वाल — यांत्रिक समुद्री अभियंता
श्री एच. डी. प्रदीप — मात्स्यिकी वैज्ञानिक

कोच्चिन बेस

श्री डी. के. गुलाटी — क्षेत्रीय निदेशक
श्री पी. तमिलरसन — मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री बी. सतीश कुमार — सहायक अभियंता (कर्मशाला)
श्री एन. उन्निकृष्णन — क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री मनोज कुमार ओ टी — सेवा अभियंता (यांत्रिक)

चेन्नई बेस

श्री ए. टिबूरशियस — व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री डी भामी रेड्डी — यांत्रिक समुद्री अभियंता
डॉ. जे. जयचन्द्र दास — क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
डॉ. ए. जॉन चेम्बियन — क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

विशाखापट्टणम बेस

श्री के. गोविन्दराज — व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री सी. धंनजय राव — यांत्रिक समुद्री अभियंता
डॉ. अन्नडा भूषण कर — मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री एन. जगन्नाथ — क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री जी वी ए प्रसाद — क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक

पोर्ट ब्लेयर

डॉ. सिजो पी. वर्गीस — व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक
श्री धर्मवीर सिंह — यांत्रिक समुद्री अभियंता

13.3 बजट और लेखा

वर्ष 2017-18 के दौरान इस संस्थान के बजट अनुदान और व्यय का ब्यौरा नीचे दिया गया है ।

(₹ लाख में)

विवरण	बजट अनुदान	वास्तविक खर्च
योजना		
पूंजी	239.00	223.20
उप-योग	**239.00**	**223.20**
गैर-योजना		
राजस्व	5066.76	4866.97
पूंजी	-	-
कॅन्टीन विभाग	15.00	17.68
उप - योग	5081.76	4884.65
कुल योग	5320.76	5107.85

13.4 नियुक्तियाँ

वर्ष के दौरान नियुक्तियों का ब्यौरा ।

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	दिनांक
श्री शखावत हुसैन	आशुलिपिक ग्रेड- ।।	मुंबई (मुख्यालय)	03.07.2017
श्री हेमंत	आशुलिपिक ग्रेड- ।।	मुंबई	22.08.2017
श्री योगिंदर	आशुलिपिक ग्रेड- ।।	चेन्नई	24.08.2017

13.5 स्थानांतरण

वर्ष के दौरान प्रभावित स्थानांतरण

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय		दिनांक
		से	में	
श्री धर्मवीर सिंह	यांत्रिक समुद्री अभियंता	कोच्चिन	पोर्ट ब्लेयर	07.04.2017
श्री संतोष बाबू पी. पी	प्रवर श्रेणी लिपिक	मुंबई (मुख्यालय)	कोच्चिन	13.04.2017
श्री टी. आर. जयप्रकाश	प्रवर श्रेणी लिपिक	कोच्चिन	मुंबई (मुख्यालय)	02.05.2017
श्री आर. मुनुस्वामी	मुख्य अभियंता ग्रेड-।।	पोर्ट ब्लेयर	चेन्नई	07.06.2017
श्री ए. लॉरेन्स	मुख्य अभियंता ग्रेड-।।	चेन्नई	पोर्ट ब्लेयर	05.07.2017
श्री मुथुकुमार	समुद्री इलेक्ट्रीशियन	पोर्ट ब्लेयर	विशाखापट्टणम	11.09.2017
श्री आर येर्रा नायडू	समुद्री इलेक्ट्रीशियन	विशाखापट्टणम	पोर्ट ब्लेयर	14.09.2018
डॉ. एल रामलिंगम	क्षेत्रीय निदेशक से उ.म. नि (मा.)	मुंबई बेस	मुंबई (मुख्यालय)	05.02.2018
श्री कार्तिक रामानुजम	यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ)	मुरगांव	चेन्नई	06.02.2018
श्री जी. इलांगोवन	यांत्रिक पर्यवेक्षक (वरिष्ठ)	चेन्नई	मुरगांव	14.02.2018
श्री एस. जी. पटवारी	व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मुरगांव	मुंबई (मुख्यालय)	26.02.2018
श्री चेल्लैया मुरुगन	मुख्य अभियंता ग्रेड-।।	पोर्ट ब्लेयर	चेन्नई	28.02.2018

13.6 पदोन्नतियाँ

वर्ष के दौरान प्रभावित पदोन्नतियाँ

नाम	पदनाम		बेस/मुख्यालय	दिनांक
	से	में		
डॉ एल . रामलिंगम	क्षेत्रीय निदेशक	उप महानिदेशक (मात्स्यिकी)	मुंबई (मुख्यालय)	05.02.2018

13.7 संशोधित आश्वासन कैरियर उन्नयन (एम ए सी पी) देने के संबंध में ।

वर्ष के दौरान कुल 1 अधिकारी, 19 प्रशासनिक एवं तकनीकी कर्मचारियों और 8 फ्लोटिंग कर्मचारियों को एम ए सी पी प्रदान किया गया ।

13.8 सेवानिवृत्तियाँ

वर्ष के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति का ब्यौरा ।

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	अधिवर्षिता/स्वैच्छिक	दिनांक
श्री नेमाइ चन्द्रा डे	नेटमेंडर	पोर्ट ब्लेयर	अधिवर्षिता	30.04.2017
श्री के. ए. चौदंकर	नेटमेंडर	मुरगांव	अधिवर्षिता	31.05.2017
श्री जे. ई. प्रभाकार राज	व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	चेन्नई	अधिवर्षिता	31.05.2017
श्री टी. के. पीतांबरन	इलेक्ट्रोनिक पर्यवेक्षक	कोच्चिन	अधिवर्षिता	31.05.2017
श्री वी. वल्लैय्या	नेटमेंडर	पोर्ट ब्लेयर	अधिवर्षिता	30.06.2017
श्री के. एस. बालाकृष्णन	सेवा सहायक	कोच्चिन	अधिवर्षिता	30.06.2017
श्री के. जे. बोबन जोसी	बहु कार्मिक कर्मचारी	मुरगांव	अधिवर्षिता	31.08.2017
श्री जे. सी. मोंडल	व. डेकहेण्ड-सह -रसोइया	मुंबई	अधिवर्षिता	30.09.2017
श्री जी. शंकर राव	फिटर	विशाखापट्टणम	अधिवर्षिता	31.10.21017
श्री टी. माधवराज	व. डेकहेण्ड-सह -रसोइया	चेन्नई	स्वैच्छिक	05.10.2017
श्रीमती ममता रानी हलदार	बहु कार्मिक कर्मचारी	पोर्ट ब्लेयर	अधिवर्षिता	30.11.2017
श्री एस मोनी	कार्यालय अधीक्षक	चेन्नई	अधिवर्षिता	31.03.2018

13.9 प्रतिनियुक्ति

डॉ. एम. के. सिन्हा, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक को एन एफ डी बी, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर व. कार्यपालक के पद में उनके चयन पर 09.10.2017 को भा मा स से कार्यमुक्त किया ।

13.10 त्यागपत्र

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	त्यागपत्र	दिनांक
श्री तेजराज सिंह	बहु कार्मिक कर्मचारी	मुंबई (मुख्यालय)	तकनीकी त्यागपत्र	31.05.2017
श्री उपेन्द्र कुमार	क. नाविक	विशाखापट्टणम	त्यागपत्र	09.10.2017

13.11 निधन

नाम	पदनाम	बेस/मुख्यालय	दिनांक
श्री आर सुरेश	नेट मेंडर	पोर्ट ब्लेयर बेस	05.04.2017

14. बेस कार्यालयों एवं मुख्यालय के महत्वपूर्ण घटनाएं

14.1 बैठकें

अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक

परिचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक 27 सितंबर 2017 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के कोच्चिन क्षेत्रीय बेस के सम्मलेन हॉल, कोच्चि में संपन्न हुई । बैठक की अध्यक्षता श्री एम. के. फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) द्वारा किया गया । उन्होंने सर्वेक्षण के दौरान डेटा संग्रह के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और इस बात पर जोर दिया कि बिना पोत के परिचालन कोई सर्वेक्षण डेटा नहीं होगा और संस्थान विज्ञान के साथ कोई न्याय नही कर पाएंगे । उन्होंने वैज्ञानिकों और अभियंताओं से एक साथ काम करने और वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग गतिविधियों में अधिक प्रयास करने और अपने संबंधित क्षेत्रों में वैज्ञानिक प्रकाशनों को प्रकाशित करने के लिए अनुरोध किया ।

परामर्शक समिति की बैठक

मुंबई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुंबई बेस मुंबई, की परामर्शक समूह की 15 वीं बैठक 23.02.2018 को श्री गोविंद बोडके, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, महाराष्ट्र सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई । मुंबई बेस के 2018 -19 के प्रस्तावित सर्वेक्षण कार्यक्रम का अनुमोदन परामर्शक समूह के अध्यक्ष द्वारा किया गया ।

मुरगांव बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुरगावं बेस की परामर्शक समूह की बैठक 11 मई 2017 को डॉ. शमिला मोन्टीरियो, मात्स्यिकी निदेशक, गोवा की अध्यक्षता में संपन्न हुई । गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक के मात्स्यिकी निदेशालय से अधिकारियों, सी एम एफ आर आई, क्षेत्रीय केंद्र-कारवार, सी एस आई आर- एन आय ओ, गोवा से वैज्ञानिकों और एम पी टी, जी एस एल एवं एम एम डी, गोवा से अधिकारियों और भा मा स के मुरगांव बेस के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुरगांव क्षेत्रीय बेस की परामर्शक समूह की 15वीं बैठक 02 फरवरी 2018 को श्री एच एस वीरप्पा गौडा, मात्स्यिकी निदेशक, कर्नाटक सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई । विभिन्न संगठनों से कुल 19 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया ।

विशाखापट्टणम बेस

विशाखापट्टणम बेस की परामर्शक समूह की बैठक 9 फरवरी 2018 को केंद्रीय मात्स्यिकी नाविकी अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान (सिफनेट), विशाखापट्टणम में श्री रमा शंकर नाईक, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, आंध्र प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।

मछली पकड के निपटान हेतु एम आर पी निर्धारित करने हेतु बैठक

मुंबई बेस

भा मा स के मुंबई बेस द्वारा गठित समिति कि एक बैठक बेस से जुडे पोतों द्वारा उतारी गई पकड के लिए न्यूनतम आरक्षित मूल्य पर चर्चा करने के लिए 1 फरवरी 2018 को डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रिय निदेशक की अध्यक्षता में संपन्न हुई । श्री राजकुमार नाईक, उप निदेशक, एम्पीडा, मुंबई ने वैज्ञानिक कर्मचारियों के अतिरिक्त बैठक में भाग लिया ।

भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए बैठक

भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ई ई जेड) के संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए समिति की प्रथम बैठक 04 नवंबर .2017 को भा मा स, मुख्यालय में श्री एम. के. फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में संपन्न हुई । विविध संगठन अर्थात् पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग (डी ए डी एफ), केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई, समुद्री जीवित संसाधन और परिस्थितिकी केंद्र (सी एम एल आर ई), राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (एन आई ओ), राष्ट्रीय महासागरीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई ओ टी), भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण (जेड एस आई) और भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (भा मा स) के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया । बैठक में पुनर्वैधीकरण रिपोर्ट के विश्लेषण एवं प्रारुपण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई । डाटा का स्रोत, विचारणीय डेटा की कालावधि, संग्रहित डेटा के विश्लेषण,गहराईवार/क्षेत्रवार/राज्यवार, तटवार पर आधारित संसाधनों के अनुमान किए जाने वाले मानक प्रणालियों के मामलों पर भी चर्चा की गई ।

14.2 विभिन्न कार्यक्रमों में महानिदेशक एवं वैज्ञानिकों की भागीदारी

महानिदेशक (प्रभारी) ने निम्नलिखित घटनाओं में भाग लिया:

क्रम सं.	घटनाएं	स्थान/दिनांक
1	पृथ्वी दिवस के भाग के रुप में *"महासागरीय पर्यावरण में प्रदूषण का प्रयास का अध्ययन करने तथा प्रदूषण के प्रभाव को कम करने हेतु रणनीतियों"* का सुझाव देने हेतु विशेषज्ञ समूह द्वारा "महासागरीय पर्यावरण पर मानव गतिविधियों का प्रभाव" और संभाव्य समाधान पर आयोजित बैठक	यू एस दूतावास, मुंबई 21 अप्रैल 2017
2	ओ टी सी संकल्प के कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग एवं समीक्षा के लिए *"गठित कार्य दल"* की 10 वीं बैंठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 2 मई 2017
3	*एम एफ वी मत्स्य सुगंधी* और *एम एफ वी येल्लो फिन* के प्रशासनिक मामलों और प्रस्ताव पर चर्चा करने हेतु भाग लिया ।	कृषि भवन, नई दिल्ली 5 जून 2017
4	*"नील क्रांति के अंतर्गत मात्स्यिकी सेक्टर के लिए आंकडा बेस का सुदृढीकरण और भौगोलिक सूचना तंत्र के घटकों की निगरानी" (टी एम सी) मात्स्यिकी के एकीकृत विकास एवं प्रबंधन तकनीकी मॉनिटरिंग* समिति की 13 वीं बैठक	उज्जैन, मध्य प्रदेश, 19 जून 2019
5	गोवा तट से दूर मत्स्यन पोतों में एल ई डी रोशनी के उपयोग के बारे में चर्चा करने हेतु राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, मुंबई में संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा बुलाए गए वीडियो सम्मेलन	मुंबई 21 जून 2017
6	*"तट के किनारे हाइपोक्सिया सिग्नेल से उत्पन्न अपवेल्लिंग और तटीय मात्स्यिकी के संबंध में जैव रासायनिक प्रक्रिया पर इसका प्रभाव एक समय श्रृंखला दृष्टिकोण"* पर सहयोगी परियोजना के लिए प्रस्ताव पर विचार करने हेतु बैठक	एन आई ओ, आर सी- मुंबई 27 जून 2017
7	एन एफ डी बी की कार्यपालक समिति की 31 वीं बैठक	एन एफ डी बी, हैदराबाद, 29 जुलाई 2017

क्रम सं.	घटनाएं	स्थान/दिनांक
8	भा मा. स. के 2017-18 के परिचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधयों की अर्ध वार्षिक समीक्षा बैठक भा मा स के कोच्चिन बेस में	कोच्चि 27 सितंबर 2017
9	*"परम्परागत मछुआरों के लिए जलयान पर टूना को सम्भालने और गहरे समुद्री मत्स्यन में क्षमता निर्माण व मछुआरों का विशेष प्रशिक्षण"* पर बैठक	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली दिनांक 11 अक्तूबर .2017
10	भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, (मुख्यालय), मुंबई के सम्मेलन कक्ष में भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों की पुर्नवैधीकरण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति की प्रथम बैठक	मुंबई 4 नवंबर 2017
11	*"स्वच्छता अभियान रोड मैप"* पर बैठक	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली 13-14 नवंबर 2017
12	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित *"विश्व मात्स्यिकी दिवस"* आयोजन ।	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली 21 नवंबर 2017
13	*"प्रभावी तटीय क्षेत्र प्रबन्धन हेतु रणनीति"* पर परामर्शक बैठक	सी एस आई आर –एन आई ओ, क्षेत्रीय केन्द्र – मुंबई, 22 दिसंबर 2017
14	मात्स्यिकी सब्सिडी पर टास्क फोर्स की चौथी बैठक	कृषि भवन, नई दिल्ली 28 फरवरी 2018
15	भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधन के पुनवैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की दूसरी बैठक ।	सी एम एफ आर आई, कोच्चि 09 मार्च .2018
16	कृषि उन्नति मेला -2018, मेला मैदान, आई ए आर आई.	पूसा, नई दिल्ली, 16-18 मार्च 2018

भा मा स और अन्य संगठनों द्वारा संचालित विविध कार्यक्रम में वैज्ञानिकों/अन्य अधिकारियों की भागीदारी:

क्रम सं.	नाम/पदनाम	घटनांए	स्थान/दिनांक
1	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	श्री आदित्य कुमार जोशी, संयुक्त सचिव (मा.) पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ *'आबंटन सिध्दांत'* पर आई ओ टी सी तटवर्ती राज्यों की बैठक में भाग लिया	मालदीव 14-15 अप्रैल 2017
2	श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जे. ई. प्रभाकार राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री सी बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक	आई सी ए आर- केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई) द्वारा आयोजित पणधारियों की बैठक	कासीमेडु, चेन्नई 17 अप्रैल 2017
3	डॉ विनोद कुमार मुडुमाला,व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	पृथ्वी दिवस के रुप में *"महासागरीय पर्यावरण पर मानव गतिविधियों का प्रभाव और संभावित समाधान"* पर, समुद्री वातावरण में प्रदूषण के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए तथा प्रदूषण के प्रभाव कम करने हेतु रणनीतियों का सुझाव देने हेतु विशेषज्ञ समूह द्वारा आयोजित बैठक	यू एस दूतावास, मुंबई 21 अप्रैल 2017
4	श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक श्री उदयकुमार, आशुलिपिक ग्रेड- ।	केन्द्र सरकरी कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति की बैठक .	आयकर भवन, कार्यालय विशाखापट्टणम 24 अप्रैल 2017

क्रम सं.	नाम/पदनाम	घटनांए	स्थान/दिनांक
5	श्री के. गोविंदराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एस. के. पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री के. सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक	केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रशिक्षण संस्थान (सी आई एफ टी), में सवर्ण जयंती समारोह में भाग लिया ।	विशाखापट्टणम 29 अप्रैल 2017
6	डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	समुद्रा परियोजना की बैठक में भाग लिया ।	एस ए सी, अहम्मदाबाद 2 मई 2017
7	श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सिफनेट में नेट मेकर के पद हेतु साक्षत्कार बोर्ड सदस्य के रुप में सेवा की ।	विशाखापट्टणम 4-5 मई 2017
8	डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक,	*एम एफ वी मत्स्य शिकारी* की शुष्क गोदीकरण मरम्मतों की प्रगति का निरीक्षण हेतु.	एच एस एल विशाखापट्टणम, 11-15 मई 2017
9	सुश्री राजश्री बी सनदी, व. वैज्ञानिक सहायक श्री राहूलकुमार बी टेलर, व. वैज्ञानिक सहायक डॉ. किरण एस माली, व. अनुसंधान अध्येता	भा मा स द्वारा 16-31 मई 2017 के दौरान आयोजित “स्वच्छाता पखवाडा” के संबंध में ससून डॉक फिशिंग हारबर, मुंबई में मछली को स्वच्छता से संभालने और इस से संबंधित विषय पर क्षेत्रीय भाषा में व्याख्यान दिया ।	मुंबई, 23 मई 2017
10	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मुख्य सचिव और सचिव (मा.) अंडमान एवं निकोबार प्रशासन की अध्यक्षता में अंडमान एवं निकोबार जल में मछली पकडने के लिए मुख्य भूमि पर आधारित टूना मछली पकडने के उद्योग को नामंकित करने के तौर तरीकों के बारे में चर्चा करने हेतु सचिवालय, पोर्ट ब्लेयर में हुई बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर 3 जून 2017
11	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*“अंडमान एवं निकोबार व्दीप में टूना हब स्थापित करने”* पर बैठक में भाग लिया ।	राज निवास, पोर्ट ब्लेयर 5 जून 2017
12	श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री सी. बाबु, व. वैज्ञानिक सहायक,	राष्ट्रीय महासागर प्रौद्यागिकी संस्थान द्वारा *“गहन समुद्र से संबंधित समुद्री जैव विविधता और समुद्री जीनेमिक्स के क्षेत्र में देश की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और भविष्य”* पर विशेषज्ञ/ पणधारी बैठक में भाग लिया ।	एन आई ओ टी, चेन्नई 12 जून 2017
13	श्री अशोक एस. कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*“कृषि विस्तार में मास मीडिया समर्थन स्कीम”* के अंतर्गत मुंबई दूरदर्शन के कृषि दर्शन कार्यक्रम की कृषि सलाहकारी समिति की तिमाही बैठक	अहमदनगर, महाराष्ट्र शिवाजी नगर, पुणे 13 जून 2017 और 13 मार्च 2018
14	डॉ. एच. डी., प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	एन आई सी में 12 समुद्री मील के बाहर मत्स्यन पोतों में एल ई डी लाइट के उपयोग पर चर्चा करने हेतु वीडियों सम्मेलन में भाग लिया ।	गोवा, 21 जून 2017
15	श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस से जुडे दोनों पोतों की मछली पकड के निपटान के लिए न्यूनतम आरक्षित मूल्य (एम आर पी) को अंतिम रुप देने के लिए समिति के एक सदस्य के रुप में सेवा की ।	चेन्नई 23 जून 2017
16	श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	श्री सुदर्शन भगत, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण के माननीय राज्य मंत्री के दौरे पर आयोजित बैठक में भाग लिया ।	सरकीट हाउस, विशाखापट्टणम 25 जून 2017

क्रम सं.	नाम/पदनाम	घटनांए	स्थान/दिनांक
17	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	अंडमान एवं निकोबार व्दीप में *टूना मात्स्यिकी के विकास हेतु पणधारियों की बैठक* के प्रस्ताव पर चर्चा करने बैठक में भाग लिया ।	सी आई ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर 29 जून 2017
18	डॉ ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	टी डी एस रेंज, विशाखापट्टणम द्वारा आयोजित *टी डी एस संगोष्ठी जागरुकता कार्यक्रम* में भाग लिया ।	आई सी ए आई विशाखापट्टणम 30 जून 2017
19	डॉ. एस रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*"मछली भण्डर और मूल्यांकन"* पर बैठक में भाग लिया।	एमपीडा, कोच्चि 6 जुलाई 2017
20	डॉ. एस रामचन्द्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*"अंडमान एवं निकोबार व्दीप समूह में टूना मात्स्यिकी के विकास"* पर स्टेक होल्डर मीट में भाग लिया।	सी आई एफ टी, कोच्चि, 9 जुलाई 2017
21	श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता	सिफनेट में *वार्षिक दिवस समारोह* में भाग लिया।	कोच्चि, 14 जुलाई 2017
22	श्री एन उन्नीकृष्णनन, क. मा. वैज्ञानिक और ए ई अयूब, कनिष्ठ मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद्	मात्स्यिकी विभाग द्वारा आयोजित *"मत्स्योलसवम 2017"* के संबंध में संपन्न प्रदर्शनों में भाग लिया	मैरीन ड्राइव, एर्नाकुलम 25-27 जुलाई 2017
23	श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता	इंजिन प्रशिक्षणार्थियों हेतु पाठ्यक्रम में बदलाव के संदर्भ में सिफनेट में आयोजित बैठक में भाग लिया ।	सिफनेट, कोच्चि 3 अगस्त 2017
24	डॉ. एस. के. व्दिवेदी, मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री अशोक कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. देवानंद उईके, व. वैज्ञानिक सहायक श्री अमोद ताम्हाने, व. वैज्ञानिक सहायक सुश्री रोशन मारिया पीटर, व. वैज्ञानिक सहायक	भा मा स (मुख्यालय), मुंबई के सम्मेलन हॉल में आयोजित *"श्रिम्प निर्यात"* पर वैज्ञानिक बैठक में भाग लिया ।	मुंबई 4 अगस्त 2017
25	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सचिवालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, संभाव्य मत्स्यन क्षेत्र (पी एफ जेड) पर सूचना के प्रसारण के बारे में चर्चा करने हेतु बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर 7 अगस्त 2017
26	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	अंडमान एवं निकोबार जल में मुख्यभूमी आधारित टूना मत्स्यन उद्योग को आमंत्रण हेतु प्रतिमानों पर चर्चा हेतु अंडमान एवं निकोबार प्रशासन सचिवालय, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर 16 अगस्त 2017
27	श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	आन्ध्र प्रदेश मानव संसाधन विकास संस्थान (ए पी एच आर डी आई) आन्ध्र प्रदेश द्वारा आयोजित *कृषि एवं संबंध क्षेत्र में आई ओ टी* पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण-कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रुप में भाग लिया ।	गुन्टुर, आन्ध्र प्रदेश 21-23 अगस्त 2017
28	श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता	सचिव, (मा.) अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के चैंबर में समूह 'सी' कर्मचारियों के पुष्टीकरण के लिए डी पी सी बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर 28 अगस्त 2017
29	श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता	केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति की जनरल बोडी बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर 29 अगस्त 2017
30	डॉ. ए. जॉन चेम्बियन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*तमिलनाडु में गहन समुद्री मत्स्यन-चुनौतियों और अवसर* पर एक दिवसीय अतंर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया । मात्स्यिकी कॉलेज एवं अनुसंधानन संस्थान,तूथुकुडी द्वारा आयोजित	स्नानकोन्तर अध्ययन संस्थान वाणियंचवाडी, चेन्नई 8 सितंबर 2017

क्रम सं.	नाम/पदनाम	घटनांए	स्थान/दिनांक
31	डॉ. देवानंद उईके, व. वैज्ञानिक सहायक	दूरदर्शन केंद्र मुंबई में *"कृषि विस्तार हेतु सामूहिक मीडिया समर्थन"* पर दूरदर्शन की मुंबई कृषि दर्शन कार्यक्रम के अतंर्गत त्रेमासिक कृषि सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।	वरली, मुंबई, 15 सितंबर 2017
32	डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सचिवालय, गोवा में माननीय मात्स्यिकी मंत्री, गोवा सरकार की अध्यक्षता में *"एल इ डी प्रकाश मत्स्यन"* पर बैठक/ कार्यशाला में भाग लिया ।	सचिवालय, गोवा 4 अक्तूबर 2017
33	श्री एन उन्नीकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*'मत्स्यन बोटों'* पर आर टी सेट और इन्सुलेटेड मछली भण्डार का स्थापन हेतु वित्तीय सहायता की सिफारीश के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया ।	एम्पीडा, कोच्चि 23 अक्तूबर 2017
34	डॉ. देवानंद उईके, व. वैज्ञानिक सहायक	*"मछुआरों की जी पी एस नौचालन उपकरणों के अनुप्रयोग"* पर फोन में वार्तालाप, आकाशवाणी मुंबई से जिसका 11 नवंबर 2017 को प्रसारित किया गया ।	मुंबई 28 सितंबर 2017
35	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सचिवालय, अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन के मिनी समाचार में सचिव की अध्यक्षता में *अण्डमान एवं निकोबार व्दीप समूह के प्रादेशिक जल में तलमज्जी ट्रॉलिंग गियर के उपयोग* पर रोक विषय पर चर्चा करने हेतु बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर 3 नवंबर 3017
36	श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता	मुख्य अभियंता और इंजिन ड्राइवरों के परीक्षा पाठ्यक्रम को अंतिम रुप और चर्चा करने हेतु	सिफनेट, विशाखापट्टणम 6 नवंबर 2017
37	डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सूम परियोजना पर बैठक में भाग लिया ।	एन आई ओ गोवा 14 नवंबर 2017
38	डॉ ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री के सिलम्बरसन, व. वैज्ञानिक सहायक	*"उत्तम ट्रॉलिगं प्रथाओं हेतु सामूहिक चर्चा के माध्यम से आकड़ा संग्रहण हेतु राष्ट्रीय स्तर"* पर प्रदर्शन कार्यशाला में भाग लिया ।	सी एम एफ आर आई-आर सी विशाखापट्टणम 14 नवंबर 2017
39	डॉ सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सरकारी विभाग, एन सी यू आई परियोजना नाबार्ड के साथ संयुक्त रुप से आयोजित हानिकारक और आर्थिक रुप से कमज़ोर वर्ग के लिए सरकारी समितियों का एक कार्यक्रम में भाग लिया	पोर्ट ब्लेयर 18 नवंबर 2017
40	डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री जी. वी. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री ए. सिवा व. वैज्ञानिक सहायक श्री के सिलाम्बरासन, व. वैज्ञानिक सहायक	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित *"विश्व मात्स्यिकी दिवस"* समारोह कार्यक्रम ।	कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली 21 नवंबर 2017
41	डॉ. एस रामचंद्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*"बंगाल की खाडी में अत्यंत प्रवासी मछली प्रजातियों के प्रबंधन पर क्षेत्रीय वार्तालाप"* पर बैठक में भाग लिया ।	कोच्चि, 23 नवंबर 2017
42	श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*"नील क्रांती: गहन समुद्री मत्स्यन के लिए सहायता- बंगाल की खाडी की मात्स्यिकी संभाव्यता"* पर समीक्षा बैठक में भाग लिया ।	सचिवालय, वेलगापुडी, आंध्र प्रदेश, 28 नवंबर 2017
43	श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री एस के पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक	*"गहन समुद्री मत्स्यन नीति"* पर हुई बैठक में भाग लिया ।	सी एम एफ आर आई-आर सी, 2 दिसंबर 2017

क्रम सं.	नाम/पदनाम	घटनांए	स्थान/दिनांक
44	श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता,	पोत नेविगेटर और समुद्री फिटर क्राफ्टसमेन प्रशिक्षण स्कीम (सी टी एस) के व्यापार हेतु पाठ्यक्रम कैरिकुलम को अंतिम रुप देने के लिए व्यापार समिति की बैठक में भाग लिया ।	आई टी आई, डोलिगंज, अंडमान एवं निकोबार व्दीप 6 दिसंबर 2017
45	श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मात्स्यिकी आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा *“बंगाल की खाडी के गहन समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के शोषण”* पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी (डी पी आर) पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।	सिफनेट, विशाखापट्टणम 14-15 दिसंबर 2017
46	श्री पी तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*“भारत के चयनित गिल जाल और ट्रेम्मल जाल मात्स्यिकी से खाद्य की हानि का निर्धारण”* पर आयोजित राष्ट्रीय पणधारियों की कार्यशाला में भाग लिया ।	सी आई एफ टी, कोच्चि 15 दिसंबर 2017
47	डॉ. ए. बी. कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री एस के पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक	भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण के साथ प्रस्तावित *“सहयोगी अनुसंधानन परियोजना”* पर चर्चा करने हेतु भाग लिया ।	भारतीय प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकोत्ता 19-22 दिसंबर 2017
48	डॉ सिजो पी वर्गीस, व . मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मात्स्यिकी विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर में ए एफ डी ओ पद के चयन के लिए साक्षात्कार बोर्ड के एक पैनल सदस्य के रुप में सेवा की ।	पोर्ट ब्लेयर 20 दिसंबर 2017
49	श्री एन उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री बी. सतीश कुमार, सहायक अभियंता (एम ई डी))	ओखी चक्रवात पर सरकार को वैज्ञानिक सलाह तैयार करने के लिए वैज्ञानिक संस्थानों की बैठक में भाग लिया ।	सी एम एफ आर आई, कोच्चि 9 जनवरी 2018
50	डॉ सिजो पी वर्गीस, व . मात्स्यिकी वैज्ञानिक	सचिवालय, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन में *“अंडमान एव निकोबार व्दीप में टूना मात्स्यिकी के विकास के लिए मात्स्यिकी नीति के प्रारुप”* के कार्यान्वयन के लिए अगली कार्रवाई का निर्णय लेने हेतु और प्रांरभिक चर्चा करने हेतु बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर 15 जनवरी 2018
51	डॉ. अंशुमन दास, मात्स्यिकी वैज्ञानिक,	*“तारापोरवाला अक्वेरियम”* की तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया ।	तारापोरवाला अक्वेरियम, मुंबई , 16 जनवरी 2018
52	श्री ए. टिबूरशियस, व. मा. वैज्ञानिक श्री डी. भामी रेड्डी, यांत्रिक समुद्री अभियंता	बंगाल की खाडी द्वारा आयोजित *“मत्स्यन पोतों के परिचालन के लिए मर्चेंट जहाज़ों के साथ टकराव को रोकने और मछुआरों और मत्स्यन पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त तंत्र/दिशानिर्देश/विनियामक ढाँचा पर विचार करने के लिए बैठक एवं कार्यशाला”* पर बैठक में भाग लिया ।	चेन्नई 23-24 जनवरी 2018
53	श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	समुद्री जैविक संघ का विशाखापट्टणम चेप्टर द्वारा *“शोषित टूना संसाधन की वर्तमान स्थिति और इसका वितरण”* पर व्याख्यान में भाग लिया ।	सी एम एफ आर आई , आर सी, विशाखापट्टणम, 25 जनवरी 2018
54	डॉ सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*अंडमान एवं निकोबार व्दीप में मात्स्यिकी सेक्टर के जरिए रोज़गार उत्पन्न करने के लिए प्रस्ताव पर विचार करने* हेतु सचिवालय के मिनि सम्मेलन कक्ष, अंडमान निकोबार प्रशासन में संपन्न बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर, 30 जनवरी 2018

क्रम सं.	नाम/पदनाम	घटनांए	स्थान/दिनांक
55	श्री डी. के. गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक श्री एन उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	भारत की कृषि कौशल परिषद, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित *"दूसरी मत्स्यन कौशल सलाहकारी"* बैठक में भाग लिया।	सिफनेट, कोच्चि, 7 फरवरी 2018
56	श्री धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता	"मछुआरों के लिए समुद्र में सुरक्षा पर जागरुकता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।	भीमिली मंडल, विशाखापट्टणम 15 फरवरी 2018
57	डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*"गहन समुद्री मात्स्यिकी"* संसाधनों के शोषण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रुप दिए जाने के लिए पणधारियों की परामर्शी बैठक में भाग लिया ।	सिफनेट, विशाखापट्टणम 16 फरवरी 2018
58	डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	अंडमान एवं निकोबार व्दीप की कृषि से संबंधित गतिविधियों की स्थिति एवं संभावनाओं के संबंध में चर्चा करने हेतु श्रीमती कृष्णा राव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया ।	सी आई ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर, 21 फरवरी 2018
59	श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	मछुआरे कल्याण समाज द्वारा मछुआरों के लिए जागरुकता कार्यक्रम में भाग लिया और *"महासागर टूना संसाधनों"*, *"भारत के पूर्वी के तट समुद्री मत्स्य संसाधनों"* पर क्रमश: जानकारी दी ।	भीमिली, विशाखापट्टणम 24 फरवरी 2018
60	श्री एस के जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता	नेवल वार कॉलेज, आई एन एस, मंडोवी, गोवा में *"मत्स्यन एवं अनुसंधान पोत के परिचालन"* पर व्याख्यान दिया और प्रस्तुति दी ।	गोवा, 27 फरवरी 2018
61	डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	केंद्रीय विद्यालय नं 1 वास्को में मुख्य अतिथि के रुप में *"राष्ट्रीय विज्ञान दिवस"* के अवसर पर छात्रों के लाभार्थ समुद्री जीव विज्ञान पर व्याख्यान दिया ।	गोवा, 28 फरवरी 2018
62	डॉ. एस. रामचंद्रन, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री चलपति राव, सांख्यिकीविद् श्री अशोक एस कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री एन. उन्निकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण के लिए विशेषज्ञ समिति की दूसरी बैठक* में भाग लिया।	सी एम एफ आर आई, कोच्चि 9 मार्च 2018
63	श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक श्री सी. बाबू, व. वैज्ञानिक सहायक,	बी ओ बी ओ-आई जी ओ द्वारा आयोजित *"भारत में येल्लो फिन और स्किपजेक टूना मात्स्यिकी के लिए मात्स्यिकी निष्पादन संकेतकों की तैयारी पर राष्ट्रीय सलाहकार कार्यशाला"* में भाग लिया ।	चेन्नई, 12-13 मार्च 2018
64	श्री के गोविंदराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री सी. धनंजय राव, यांत्रिक समुद्री अभियंता श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	*"मत्स्यन नौकाओं का पंजीकरण और निरीक्षण"* पर वाणिज्यिक समुद्री विभाग, विशाखापट्टणम में आयोजित बैठक में भाग लिया ।	सिफनेट, विशाखापट्टणम 13 मार्च 2018
65	श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता,	मात्स्यिकी निदेशक, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन में यू टी योजना स्कीम के अंतर्गत निर्मित मत्स्यन नावों के लागत निर्धारण के लिए बैठक में भाग लिया ।	पोर्ट ब्लेयर, 23 मार्च 2018
66	श्री के गोविंदराज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक	श्री रमा शंकर नाईक, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, आंध्र प्रदेश सरकार के साथ मुलाकात की और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली *"गहन समुद्री मत्स्यन परियोजना"* के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की ।	विशाखापट्टणम 27 मार्च 2018

14.3 आगन्तुक/प्रतिनिधि मंडल

निम्नलिखित आगन्तुकों और प्रतिनिधि मंडल ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) एवं संबंधित बेस कार्यालयों का दौरा किया। मुख्यालय एवं बेस कार्यालय के वैज्ञानिकों ने वाणिज्यिक प्रमुख प्रजातियों सहित भा मा स की गतिविधियों, पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों, फिशिंग गियर प्रौद्योगिकी, मात्स्यिकी सर्वेक्षण पोतों पर प्रयुक्त नौचालन एवं इलेक्ट्रोनिक उपकरणों पर सूचना प्रदान की। प्रदर्शनी और भा मा स के प्रकाशन/संसाधन सूचना अंकावली भी प्रतिनिधि मंडल को प्रदान किया गया।

मुंबई (मुख्यालय)

विवरण	दिनांक
जी. एन खालसा कॉलेज, मुंबई से सुश्री चिनम्यी बावकर और सुश्री सोनाली सावंत	21 जून 2017
श्री अजित एस यूईमोन और श्री सुराभ नागरे, प्रेम एन जी ओ.	21 जून 2017
कॉलेज ऑफ मात्स्यिकी विज्ञान, श्री वेंकटश्वरा वेटेरिनरी विश्वविद्यालय, नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश से एक सहायक प्रोफेसर के साथ 27 छात्र	3 जुलाई 2017
सुश्री राजश्री सोलंकी, प्रेम पुनीता - एन जी ओ, मुंबई	31 जुलाई 2017
श्री एस. शिवकुमार हीगीस्ते, किस्सट फायनेंस, मुंबई	3 अगस्त 2017
तनमय शिपिंग से श्री विराज बेलोस और तेरना कॉलेज, नवी मुंबई से श्री लालेश खैरनार	3 अगस्त 2017
एम्पीडा नेट फिश से श्री संतोष कदम	4 अगस्त 2017
सुश्री रुपा पटेल और श्री निर्भय पटेल, मुंबई	14 अगस्त 2017
केंद्रिय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, (सी आई एफ ई) मुंबई से एक वैज्ञानिक	21 सितंबर 2017
डॉ. सिमरानजित सिंह, डेप्यूटी कम्मांडंट तटरक्षक, पश्चिम क्षेत्र, आई सी जी एस, सम्राट.	4 अक्तूबर 2017
मुंबई से श्री रविकांत और श्री विश्वकर्मा	11 अक्तूबर 2017
सुश्री वीना देसाई, क. अनुसंधान अध्येता, प्राणी विज्ञान विभाग, आर. जी. रुपारेल कॉलेज, माहिम, मुंबई	10 नवंबर 2017
डॉ. रंजीत कुमार सारंगी, वैज्ञानिक, समुद्रा परियोजना के परियोजना अन्वेषक, अन्तरीक्ष अनुप्रयोग केंद्र, अहम्मादाबाद.	18 जनवरी 2018
डॉ. ए. लक्ष्मीनारायण, सी एम एफ आर आई के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक और उनके दो अधिकारियों के साथ मात्स्यिकी परामर्शक	30 जनवरी 2018
तायपेई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई से मि. वेलबेर वांग, प्रबंधक एवं श्रीमती हरजीत कौर गुलाटी, ट्रेड प्रोमोशन विशेषज्ञ	21 फरवरी 2018

मुंबई बेस

विवरण	दिनांक
कॉलेज ऑफ मात्स्यिकी विज्ञान, श्री वेंकटश्वरा वेटेरिनरी विश्वविद्यालय,नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश से दो कार्यालय सदस्य के साथ 27 छात्र	3 जुलाई 2017
श्री गोविंद बोडके, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, महाराष्ट्र सरकार	23 फरवरी 2018

मुरगांव बेस

विवरण	दिनांक
श्री जॉस फ्रांससिको डिजूआ, वास्को-द-गामा	14 एवं 25 जुलाई 2017
कॉलेज ऑफ डेंम्पे कॉलेज ऑफ आर्टस और सायन्स, पणजी, गोवा से एक संकाय सदस्य के साथ 16 छात्र	24 जुलाई 2017
श्रीमती सांचीलीयारा फारिया, असोसियेट प्रोफेसर, एम ई एस कॉलेज ऑफ आर्टस एवं कॉमर्स, जुआरीनगर, गोवा	20 सितंबर 2017
स्कूल ऑफ एप्लाइड लाईफ सायन्स, एम जी विश्वविद्यालय, केरल से दो संकाय सदस्य के साथ 23 छात्र	4 अक्तूबर 2017
प्राणी विज्ञान अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग से टुमकुर विश्वविद्यालय, कर्नाटक से तीन संकाय सदस्य के साथ 41 छात्र	30 अक्तूबर 2017

विवरण	दिनांक
कर्नाटक विश्वविद्यालय, समुद्री जीवविज्ञान में अध्ययन विभाग, कोडीबाग, कारवार, कर्नाटक. से तीन संकाय सदस्य के 22 छात्र	17 नवंबर 2017
मात्स्यिकी प्रशिक्षण संस्थान, मात्स्यिकी निदेशालय, गोवा सरकार से एक अध्यापक के साथ 10 मछुआ युवक	29 नवंबर 2017
दीपविहार, हायर सेंकडेरी स्कूल,हेडलैंड सडा, मुरगांव से एक छात्र	4 दिसंबर 2017
डॉ. टी. टी. अजित कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, और डॉ श्रीमती टीना जयाकुमार टी. के., वैज्ञानिक, पी एम एफ जी आर केंद्र, एन बी एफ जी आर, कोच्चि	20-21 दिसंबर 2017
श्री पीटूर सालधाना टेकनो इंजिनियर, वाड्डेम, वास्को-दा-गामा और श्री हमबर्ट एनटो, पी जी एल, ऑफोशोर इंटरप्राईस, वास्को-द-गामा.	18 जनवरी 2018
श्री मायकेल गामा एफ आर एग्नेल कॉलेज ऑफ आर्टस एवं कॉमर्स, पिलार, गोवा	31 जनवरी 2018

कोच्चिन बेस

विवरण	दिनांक
विमला कॉलेज, थ्रिशूर से तीन प्राध्यापक और 23 एम एस सी (मात्स्यिकी) के छात्रों ने बेस से जुडे सर्वेक्षण पोत एवं समुद्री अभियांत्रिकी विभाग का दौरा किया ।	30 जून 2017
श्री देवेन्द्र चौधरी, आई ए एस. सचिव, पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने बेस और एम ई डी का दौरा किया ।	22 जुलाई 2017
श्री रोहित माथुर,निदेशक (वित्त) पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ने एम ई डी कोच्चि, सर्वेक्षण पोत और एम ई डी स्लिप वे का दौरा किया ।	11 अगस्त 2017
सरकारी व्यावसायिक हायर सेकेंडरी स्कूल, तानूर से 43 छात्रों ने कर्मशाला, लाइफ रैफ्ट, स्लिप वे स्टेशन और बेस से जुडें पोत का दौरा किया ।	17 अगस्त 2017
उन्नत व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान, कमलश्शेरी से 8 छात्रों ने स्लिप वे, कर्मशाला, लाइफ रेफ्ट सर्वीस स्टेशन और बेस से जुडे पोत *एम. वी. एफ. मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया ।	9 नवंबर 2017
मात्स्यिकी कॉलेज, रत्नागिरी, महाराष्ट्र से मात्स्यिकी इंजिनियरिंग के डिप्लोमा के 28 छात्रों ने स्लिप वे, कर्मशाला, लाइफ रेफ्ट सर्वीस स्टेशन और बेस से जुडें पोत *एम. एफ. वी. मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया ।	9 नवंबर 2017
जी वी एच एस एस, कैतप्रम से नौटिकल एवं इंजिनियरिंग प्रशिक्षण के 24 छात्रों ने बेस से जुडे सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* का और एम ई डी कर्मशाला का दौरा किया ।	6 दिसंबर 2017
केरल मात्स्यिकी एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय (कुफोस), कोच्चि से 45 बी. एफ. एस सी छात्रों नें बेस से जुडे पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* और एम ई डी का दौरा किया ।	8 दिसंबर 2017
कोच्चिन शिपयार्ड लि., कोच्चि से 10 प्रशिक्षार्थियों ने बेस से जुडे पोत *एम. एफ.वी मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया ।	18 दिसंबर 2017
मलप्पुरम ए एफ एफ बी ए एच कॉलेज से 26 छात्रो ने बेस से जुडे पोत का दौरा किया ।	12 जनवरी 2018
सरकारी आई टी कलमश्शेरी से 15 छात्रों ने बेस से जुडे पोत का दौरा किया ।	17 जनवरी 2018
पोत नेविगेटर और समुद्री फिटर पाठ्यक्रम के 45 छात्रों ने सिफनेट चेन्नई एवं विशाखापट्टणम से छह संकाय सदस्यों के साथ एम ई डी बेस से जुडे *एम एफ वी लवणिका* कर्मशाला का दौरा किया ।	16 फरवरी 2018

चेन्नई बेस

विवरण	दिनांक
मात्स्यिकी कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान, तमिलनाडु मात्स्यिकी विश्वविद्यालय, चेन्नई से मात्स्यिकी के 9 निरीक्षक और 12 उप निरीक्षक सहित 21 प्रशिक्षार्थियाँ	5 अप्रैल 2017
डॉ. एस. आर. मुथुसामी और श्री पी कमला कण्णन, आई टी सी ओ टी कनसल्टनसी एवं सर्वीस लिमिटेड से	20 अप्रैल 2017

विवरण	दिनांक
पाच्चैय्यप्पा कॉलेज, चेन्नई के प्रथम वर्ष एम एस सी प्राणी विज्ञान के 10 छात्र	1-5 मई 2017
श्रीमती फातिमा बीबी, अतिरिक्त निदेशक और श्रीमती जे. चन्द्रा संयुक्त निदेशक, मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार ने अन्य कर्मचारी सदस्यों के साथ विभागीय सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* का दौरा किया	12 जून 2017
डॉ. आर. के. सारंगी, वैज्ञानिक, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (सैक), अहम्मदाबाद भा मा स के साथ एस ए सी-इसरो की एक सहयोगी परियोजना समुद्रा-पी एफ जेड के संबंध में चर्चा करने हेतु	27 जुलाई 2017
पोन्नेरी फिशरीज कॉलेज और अनुसंधान केंद्र के एक संकाय सदस्य के साथ 23 छात्रों ने बेस, संग्रहालय और विभागीय सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* और *एम एफ वी समुद्रिका* का दौरा किया ।	6 दिसंबर 2017

विशाखापट्टणम बेस

विवरण	दिनांक
डॉ. एस आर मुथुसामी, मात्स्यिकी सलाहकार, तमिलनाडु के औद्योगिक एवं तकनीकी सलाहकार संगठन अपने सहयोगी के साथ	13 अप्रैल 2017
सिफनेट, चेन्नई के 28 समुद्री फिटर पाठ्यक्रम छात्रों के साथ श्री एम हबीबुल्ला, व. अनुदेशक	21 अप्रैल 2017
डॉ. पी. पॉल पान्डियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली ने बेस कार्यालय और बेस से जुडे सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य दर्शिनी* एवं *एम एफ वी शिकारी* का दौरा किया ।	15 जुलाई 2017
डॉ. रमनेश्वरी, असोसिएट प्रोफेसर एवं प्रमुख, प्राणी विज्ञान विभाग, आदिकावि नन्नाया विश्वविद्यालय, राजमहेन्द्रवारम, ईस्ट गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रेदश, एम. एस सी जलकृषि एवं प्राणी विज्ञान के दूसरे वर्ष के 32 छात्रों के साथ बेस से जुडे पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* और *एम एफ सी मत्स्य दर्शिनी* का दौरा किया ।	19 सितंबर 2017
श्रीमती एस सरोजा, पी जी टी (जीव-विज्ञान). ए. पी. रजिडेन्शियल स्कूल, भीमुनिपटनम, आन्ध्र प्रदेश के साथ उनकी दो सहयोगी	7 अक्तूबर 2017
श्री जी एस एल मूर्ति और उनके सहयोगी, चक्रवात चेतावनी केंद्र, विशाखापट्टणम	7 दिसंबर 2017
आशुतोष फिशरीज कॉलेज, कोलकता से 32 बी एस सी (औद्योगिक मात्स्यिकी और जलकृषि) के छात्रों ने बेस से जुडें पोत *एम एम वी मत्स्य* शिकारी का दौरा किया ।	13 दिसंबर 2017
श्री बी. एस., राम कृष्ण, स्टाफ रिपोर्टर, ई नाडु, विशाखापट्टणम	20 दिसंबर 2017
डॉ बी. आर. होन्ननंदा, सहायक प्रोफेसर, मात्स्यिकी कॉलेज, कवर्धा, छत्तीसगढ़ बी. एफ एस सी (जलकृषि) के तीसरे वर्ष के 23 छात्रों ने बेस का और बेस से जुडें पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* का दौरा किया ।	27 दिसंबर 2017
श्री पी. श्रीनिवास राव, मात्स्यिकी उद्यमी	6 जनवरी 2018
सरकारी डिग्री कॉलेज, श्रीकाकुलम से बी एस सी (जीव विज्ञान) के तीसरे वर्ष के 60 छात्र	10 जनवरी 2018
श्री जेहान नागपाल, मात्स्यिकी उद्यमी, नई दिल्ली से दो सहयोगियों के साथ	21 फरवरी 2018
सिफ्ट, काकीनाडा के 29 विभागीय अधिकारी	6 मार्च 2018
सिफनेट, चेन्नई से 10 छात्रों ने बेस और बेस से जुडे पोत एम एफ वी मत्स्य शिकारी का दौरा किया ।	9 मार्च 2018
मात्स्यिकी कॉलेज, धोली बिहार से 6 बी एफ एस सी छात्र	12 मार्च 2018
श्री प्रतीक गांधी, व. शहरी डिजाइनर, आई एन आई डिजाइन स्टुडिओं, विशाखापट्टणम	23 मार्च 2018
डॉ पी. पॉल पान्डियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली	28 मार्च 2018

पोर्ट ब्लेयर

विवरण	दिनांक
डॉ. पी. पॉल पान्डियन, मात्स्यिकी विकास आयुक्त, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली ।	24 अप्रैल 2017
श्री मुखाथर , आई पी ग्लोबल, नई दिल्ली	23 जुलाई 2017
श्री राहूल गांधी, वित्तीय सलाहकार, एस ए वी पी आर ओ.	2 अगस्त 2017
श्री योषीकाजु निषिनो, निषिनो सोलूशन्स एल एल पी, गुरगांव, हरियाना के प्रतिनिधि पार्टनर	4 अगस्त 2017
समुद्री जीव विज्ञान एवं महासागर अध्ययन विभाग, पोन्डिच्चेरी, विश्वविद्यालय, ब्रूकशाबाद से 30 एम एस सी समुद्री जीव विज्ञान छात्र	17 अगस्त 2017
श्री यावर अली, सहायक योजनाकार, नीति आयोग के लिए आई पी ई वैश्विक सहायक पार्टनर	18 अगस्त 2017
श्री डी ईश्वर राव, डोलफिन सी फुड के मालिक, पोर्ट ब्लेयर	7 सितंबर 2017
सुश्री जोया त्याबजी और तन्मय वाघ, वैयक्तिक अनुसंधान अध्येता	10 नवंबर 2017
श्री रितेश कुमार, पर्यावरण शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पूणे, महाराष्ट्र	20 नवंबर 2017

14.4 अलीबाग में अध्ययन दौरा

सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निदेश द्वारा डॉ. संजय पांडे, मात्स्यिकी सहायक आयुक्त ने भा मा स, सी एम एफ आर आई के वैज्ञानिकों और राज्य मात्स्यिकी अधिकारियों के साथ 28 सितंबर-1 अक्तूबर 2017 के दौरान समुद्र के किनारे मछलियों की असामान्य पकड की घटना का अध्ययन करने के लिए नवगांव, मांडवा, अलीबाग, रायगढ़ का दौरा किया । श्री अशोक कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स के मुंबई बेस, इस अध्ययन टीम के सदस्यों में से एक था । यह घटना एक प्राकृतिक घटना के रुप में हुई और प्रदूषण या किसी अन्य अज्ञान कारण से नहीं हुई । टीम ने मछुआरों को सूचित किया कि मछली स्टॉक के संबंध में चिंता न करें । सहायक आयुक्त (मा.) द्वारा एक विस्तृत रिपोर्ट सचिव को प्रस्तुत किया है ।

14.5 व्यापार मेला/प्रदर्शनी/मेला/परिसंवाद/संगोष्ठी में भागीदारी

भा मा स (मुख्यालय)

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी), हैदराबाद द्वारा 21 नवंबर 2017 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोम्प्लेक्स (एन ए एस सी), पूसा, नई दिल्ली में आयोजित "**विश्व मत्स्य दिवस**" की पूर्व संध्या पर भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने स्टॉल लगाकर भाग लिया और संस्थानीय गतिविधियों का प्रदर्शन किया । माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह और माननीय राज्य मंत्री श्रीमती कृष्ण राज ने भा मा स के स्टॉल का दौरा किया । पणधारियों, किसानों, मछुआरों और आम जनता ने आपस में बातचीत की और प्रदर्शनी में रुचि दिखाई । भा मा स स्टॉल की प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री देवेंद्र चौधरी, आई ए एस, सचिव, पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग द्वारा किया गया । इस अवसर पर श्री बी किशोर, आई ए एस, संयुक्त सचिव (मा.) और पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग से अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

मुंबई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (भा मा स) ने 16-18 मार्च 2018 तक मेला मैदान, आई ए आर आई, पूसा, नई दिल्ली में पशुपालन डेयरी एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा आयोजित "कृषि उन्नति मेला-2018" में विभिन्न प्रकार के फिशिंग गियर एवं क्राफ्ट, मात्स्यिकी सर्वेक्षण पोतों के मॉडेल, विविधीकृत पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन विधियों, मछली और मात्स्यिकी एवं नौचालन उपकरणों के चार्ट दर्शाते हुए स्टॉल लगाकर प्रदर्शनी में भाग लिया । स्टॉल में समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान के क्षेत्र मे अधिदेश, उद्देश्य, वैज्ञानिक गतिविधियों और संस्थान के महत्व को चित्रित किया गया ।

मुरगांव बेस

भा मा स के मुरगांव बेस ने एम्पीडा द्वारा नेहरू मैदान, मैगलूर, कर्नाटक में 14-16 मई 2017 के दौरान एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाकर आयोजित तीन दिवसीय व्दिवार्षिक घटना **"अक्वा अक्वेरिया" इंडिया 2017** के चौथे संस्करण में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया । स्टॉल में समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान, विकास और समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में नीति बनाने के क्षेत्र में संस्थान के अधिदेश, उद्देश्य, अनुसंधान गतिविधियों और संस्थान के महत्व चित्रित किया गया ।

भा मा से मुरगांव बेस ने मात्स्यिकी निदेशालय, गोवा सरकार द्वारा 7-10 दिसंबर 2017 तक एस ए जी कंपाल ग्राऊंड, पणजी, गोवा में आयोजित **"अक्वा गोवा मेगा मछली उत्सव, 2017"** में भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान, भा मा स स्टॉल लगाया गया और भा मा स की गतिविधियों, समुद्री मात्स्यिकी संसाधन, फिशिंग गियर मॉडल आदि प्रदर्शित किया गया ।

विशाखापट्टणम बेस

भा मा स का विशाखापट्टणम बेस ने 15-19 मई 2017 के दौरान मुक्तकश रंगमंच, सारदाबाली, पुरी, ओडिशा में श्रीखेत्र सूचना व्दारा आयोजित **15 वां लोक मेला एवं 8 वाँ कृषि मेला-2017** में भाग लिया और एक प्रदर्शनी स्टॉल लगाया और संस्थान के विविध अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को प्रदर्शित किया । विश्वविद्यालय, कॉलेज, स्कूल से गणमान्य व्यक्तियों और आम जनता ने दौरा किया और भा मा स की गतिविधियों की सराहना की ।

14.6 नुक्कड़ नाटक

भा मा स के चेन्नई एवं विशाखापट्टणम बेस कार्यालयों द्वारा संयुक्त रुप से 31 अगस्त 2017 को *"उत्तरदायी मात्स्यिकी हेतु आचार संहिता"* विषय पर मछुआरों के गांव, मंगमारीपोटा, भीमुनिपटनम, आन्ध्र प्रदेश में स्थायी दोहन हेतु संसाधनों के संरक्षण के लिए मछुआरों में जागरुकता पैंदा करने हेतु एक **नुक्कड नाटक** का आयोजन किया गया ।

14.7 सतर्कता जागरुकता सप्ताह

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय) और बेस कार्यालयों द्वारा 30 अक्तूबर 2017 से 4 नवंबर 2017 तक "**सतर्कता जागरुकता सप्ताह**" आयोजित किया गया । इस अवसर पर सभी अधिकारियों ने प्रतिज्ञा लिया । इस सप्ताह के आयोजन के महत्व के बारे में बेस कार्यालयों के संबंधित प्रभारी द्वारा संक्षिप्त जानकारी दी गई ।

सतर्कता संवेदीकरण के भाग के रुप में भा. मा. सा. (मुख्यालय) एंव बेस कार्यालायों द्वारा संपूर्ण सप्ताह के दौरान निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, कार्यशाला जागरूकता कार्यक्रम और रैली इत्यादि का अयोजन किया गया।

मुंबई मुख्यालय

मुंबई बेस

मुरगांव बेस

पोर्ट ब्लेयर बेस

14.8 भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण मुख्यालय एवं बेस कार्यालयों द्वारा स्वच्छाता पखवाडा/अभियान का आयोजन

मुंबई (मुख्यालय)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय, मुंबई एवं सभी बेस कार्यालयों ने 16-31 मई 2017 के दौरान **स्वच्छता पखवाडा** का आयोजन किया । भा मा स मुख्यालय में अधिकारियों ने मुंबई के मछुआरों और पणधारियों के साथ कार्यक्रम में सक्रिय रुप से भाग लिया । इस कार्यक्रम के दौरान मत्स्यन बंदरगाह और मछली बाज़ार की स्वच्छता और स्वच्छता की स्थिति समझाते हुए बैनर, पोस्टर और पुस्तिकाएं तैयार की गई और मछुआरा समुदाय के बीच मछलियों को स्वच्छता से संभालने के बारे में जागरुता पैदा करने के लिए वितरित किए गए । वैज्ञानिक अधिकारियों ने 23.05.2017 को क्षेत्रीय भाषा मराठी में "**मछली को स्वच्छ रुप से संभालने और उससे संबंधित विषय**" पर ससून डॉक मत्स्यन बंदरगाह, मुंबई में व्याख्यान दिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, (मुख्यालय) और बेस कार्यालयों द्वारा "**स्वच्छता ही सेवा अभियान**" का आयोजन दिनांक 15 सितंबर-02 अक्तूबर 2017 के दौरान किया गया । स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने के लिए विविध क्रियाकलापों का आयोजन किया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तय कार्यक्रमानुसार कार्यक्रम में संक्रिय रुप से भाग लिया । पुराने रजिस्टरों/फाईलों की छँटाई, कार्यालय परिसर के आस-पास और मछली घाट इत्यादि के सफाई की समापन समारोह के दौरान, महानिदेशक (प्रभारी) ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी कर्मचारियों से अनुरोध किया कि इस नेक काम को आगे नियमित कार्यों में भी अपनाइये ।

मुंबई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का मुंबई बेस द्वारा 16-31 मई 2017 तक "**स्वच्छता पखवाडा**" का आयोजन किया जिसमें विभिन्न स्वच्छता अभियान गतिविधियों जैसे कि कार्यालय परिसर, न्यू फिशिंग जेट्टी रोड और ससून डॉक फिश लैडिंग केन्द्र की सफाई की गई । मछलियों को स्वच्छता से संभालने का कार्य पर रैली और जागरुकता कार्यक्रम भाषण, प्लकार्ड, और नारे के साथ कफ परेड मछुआरा कॉलोनी, न्यू फेरी वार्फ, फिश लैडिंग केंद्र, कुलाबा मछली बाज़ार और ससून डॉक में आयोजित किया गया । प्लकार्ड और नारे के साथ एक रैली भाऊचा धक्का फिश लैडिंग केंद्र में 27 मई 2017 को आयोजित की गई ।

समापन दिवस पर, मुंबई बेस द्वारा कुलाबा मछली बाजार से ससून डॉक, न्यू फिशिंग जेट्टी तक एक जागरुकता रैली संचालित की गई जो कि दूरदर्शन के सह्याद्री चैनल पर 2 जून 2017 को मराठी में "**कृषि वार्ता**" में प्रसारित किया गया ।

मुंबई बेस द्वारा 15.09.2017 से 02.10.2017 तक "**स्वच्छता अभियान**" और "**स्वच्छता ही सेवा अभियान**" का आयोजन किया जिसमें भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुंबई बेस के सभी कर्मचारियों ने श्रमदान किया और संबंधित अनुभागों, गियर अनुभाग, कार्याशाला,कार्यालय परिसर, सार्वजनिक स्थानों जैसे

मत्स्यन घाट, ससून गोदी, नजदीकी-क्षेत्रों, संपर्क मार्गो, विभागीय सर्वेक्षण जलयानों पर स्वच्छता अभियान द्वारा समग्र स्वच्छता को पूरा किया । एक विशेष वृक्षारोपण का भी आयोजन दिनांक 23.09.2017 को किया गया जिसमें एडवोकेट श्री मकरद नार्वेकर, स्थानीय मुनसिपल काऊनसिलर को सम्मिलित करके किया गया । मंत्रालय के आदेशानुसार, "सर्वत्र स्वच्छता" के अंतर्गत एक विशेष "सफाई" और "संवेदनशील" कार्यक्रम दिनांक 29/09/2017 को डांडा कोली व्यावसायिक सहकारी संस्था, खार दांडा, खार (प), मुंबई के सहयोग से आयोजित किया गया । अन्य स्वच्छता अभियान, एड. श्री राज के पुरोहित, स्थानीय पूर्व मंत्री और विधायक को सम्मिलित करके दिनांक 02.10.2017 को ससून गोदी, कुलाबा में आयोजित किया । स्वच्छता अभियान समापन, रैली के साथ ससून गोदी मुख्य द्वार से न्यू मत्स्यन जेट्टी तक स्वास्थ्यकर मछली को संभालना और स्वच्छता के महत्व पर जोर-देते हुए आयोजन किया ।

मुरगांव बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के मुरगांव बेस कार्यालय भवन और इसके परिसर की सफाई, घास पौधों और जंगली जलमग्न क्षेत्रों को निकालने में सक्रिय रुप से शामिल थे ।मुरगांव बेस द्वारा 16-31 मई 2017 तक "स्वच्छाता पखवाडा" के दौरान कार्यालय ने वास्को मुनसिपल कॉउनसिल की अनुमति के साथ 25.05.2017 को वास्को मछली बाज़ार और इसके परिसर को साफ करने का प्रयास किया । स्वैच्छिक बाजार प्रथाओं पर त्रिभाषी (हिंदी, कोकनी और अंग्रेजी)

में पुस्तिकाएं मछुआरों के बीच स्वच्छतापूर्वक मछली संभालने के लिए जागरुकता पैदा करने हेतु वितरित किए गए । समुद्र तट और मछली लैडिंग केंद्र की सफाई अभियान 27.05,2917 को बैना, दक्षिण गोवा में किया गया ।

मुरंगाव बेस के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने 15-2 अक्टूबर 2017 तक "**स्वच्छता ही सेवा अभियान**" के दौरान कार्यालय भवन और परिवार की सफाई, जंगली पौधों हटाया और जलमग्न क्षेत्रों को साफ किया

कोच्चिन बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का कोच्चिन ने 16-31 मई 2017 तक "**स्वच्छाता पखवाडा**" के दौरान कार्यालय परिसर का सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया। कर्मचारी सदस्यों ने 29.05.2017 को थोप्पुंपडी फिशिंग हारबर , कोच्चिन की सफाई की ।

चेन्नई बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस ने सफाई अभियान में भाग लेने हेतु उत्साह के साथ स्वैच्छिक रुप से शामिल हुए । 16-31 मई 2017 तक "**स्वच्छाता पखवाडा**" के दौरान कार्यालय परिसर के साथ बेस से जुडे पोत अर्थात् *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* जो मत्स्यन बंदरगाह, चेन्नई में लंगर डाले है, की भी सफाई करने का प्रयास किया ।

कर्मचारियों ने 31 मई 2017 को मत्स्यन बंदरगाह को जाने वाले कासिमेडु मत्स्यन बंदरगाह और कार्यालय की ओर जाने वाले सडक साफ किया ।

15 सितंबर -2 अक्तूबर 2017 तक "स्वच्छता ही सेवा अभियान" के दौरान चेन्नई बेस में दिनांक 17 सितंबर 2017 को सेवा दिवस का आयोजन गया और बेस कर्मचारियों द्वारा कैम्पस/कार्यालय के अन्दर व आसपास सफाई करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न किया । इस अवधि के दौरान कार्यक्रम हर दिन 16.00 बजे से 17.00 बजे तक निर्धारित किया गया था । जिसमें बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

विशाखापट्टणम बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का विशाखापट्टणम ने 16-31 मई 2017 तक "**स्वच्छता पखवाडा**" के दौरान कार्यालय परिसर का सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया ।

विशाखापट्टणम बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों न "**स्वच्छता ही सेवा अभियान**" में भाग लेते हुए कार्यालय परिसर एवं मत्स्यन हार्बर जेट्टी संख्या-6 की साफ-सफाई की ।

पोर्ट ब्लेयर

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस ने 16-31 मई 2017 तक "**स्वच्छता पखवाडा**" के दौरान कार्यालय परिसर का सफाई कार्यक्रम संचालित किया । बेस ने क्रमश: 19 मई 2017 एवं 22 मई 2017 को मोहनपुरा मछली बाज़ार और जंगलीघाट के दो मछली बाज़ार साफ करने का प्रसास किया । सभी कर्मचारी सदस्यों ने 26.05.2017 को गुप्तपारा मछली लैडिंग केंद्र साफ किया । स्वच्छता पखवाडा के दौरान पर 31.05.2017 को समापन दिवस पर "**मात्स्यिकी एवं जलकृषि में स्वच्छता**" पर एक राज्य स्तर कार्यशाला आयोजित की गई ।

14.9 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

भा मा स (मुख्यालय) एवं बेस कार्यालयों द्वारा 21 जून 2017 को "**अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस**" का आयोजन किया गया ।

भा मा स., मुख्यालय मुंबई सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया विविध योगासन का अभ्यास किया ।

भा मा स के मुंबई बेस में अधिकारी एवं कर्मचारियों ने योगासन प्रदर्शन करके इस स्वास्थ्य अभियान कार्यक्रम में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

भा मा स के मुरगांव बेस में श्री श्याम रसिक दास, प्रभुजी, इसकोन, जुआरी नगर, गोवा ने मनुष्य के दैनिक जीवन में योग के महत्व पर आध्यामिक भाषण दिया ।

भा मा स के कोच्चिन बेस ने कोच्चिन बेस तथा एम ई डी में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए योग कक्षाएं संचालित की ।

भा मा स के चेन्नई बेस के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम के दौरान उत्साह से भाग लिया और विविध योगासन का अभ्यास किया । श्रीमती टी के पदमा रंगन, प्रिंसिपल, जानकी अम्मा मेमोरियल सिसकिया प्राइमरी स्कूल और योग प्रशिक्षक को मुख्या अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया ।

भा मा स के विशाखापट्टणम बेस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया और वे इस समारोह के दौरान विविध योगासन किए ।

भा मा स के पोर्ट ब्लेयर ने सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों ने विभिन्न ***योगासन*** किया और समारोह में सक्रिय प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया ।

14.10 सांप्रदायिक सौहार्द्र सप्ताह

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय एवं बेस कार्यालय ने 19-25 नवंबर 2017 की अवधि के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द्र अभियान सप्ताह का आयोजन किया । भा मा स, मुख्यालय में 24.11.2017 को ध्वज दिन पर सांप्रदायिक सौहार्द् पर एक कार्यशाला आयोजित की गई । सांप्रदायिक सौहार्द्र विषय पर अतिथि वक्ता के रुप में प्रोफेसर (डॉ.) नंदिनी देशमुख को आमंत्रित किया गया ।

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारी सदस्यों ने उक्त कार्यशाला में भाग लिया और अतिथि वक्ता के भाषण से लाभान्वित हुए । अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सांप्रदायिक सौहार्द के लिए जो बच्चे सांप्रदायिक मामले, जातीय या आतंकवादी हिंसा में अनाथ और अनाथ बन जाते है, उनके सुधार के लिए राष्ट्रीय फाउन्डेशन को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु उदारतापूर्वक योगदान दिया ।

14.11 संस्थान द्वारा संचालित कार्यशाला/ओपन हाउस

विस्तार गतिविधियों के रुप में, मुंबई (मुख्यालय) एवं भा मा स के बेस कार्यालयों द्वारा समुद्र तटीय राज्यों /संघ शासित क्षेत्रों के प्रमुख समुद्री मछली उतराई केंद्रों पर क्षेत्रीय कार्यशाला/ओपन हाउस का आयोजन किया गया ।

मुंबई बेस

भा मा स के मुंबई बेस ने स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ ***"दमन एवं दीव से दूर समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और विविधीकृत मत्स्यन प्रणालियों"*** पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला सह प्रदर्शनी मच्छी महाजन हॉल, नानी दमन, (दमन एवं दीव संघ शासित क्षेत्र) में 16 मई 2017 को आयोजित की । मुख्य अतिथि श्री गोपाल के तान्डेल, अध्यक्ष, मत्स्योद्योग वी के एस सोसाइटी लि. नानी दमन ने कार्यशाला का उद्‌घाटन किया और डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स का मुंबई बेस ने समारोह की अध्यक्षता की । कुल 80 मछुआरे, नाव मालिकों और स्थानीय मात्स्यिकी विभागीय अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट, मुंबई में जलयान *एम एफ वी मत्स्य वृष्टि एवं एम एफ वी मत्स्य* निरीक्षणी, पर दिनांक 05.07.2017 को **"समुद्री मात्स्यिकी"** विषय पर खुला-मंच का आयोजन किया गया । खुला-मंच एवं प्रदर्शनी का उद्‌घाटन डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, भा मा स का मुंबई बेस, द्वारा किया गया । कार्यक्रम के दौरान, सागरी सुरक्षा, आधुनिक मत्स्यन प्रौद्योगिकियों, गियरों, भा. मा. स. के जलयानों पर नौवहन उपकरणों और महाराष्ट्र तट की समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के बारे में प्रकाश डाला गया । महर्षि दयानन्द कॉलेज कला, विज्ञान एवं वाणिज्य परेल, एवं विल्सन कॉलेज, गिरगांव के कुल 52 विज्ञान के छात्रों एवं 07 संकाय संदस्यों ने भा. मा. स. के जलयानों का दौरा किया और खुला-मंच में भाग लिया ।

स्थानीय मछुआरों के लाभ हेतु दिनांक 15 सितंबर 2017 को कम्प्युनिटी हॉल, साउदवाडी, दीव (केंद्रशासित प्रदेश दमन व दीव) में दीवतट के **"समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और मछली पकडने के विविध तरीकों"** पर एक दिवसीय कार्यशाला व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । श्री हेमंत कुमार, आई.ए. एस., जिलाधीश, दीव, मुख्य अतिथि थे और डॉ. एल रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक, भा. मा. स., मुंबई बेस ने मुख्य भाषण दिये । कुल 125 मछुआरे, बोट मालिकों एवं मात्स्यिकी विभाग के अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

मुरगांव बेस

कर्नाटक तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन स्थायी उपयोगिता -विकास, संरक्षण एवं प्रबंधन विषय पर दिनांक 08 अगस्त 2017 को नीलामी हाल, गंगोली मत्स्यन हार्बर, जिला-उडुप्पी, कर्नाटक में एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई । श्री पी पार्श्वनाथ, मात्स्यिकी उप निदेशक, उडुप्पी, कर्नाटक सरकार मुख्य अतिथि रहे । श्री एस के जायसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता, भा मा स, मुरगांव बेस ने समारोह की अध्यक्षता की । माननीय अतिथि ने कार्यशाला के उद्देश्य की सराहना की और मछुआरों को भावी पीढ़ी के लिए मछली के स्टॉक को बहाल करने की स्थायी तरीके से मत्स्यन करने की सलाह दी और भा मा स द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का उपयोग करने के लिए कहा । कुंदापुरा (गंगोली) कर्नाटक से कुल 126 मछुआरों और मात्स्यिकी विभाग, कर्नाटक सरकार से अधिकारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

धेम्पे कला एवं विज्ञान कॉलेज, पणजी, गोवा के छात्रों के लिए एक दिवसीय, “**खुला मंच**” का आयोजन किया गया । अध्ययन भ्रमण के अंतर्गत, दिनांक 24 जुलाई 2017 को बी. एस.सी (प्राणी विज्ञान) के अंतिम वर्ष के कुल 16 छात्रों और एक संकाय सदस्य ने मुरगांव बेस का दौरा किया । छात्रों को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के क्रियाकलापों, गोवा तट में पावर प्वाइंट के माध्यम से परिचित कराया गया । कार्यक्रम के दौरान, गियर मॉडलों का प्रदर्शन, मात्स्यिकी चार्टों इत्यादि और भा. मा. स. के वृत्त-चित्र के प्रदर्शन की भी व्यवस्था की गई ।

मुरगांव बेस ने प्राणी विज्ञान में अध्ययन और अनुसंधान विभाग, टुमकूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए उनके अध्ययन

दौरा के हिस्से के रुप में 30 अक्तूबर 2017 को एक दिवसीय “**ओपन हाउस एवं समुद्री प्रदर्शनी**” आयोजित की । कुल 41 छात्रों और 3 संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कर्नाटक विश्वविद्यालय, समुद्री जीव विज्ञान में अध्ययन विभाग, कोडिबाग, कारवार, कर्नाटक के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए 17 नवंबर 2017 को एक दिवसीय “ओपन हाउस एवं समुद्री प्रदर्शनी” आयोजित की गई । कुल 22 छात्रों 3 संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान भा मा स की गतिविधियों गोवा एवं कर्नाटक तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणलियों के संबंध में पॉवर पोयिंट प्रस्तुतीकरण के जरिए छात्रों को परिचित कराया गया । बेस में एक प्रदर्शनी, भा मा स के वृत्तचित्र फिल्मों की स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की गई ।

कोच्चिन बेस

“**लक्षव्दीप समुद्र के महासागरीय संसाधनों के सतत उपयोग**” पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 19 जनवरी 2018 को पुरातात्विक संग्रहालय, अगत्ती व्दीप, लक्षव्दीप में आयोजित की गई ।

चेन्नई बेस

तमिलनाडु राज्य मात्स्यिकी विभाग के सहयोग से “**तमिलनाडु के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों**” पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला 06.05.2017 को राजीव गांधी जलकृषि केंद्र (आर जी सी ए) ऑडिटोरियम, करैमेडु, सिरकली, नागपट्टिनम जिला में आयोजित की गई । श्री आर. रविचंद्रन, मात्स्यिकी के सहायक निदेशक (समुद्री), मात्स्यिकी विभाग, तमिलनाडु सरकार ने कार्यशाला का उद्घाटन किया था और डॉ. एस कांदन, परियोजना निदेशक, आर जी सी ए ने समारोह की अध्यक्षता की । श्री जे. ई. प्रभाकर राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने अतिथियों और सभा का स्वागत किया। श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य भाषण दिया । कार्यशाला से लगभग 115 मछुआरों आम जनता, राज्य मात्स्यिकी अधिकारियों ने लाभ उठाए ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई और विशाखापट्टणम बेसों द्वारा संयुक्त रुप से दिनांक 31 अगस्त 2017 को मात्स्यिकी विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार की सहायता से मात्स्यिकी विभाग अधिकारी के कार्यालय, कोथुरु, भीमुनिपटनम, आंध्र प्रदेश में भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन विषय पर एक क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई । और संबंध क्षेत्रों और भिमुनीपट्टनम के स्थानीय मछुआरों के लाभ हेतु पूर्वीतट के सर्वेक्षण परिणामों पर सूचना प्रसारित करने हेतु उत्तरदायी मात्स्यिकी हेतु आचार संहिता पर एक नुक्कड नाट्क का आयोजन किया गया । डॉ. वी. शंकर राव, मात्स्यिकी के संयुक्त निदेशक, आन्ध्र प्रदेश सरकार, विशाखापट्टणम इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहें । श्री के. गोविन्दराज, व. मा. वैज्ञानिक, भा. मा. स. विशाखापट्टणम बेस ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की । श्री ए. टिबुरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के चेन्नई बेस ने सदस्यों का सम्मान किया । कार्याशाला के दौरान, समुद्री मात्स्यिकी प्रदशर्नी का भी आयोजन किया जहाँ पर चार्टों, भा मा स के क्रियाकलापों, मात्स्यिकी संसाधनों को दर्शाते हुए फोटोग्राफ्स एवं पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन गियरों को भी प्रदर्शित किया ।

स्थानीय मछुआरों के हित के लिए 27 अक्तूबर 2017 को कार्रेक्ल, पुदुच्चेरी संघ शासित क्षेत्र में "तमिलनाडु एवं पुदुच्चेरी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों" पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई ।

कार्यशाला का उद्घाटन श्री राजेन्द्रन, मात्स्यिकी सहायक निदेशक, पुदुच्चेरी सरकार द्वारा किया गया । श्री ए टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स का चेन्नई बेस ने मुख्य भाषण दिया और कार्यशाला का उद्देश्य, भा मा स का संगठनात्मक व्यवस्था और भारतीय जल में संभाव्य महासागरीय टूना संसाधनों के संबंध में जानकारी दी ।

पोर्ट ब्लेयर

स्थानीय मछुआरों के लाभार्थ 21 जून 2017 को येराटा लाँग व्दीप, उत्तर एवं मध्य अंडमान में ***"अंडमान एवं निकोबार समुद्र के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों"*** पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला एवं ओपन हाउस का आयोजन किया गया । क्षेत्र के लगभग 100 मछुआरों ने कार्यक्रम में भाग लिया । कार्यशाला का उद्घाटन श्री महादेव माल, प्रधान द्वारा किया गया और इसकी अध्यक्षता श्रीमती जी. लक्ष्मी, सदस्य, शबरी ग्राम पंचायत, उत्तर एवं मध्य अंडमान द्वारा की गई । श्रीमती किरण टिरके, सदस्य, सबरी ग्राम पंचायत ने भी सभा का संबोधन किया । पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर एक ओपन हाउस की व्यवस्था की गई । 17 मछुआरों को टूना लाँग लाइन मत्स्यन परिचालन के प्रदर्शन और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण देने हेतु पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर ले जाया गया ।

कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार व्दीप में 27 नवंबर 2017 को "निकोबार जल के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के स्थायी उपयोग (सुमाफिन - 2017)" पर व्दितीय एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

श्री रंजीत कुमार सिंह, डेनिक्स, सहायक आयुक्त, कैंप बेल ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और समारोह की अध्यक्षता श्रीमती रोसलिया कुल्लु, प्रधान, कैंपबेल बे ने की । डॉ. सिजो पी. वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मुख्य भाषण दिया । कार्यशाल का मुख्य उद्देश्य निकोबार समुद्र के महासागरीय एवं पेर्च संसाधनों की संभाव्यता एवं उपलब्धियों पर कैपबेल के स्थानीय मछुआरों को सूचना प्रदान करना इन प्रचुर संसाधनों के शोषण हेतु विभिन्न मत्स्यन प्रणालियों, मात्स्यिकी संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग के महत्व और पर्यावरण की सुरक्षा पर सूचना का प्रसार करना है । मछुआरों, मात्स्यिकी विभाग के निकोबार जिला के प्रतिनिधियों सहित कुल 100 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार व्दीप में 26-27 नवंबर 2017 के दौरान स्कूल और कॉलेज के छात्रों, मछुआरों, आम जनता के हित के लिए पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर एक ओपन हाउस आयोजित किया गया । इस अवसर पर विभिन्न फिशिंग गियर और सामान, नौचालन एवं अभियांत्रिकी और समुद्र वैज्ञानिक उपकरणों, समुद्र में सुरक्षा पर विभिन्न पहलुओं और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता इत्यादि प्रदर्शित किया गया । ओपन हाउस का उद्घाटन प्रिंसिपल, सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, कैंपबेल बे द्वारा किया गया । कैंपबेल बे बन्दरगाह की गोदों में पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* का स्कूल, कॉलेज के छात्रों और मछुआरों और स्थानीय नागरिक ने दौरा किया ।

14.12 राजभाषा गतिविधियां

हिंदी कार्यशाला एवं संगोष्ठियां

मुंबई (मुख्यालय)

भा मा स, मुख्यालय, मुंबई द्वारा कर्मचारियों को हिंदी में काम करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए 15 जून 2017 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार सहायक निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवी मुंबई को ***"हिंदी में अनुवाद"*** पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया । उन्होंने अनुवाद के लिए सही शब्द चुनने के लिए अमूल्य सुझाव दिया । उन्होंने अनुवाद में व्यावहारिक अभ्यास भी दिया । 15 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मु.) मुम्बई में दिनांक 22 सितंबर 2017 को हिंदी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों को प्रोत्साहन करने के लिए व्दितीय एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्री दामोधर गौड़, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, मुंबई को ***"हिंदी में पत्राचार"*** विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया । कार्यशाला में कुल बीस कर्मचारियों ने सक्रिय रुप से भाग लिया ।

कर्मचारी सदस्यों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रोत्साहन करने के लिए 12 दिसंबर 2017 को तीसरी एक दिवसीय हिंदी कार्याशाला भा मा स, मुख्यालय में आयोजित की गई । श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, नवी मुंबई विषय विशेषज्ञ था । उन्होंने ***"हिंदी लिखते समय सामान्य भूलों को कैसे उन्मूलन किया जाए"*** विषय पर व्याख्यान दिया । कुल मिलाकर 17 कर्मचारी सदस्य कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

हिंदी में काम करने के लिए वातावरण पैदा करने और कर्मचारी सदस्यों को प्रेरित करने के उद्देश्य से चौथी एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 28 फरवरी 2018 को भा मा स (मुख्यालय) में आयोजित की गई । श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नवी मुंबई मुख्य अतिथि रहे और ***"हिंदी अनुवाद और तकनीकी शब्दावली"*** पर व्याख्यान दिया । उन्होंने हिंदी अनुवाद के लिए सही शब्द चुनने के लिए कुछ सुझाव दिए । इसके अतिरिक्त उन्होंने अनुवाद में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया । कुल 20 कर्मचारी सदस्यों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

मुंबई बेस

"हिंदी पत्राचार" पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 2 मई 2017 को भा मा स के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई । श्रीमती वत्स्ला जोगलेकर, क. अनुवादक, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग, कुलाबा, मुंबई ने दैनंदिन सरकारी कार्य में हिंदी पत्राचार के महत्व पर व्याख्यान दिया । बेस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

दिनांक 18 अगस्त 2017 को ***"हिंदी में पत्राचार और अभ्यास"*** विषय पर दूसरी एक दिवसीय हिंदी कार्याशाला आयोजित की गई । श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मु.) मुंबई, विषय विशेषज्ञ थी और उन्होंने कार्यालय में दिन-प्रतिदिन कार्यालयीन कामकाज़ में हिंदी पत्राचार के महत्व पर व्याख्यान दिया । कार्याशाला में बेस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

मुंबई बेस ने 24 नवंबर 2017 को ***"कार्यालयीन कामकाज़ में हिंदी का प्रयोग"*** पर तीसरी एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की । इस अवसर पर डॉ. सुशील कुमार शर्मा, उप महानिदेशक (प्रबंधक), पश्चिम रेल्वे मुख्यालय, चर्चगेट, मुंबई मुख्य अतिथि रहे । कार्यशाला में मुंबई बेस से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया

भा मा स का मुंबई बेस द्वारा 08 मार्च 2018 को ***"सामान्य टिप्पणियां और पत्राचार"*** पर चौथी एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । श्री बी बालानायक, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ने विषय विशेषज्ञ श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, बेलापूर का स्वागत किया। उन्होंने फाइलों पर टिप्पणियां हिंदी में पत्राचार के संबंध में मार्गदर्शन किया ।

मुरगांव बेस

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 14 जून 2017 को आयोजित की गई । डॉ अमरीष सिन्हा, विभाग प्रमुख (रा. भा), न्यू इंडिया एश्यूरन्स कंपनी लि., मुंबई, इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे । उन्होंने ***"डिजिटल भारत और हिंदी"*** पर व्याख्यान दिया । श्री एस के जयसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सभा का स्वागत किया और कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का उपयोग दैनिक सरकारी काम में उपयोग करने के लिए बेस कार्यालय से आग्रह किया ।

दिनांक 20 सितंबर 2017 को ***"यूनिकोड और राजभाषा नीति"*** विषय पर दूसरी हिंदी कार्याशाला का आयोजन किया । डॉ. (श्रीमती) शुभ्रता मिश्रा, फ्रीलैन्स हिंदी लेखक, को इस अवसर पर विषय-विशेषज्ञ के रुप में आमंत्रित किया गया । श्री एस. के. जैसवाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सभा का स्वागत किया और सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि अपने व्यक्तिगत जीवन एवं दैनन्दिन सरकारी काम में अर्जित ज्ञान का समुचित उपयोग करें ।

21 दिसंबर 2017 को ***"यूनिकोड और राजभाषा नीति"*** पर तीसरी हिंदी कार्यशाला आयोजित की । श्री सतीश एकनाथ धुरी, क. अनुवादक, कोंकण रेल्वे, मुरगांव इस अवसर पर विषय - विशेषज्ञ थे ।

कोच्चिन बेस

अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 28 जून 2017 को आयोजित की गई । श्रीमती लीना टी पी., क. अनुवादक, कोच्चिन बेस ने ***"हिंदी टिप्पणी एवं प्रारुप लेखन"*** में कक्षा चलाई ।

कर्मचारियों के लिए 26 सितंबर 2017 को दूसरी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । श्रीमती उर्मिला के. के. सहायक निदेशक (राजभाषा) एनपीओएल से सेवानिवृत्त कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ थी । कार्यशाला में कुल 15 कर्मचारियों ने भाग लिया । श्रीमती लीना टी. पी. क. अनुवादक ने कर्मचारियों के लिए हिंदी का उपयोग में प्रशिक्षण भी प्रदान किया ।

तीसरी हिंदी कार्यशाला 21 दिसंबर 2017 को आयोजित की गई जिसमें श्री के विजयकुमारन, उप निदेशक (रा.भा.), सेवानिवृत्त ने टिप्पणी एवं प्रारुपण के संदर्भ में हिंदी व्याकरण पर व्याख्यान दिया । कुल 15 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए चौथी हिंदी कार्यशाला 28 मार्च 2018 को आयोजित की गई । श्रीमती लीना टी. पी., क. अनुवादक कोच्चिन बेस विषय विशेषज्ञ रही ।

विशाखापट्टणम बेस

20 जून 2017 को एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । इस अवसर पर श्री अरूण त्रिवेदी, हिंदी शिक्षण योजना, विशाखापट्टणम विषय विशेषज्ञ रहे। उन्होंने ***"राजभाषा के रुप में हिंदी और सरकारी कार्यालय में दैनंदिन हिंदी का प्रयोग पर"*** व्याख्यान दिया । बेस के अधिकारियों एवं कर्मरियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

दिनांक 27 सितंबर 2017 को दूसरी हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती पी. उमारानी, मुख्य प्रबन्धक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, विशाखापट्टणम, विषय-विशेषज्ञ थी । उन्होंने, सरकारी कार्यालयों में हिंदी का दिन-प्रतिदिन उपयोगिता और राजभाषा हिंदी के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया । उन्होंने बेस द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन की सराहना की ।

तीसरी हिंदी कार्यशाला 22 दिसंबर 2017 को आयोजित की गई । श्री उपेन्द्र कुमार पट्रो, व. हिंदी अनुवादक, ईर्स्टन नेवल कमांड मुख्यालय, विशाखापट्टणम विषय विशेषज्ञ रहे । उन्होंने ***"संसदीय समिति की राजभाषा निरीक्षण के विभिन्न पहलुओं और निरीक्षण प्रश्नावली भरने हेतु प्रक्रियाओं"*** पर व्याख्यान दिया ।

चौथी हिंदी कार्यशाला 06 मार्च 2018 को आयोजित की गई । श्रीमती जी दीप्ती, क. हिंदी अनुवादक, आयकर विभाग, डाबा गार्डन, विशाखापट्टणम इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ रही । उन्होंने ***"हिंदी पारिभाषिक शब्दावली"*** पर व्याख्यान दिया ।

पोर्ट ब्लेयर

भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा 19 जून 2017 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई । श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता, कार्यशाला के दौरान विषय विशेषज्ञ रहे ।

दूसरी हिंदी कार्यशाला 19 सितंबर 2019 को आयोजित की गई । श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता कार्यशाला के दौरान विषय-विशेषज्ञ थे। उन्होंने राजभाषा के महत्व और इसके कार्यान्वयन पर व्याख्यान दिया और कार्यालय में दैनिक जीवन में हिंदी के उपयोग के संबंध में व्याख्यान दिया।

27 दिसंबर 2017 को तीसरी हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई । सुश्री बनिता बेहरा, हिंदी संपर्क अधिकारी, कार्यालय प्रमुख (सी डी), भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर विषय विशेषज्ञ रही । विशेषज्ञ द्वारा ***"राजभाषा कार्यान्वयन में प्रयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी टूलों की सहायता"*** पर व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया ।

चौथी हिंदी कार्यशाल 23 मार्च 2018 को आयोजित की गई । इस अवसर पर श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता विषय विशेषज्ञ रहे । कार्यशाला में उन्होंने राजभाषा से संबंधित महत्वपूर्ण अधिनियम, नियमों, हिंदी में टिप्पणी कार्यालय ज्ञापन, आदेश और टिप्पणी पर चर्चा की

हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

मुंबई (मुख्यालय)

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (मुख्यालय), मुम्बई में 14. सितंबर 2017 को ***'हिन्दी दिवस'*** एवं 28.09.2017 तक ***'हिन्दी पखवाड़ा'*** का आयोजन किया गया। हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडा का उद्घाटन समारोह 14 सितंबर 2017 को भा मा स (मुख्यालय) में श्री महेश कुमार, फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में हुआ । इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी को लोकप्रिय बनाने और सरकारी काम में हिन्दी का उपयोग बढाने को कहा । उन्होंने सभी कर्मचारियों से ***'हिन्दी पखवाडे'*** के दौरान आयोजित की जाने वाली सभी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अनुरोध किया। श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने ***'हिन्दी दिवस'*** के अवसर पर माननीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह से प्राप्त ***'अपील'*** को पढ़ा । अपील के जरिए माननीय मंत्री ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिन्दी में मूल काम अधिक से अधिक करने को कहा ।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान पाँच प्रतियोगिताएं अर्थात् हिन्दी निबंध, पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद, अंताक्षरी, हिन्दी श्रुतलेखन, हिन्दी कविता पाठ आदि आयोजित की गई । लगभग पच्चीस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उमंग एवं उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया ।

'हिन्दी पखवाडे' का समापन समारोह 28 सितंबर 2017 को हुआ । समापन समारोह में हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जिसमें 7 कर्मचारियों ने अपने स्वरचित कविताओं को पढ़ा । समारोह में डॉ. सुशील कुमार शर्मा, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मुख्य अतिथि रहे । मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में संपर्क भाषा के रुप में हिंदी की वृध्दि के संबंध में और राजभाषा कार्यान्वयन के कार्यान्वयन में कुछ मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया । अंत में श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समारोह संपन्न हुआ । समारोह की अध्यक्षता श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) द्वारा किया गया ।

मुंबई बेस

मुम्बई बेस में 14 सितंबर 2017 को ***'हिन्दी दिवस'*** एवं 14 से 28 सितंबर 2017 तक ***'हिन्दी पखवाड़ा'*** का आयोजन किया गया । हिंदी दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन 14 सितंबर 2017 को श्री बी. बालानायक, सेवा अभियंता (यांत्रिक) की अध्यक्षता में हुआ । पखवाडों के दौरान कुल पाँच प्रतियोगिताएं जैसे निबंध लेखन, हिंदी श्रुतलेखन, सामान्य ज्ञान, हिंदी मसौदा व टिप्पणी और हिंदी अंताक्षरी, आयोजित की गई । हिंदी पखवाडें का समापन समारोह दिनांक 29 सितंबर 2017 को डॉ. एल. रामलिंगम, क्षेत्रीय निदेशक के स्वागत भाषण से शुरु हुआ । श्री नरेश कुमार, सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्युरो, बेलापुर, मुख्य अतिथि थे । कार्यक्रम के दौरान, विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया ।

मुरगांव बेस

मुरगांव बेस ने दिनांक 14-29 सितंबर 2017 तक **'हिंदी पखवाडा'** का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. वागीश पाण्डेय, प्रभारी, केंद्रीय समेकित कीटनाशक प्रबंधन, केंद्र, हार्बर, गोवा ने किया । श्री कैप्टन मनोज जोशी, हार्बर मास्टर, एम पी टी, गोवा समापन दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि थे और उन्होंने पखवाडें के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये ।

कोच्चिन बेस

14-28 सितंबर 2017 तक हिंदी पखवाडा का आयोजन किया गया । विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे- हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी समाचार वाचन, निंबध लेखन, हस्त लेखन इत्यादि आयोजित की गई । डॉ. जय सिंह मीना, निदेशक (प्रभारी) निफ्फट्, कोच्चि समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे ।

चेन्नई बेस

हिंदी पखवाडा का आयोजन दिनांक 01-14 सितंबर 2017 तक किया गया । इस अवधि के दौरान अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया । समापन समारोह 14 सितंबर 2017 को हुआ। इस समारोह में श्री ए. के. चौधरी, यांत्रिक समुद्री अभियंता, सिफनेट, चेन्नई मुख्य अतिथि रहें ।

विशाखापट्टणम बेस

दिनांक 11-25 सितंबर 2017 तक हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाडा का आयोजन किया गया । पखवाडा के दौरान कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए विविध प्रतियोगिताएं जैसे- मूलपाठ की नकल, टिप्पणी लेखन, तत्काल भाषण, प्रश्नोत्तरी इत्यादि का आयोजन किया गया । श्री के. प्रभाकर, सहायक आयुक्त पुलिस (ट्रैफिक), विशाखापट्टणम शहर, दिनांक 25 सितंबर 2017 को आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे । उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये ।

पोर्ट ब्लेयर

बेस कार्यालय द्वारा हिंदी पखवाडा दिनांक 13-27 सितंबर 2017 के दौरानन आयोजित किया गया । डॉ. सिजो पी. वर्गीस, वरिष्ठ मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने दिनांक 14 सितंबर 2017 को व्दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया । 14 सितंबर 2017 को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने भाग लिया । दिनांक 27 सितंबर 2017 को हिंदी पखवाडा का समापन समारोह आयोजित किया गया । श्री महेन्द्र प्रताप मिश्र, हिंदी अधिकारी, बी एस एन एल, पोर्ट ब्लेयर, मुख्य अतिथि थे । समापन समारोह के दौरान तत्काल भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथि ने पखवाड़े के दौरान विभिन्न आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) की बैठक में भागीदारी

भागीदारी	पदनाम	स्थान व दिनांक
डॉ. विनोद कुमार एम. श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव	व मात्स्यिकी वैज्ञानिक क. अनुवादक	पश्चिम रेल्वे,(मुख्यालय) मुंबई 31 मई 2017
डॉ. सिजो पी वर्गीस श्री शाहनवाज़	व मात्स्यिकी वैज्ञानिक क. अनुवादक	सी आइ ए आर आइ, पोर्ट ब्लेयर 28 जुलाई 2017
श्री महेश कुमार फरेज़िया श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव	महानिदेशक (प्रभारी) क. अनुवादक	पश्चिम रेल्वे (मुख्यालय) मुंबई 25 अक्तूबर 2017
श्री एम गोविन्द राव	रेडियो टेलिफोन ऑपरेटर	विभागीय रेलवे प्रबंधक कार्यालय, विशाखापट्टणम 31 अक्तूबर 2017
श्री डी. के. गुलाटी श्रीमती लीना टी. पी	क्षेत्रीय निदेशक क. अनुवादक	कोच्चिन 8 नवंबर 2017

संयुक्त हिंदी सप्ताह

भा मा स का कोच्चिन बेस ने कोच्चिन टोलिक द्वारा 20-24 2017 के दौरान आयोजित संयुक्त हिंदी सप्ताह समारोह में भाग लिया । श्रीमती आर श्रीप्रिया, एम टी एस और श्री के. सी. जोशी, बेस के समुद्री इलेक्ट्रिशियन ने इस अवधि में आयोजित हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किया ।

निरीक्षण/समीक्षा

श्रीमती निर्मल दुबे, अनुसंधान अधिकारी (प्रभारी अधिकारी) क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन कार्यालय, कोलकोत्ता ने 28 जुलाई 2017 को भा मा स का पोर्ट ब्लेयर बेस में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति का निरीक्षण किया ।

हिंदी कार्यशाला में भागीदारी

श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् और श्री शाहनवाज़, क. अनुवादक, भा मा स के पोर्ट ब्लेयर ने 3 अप्रैल 2017 को केंद्रीय व्दीप कृषि अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) द्वारा आयोजित **हिंदी कार्यशाला** में भाग लिया ।

सम्मेलन/संगोष्ठी

श्रीमती लीना टी. पी. क. अनुवादक ने 8 दिसंबर 2017 को विशाखापट्टणम में आयोजित **क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन** में भाग लिया ।

श्री के. गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एम गोविंद राव, रेडियो टेलिफोन ऑपरेटर ने 8 दिसंबर 2017 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., विशाखापट्टणम के मल्टीपर्पस हॉल में आयोजित दक्षिण एवं दक्षिण – पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया ।

श्रीमती लीना टी. पी. क. अनुवादक ने 8 जनवरी 2018 को कोच्चिन टोलिक द्वारा आयोजत तकनीकी संगोष्ठी में भाग लिया।

श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने 12 जनवरी 2018 को राष्ट्रीय केमिकल एवं फर्टीलाइजेर्स लि., चेम्बूर में आयोजित पश्चिम एवं मध्य क्षेत्र के **संयुक्त राजभाषा सम्मेलन** में भाग लिया । सम्मेलन क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पश्चिम क्षेत्र), सी.बी.डी. बेलापूर, नवी मुंबई द्वारा आयोजित किया गया था ।

हिंदी प्रशिक्षण

क्रमांक	नाम/पदनाम	विषय	स्थान/दिनांक
1	श्री बी. एल. अंजना, क. अनुवादक	पुन: अभिकल्पित अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम	सी बी डी बेलापूर, नवी मुंबई 3 अप्रैल -16 मई 2017
2	श्री के. वेंकटेश्वर राव प्रवर श्रेणी लिपिक	कप्यूटर पर हिंदी	स्वार्णा जयंती भवन, विशाखापट्टणम. 24-28 जुलाई 2017
3	श्री जी. वी. ए. प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक	कप्यूटर पर हिंदी	स्वार्णा जयंती भवन, विशाखापट्टणम. 9-13 अक्तूबर 2017
4	श्री शाहनवाज़ क. अनुवादक	संसदीय राजभाषा समिति के राजभाषा निरीक्षण के संबंधित प्रश्नावली भरने के दौरान हो रही समस्याओं का समाधान	सी आइ ए आर आइ, पोर्ट ब्लेयर 23 दिसंबर 2017

हिंदी में प्रशिक्षण

भा. मा. स (मुख्यालय) से श्री चेतन रायथाथा, यू डी सी एवं श्री विकास मिश्र, एल डी सी/हिंदी टंकक ने मई 2017 में हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी पारंगत परीक्षा क्रमश: 66.50% और 68.50% के साथ उत्तीर्ण की ।

हिंदी में सरकारी कार्य करने हेतु प्रोत्साहन योजना

हिंदी में सरकारी कार्य करने हेतु राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत, इस उद्देश्य के लिए गठित निर्धारण समिति की सिफारिशानुसार वर्ष 2016-17 के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किया गया ।

प्रथम पुरस्कार

श्री शुभ्रजित दास, आशुलिपिक ग्रेड-II

श्री राकेश कुमार, एल डी सी/हिंदी टंकक

व्दितीय पुरस्कार

श्री चेतन रायथाथा, प्रवर श्रेणी लिपिक

श्रीमती वंदना सी. वाघमारे, प्रवर श्रेणी लिपिक

श्री विशाल के खरात, अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक

तृतीय पुरस्कार

श्री विकास कुमार मिश्र, अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक

श्री चन्द्रगुप्त कुमार, अवर श्रेणी लिपिक/हिंदी टंकक

15. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यकलापों के साथ सहयोग और संघ

महानिदेशक/उनके प्रतिनिधियों ने निम्नलिखित समितियों पर कार्य किए:

1. पोत मोनिटरिंग तंत्र (वी एम एस) प्रारंभ करने के लिए प्रस्ताव पर विचार करने हेतु समिति ।
2. समुद्री मात्स्यिकी पर आंतरिक-मत्रालयीन सशक्तीकरण समिति ।
3. हिन्द महासागर टूना आयोग संकल्प के कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग एवं समीक्षा हेतु गठित कार्य दल ।
4. हिन्द महासागर टूना आयोग को प्रस्तुतीकरण हेतु टूना पर ऑकड़े का संशोधन और समीक्षा हेतु कार्य दल ।
5. मत्स्यन रोक के प्रभाव निर्धारित करने एवं उसकी अवधि की समीक्षा हेतु समिति
6. भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुन: वैधीकरण हेतु विशेषज्ञों के कार्यदल ।
7. समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थितिकी केन्द्र (सी एम एल आर ई), एम ओ ई एस, कोच्चि, की वैज्ञानिक सलाहकारी समिति।
8. बी ओ बी पी, आई जी ओ, चेन्नई की तकनीकी सलाहकारी समिति ।
9. केंद्रीय मॉनिटरिंग समिति की संरचना के साथ नरम ऋण पैकेज के कार्यान्वयन की निगरानी करने हेतु ।

10 तारापोरवाला मछलीघर के नवीकरण पर समिति ।

11. अंतर्देशीय और समुद्री पिंजरों से संभाव्य मछली पकडने का पुनवैधीकरण के लिए समिति ।

12 मात्स्यिकी से संबंधित विविध मामलों/मछुआरों की सुरक्षा पर विचार करने हेतु समिति ।

13. पशु समिति पर कार्यदल ।
14. ध्वज राज्य निष्पादन पर एफ ए ओ का तकनीकी परामर्श पर समिति ।

16. संक्षिप्त रूप

बी ओ बी एल एम इ [बोबलम]	:	बंगाल की खाड़ी विशाल समुद्री पारिस्थिति कतंत्र
बी ओ बी पी-आई जी ओ	:	बंगाल की खाड़ी कार्यक्रम अंतर सरकारी संगठन
सी सी आर एफ	:	उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता
सि फनेट	:	केन्द्रीय मात्स्यि की नाविकी एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान
सी आई एफ आर आई	:	केन्द्रीय अन्तर्स्थलिय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
सी आई एफ टी	:	केन्द्रीय मात्स्यि की प्रौद्योगिकी संस्थान
सी एम एफ आर आई	:	केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
सी एम एल आर इ	:	समुद्री सजीव संसाधन एवं पारिस्थिति की केन्द्र
ई ई जेड़ [अ आ क्षे]	:	अनन्य आर्थिक क्षेत्र
जी आई एस	:	भौगोलिक सूचना तंत्र
जी ओ आई	:	भारत सरकार
इफको	:	अंतर्राष्ट्रीय फोस्टर केयर संगठन
आई आई टी एफ	:	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला
आई एम एस	:	भारतीय मौसमी संघ
इनकोइस	:	भारतीय महासागर विज्ञान सूचना केन्द्र
आई ओ टी सी	:	हिन्द महासागर टूना आयोग
आई ओ टी सी एस सी	:	हिन्द महासागर टूना आयोग वैज्ञानिक समिति
आई टी पी ओ	:	भारतीय व्यापार प्रोन्नयन संगठन
एम सी एस	:	मॉनिटरिंग नियंत्रण एवं निगरानी
एन ए एस सी	:	राष्ट्रीय एरोनोटिक एवं अन्तरिक्ष परिषद
एन एफ डी बी	:	राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड
एन आई सी	:	राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र
एन आई ओ टी	:	राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान
पी एस सी	:	परियोजना विषय निर्वाचन समिति
आर ए सी	:	अनुसंधान सलाहकारी समिति
आर ए एल बी ए एम	:	लॉब्स्टर जीवविज्ञान, जलकृषि एवं प्रबंधन में हालही की उन्नति
एस ए सी	:	अन्तरीक्ष उपयोग केन्द्र
एस ए सी- एम एल आर पी	:	समुद्री सजीव संसाधन कार्यक्रम पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति
सिफ्ट	:	राज्य मात्स्यि की प्रौद्योगि की संस्थान
टोलिक	:	नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति
वी एम एस	:	पोत मॉनिटरिंग तंत्र

प्रजातियाँ

वाई एफ टी	:	येल्लोफिन टूना
एस के जे	:	स्किपजेक टूना
एम ए आर	:	मार्लिन
एस डब्ल्यू ओ	:	स्वोर्ड फिश
एस ए आई	:	सेईल फिश
एस एच ए	:	शार्क
ओ टी एच	:	अन्य
डी ओ एल	:	डोलफिन

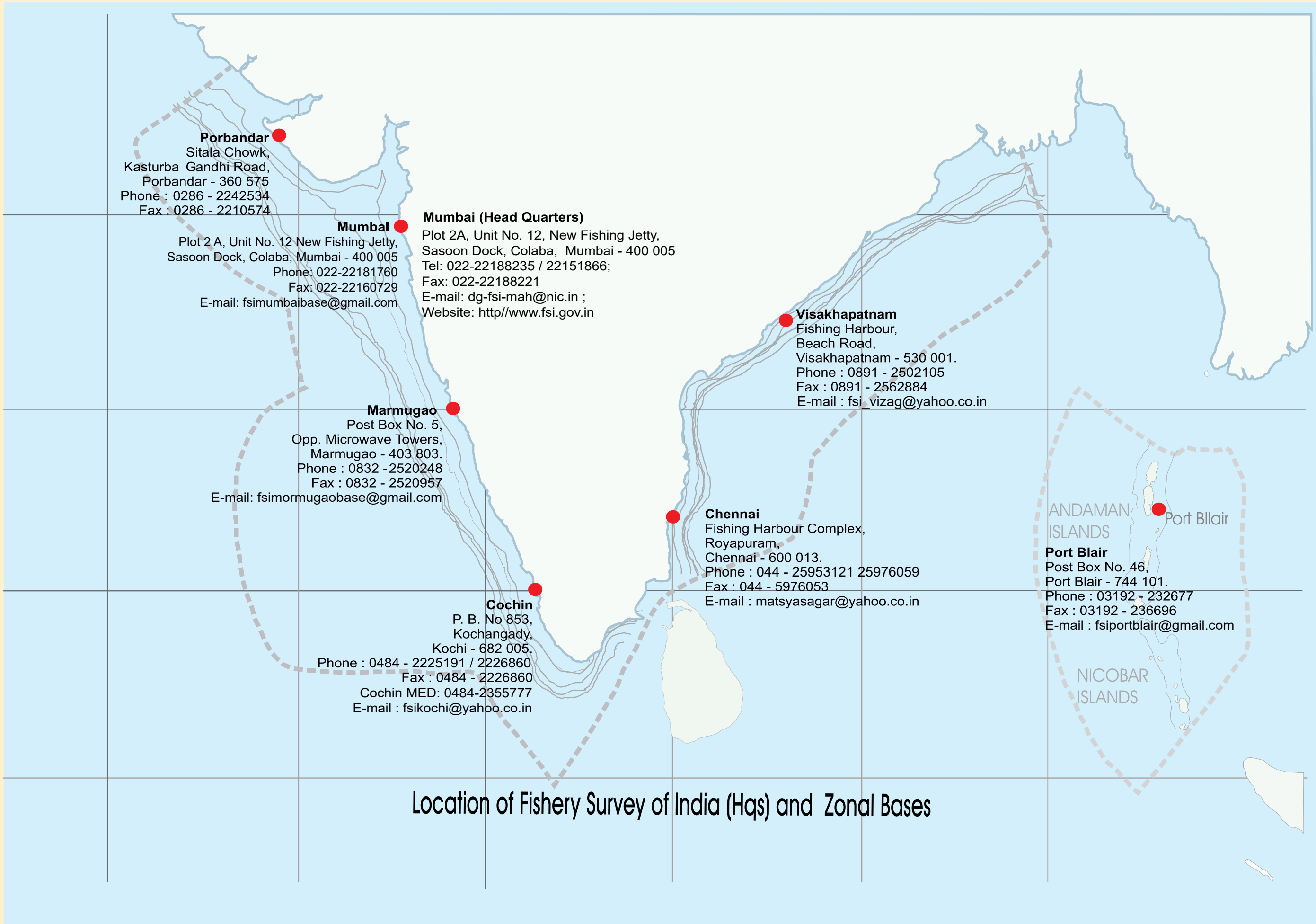

Location of Fishery Survey of India (Hqs) and Zonal Bases

Department of Animal Husbandry, Dairying & Fisheries
Ministry of Agriculture and Farmers Welfare
Government of India
Krishi Bhawan, New Delhi, India-110 001.

Website www.dadf.gov.in & http://dahd.nic.in
KISAAN PORTAL Website: www.farmer.gov.in / www.mkisan.gov.in
For more information, call: 1800-180-1551
Send “KISAAN GOV HELP” as SMS to 51969 (Service provider rates apply)
Poultry Development: www.facebook.com/poultryinindia-242959095864252
Fodder Development: www.facebook.com/fodderinindia
Sheep and Goat Development www.facebook.com/ sheepgoatsindia
Twitter: twitter.com/poultryinindia & twitter.com/ cpdoti
Facebook page of DADF-www.facebook.com/ Animal-Husbandry-Dairying-Fisheries-India-161942617536286
Twitter handle of DADF - twitter.com/DOAHDF

Printed at Onlooker Press: 2218 3544 / 2939